front page new 1:front page 01.qxd 3/10/2024 1:14 AM Page 1

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

जर्नलिज़्म टुडे

नई दिल्ली एवं लखनऊ से प्रकाशित

RNI No. DELHIN/2013/48870 ■ वर्षः 11 ■ अंकः 358 ■ नई दिल्ली ■ रविवार 10 मार्च, 2024 ■ पृष्ठ 08 ■ मूल्यः 1 रुपये Email : journalismtoday7@gmail.com | journalismtoday.in

पीएम मोदी ने किया सबसे लंबी सुरंग का उद्घाटन

❖ 13,000 फीट की ऊंचाई पर बनी दो लेन की सबसे लंबी सुरंग

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अपने पूर्वोत्तर दौरे के दूसरे दिन अरुणाचल प्रदेश पहुंचे। यहां उन्होंने हजारों करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इनमें सबसे खास सामरिक रूप से महत्वपूर्ण, बहुप्रतीक्षित और दुनिया के सबसे ऊंचाई (13000 फीट) पर बनी सबसे लंबी सुरंग (सेला पास) रही। डबल लेन वाली यह ऑल वेदर टनल अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम कामिंग और तवांग जिले को जोड़ेगा। एलएसी तक पहुंचने वाला यह एक मात्र रास्ता है। इस बीच यह जानना अहम है कि आखिर सेला टनल भारत के लिए कूटनीतिक लिहाज से कितनी अहम है? इसकी खास बातें क्या हैं? साथ ही यह कितनी लंबी है और इससे आम लोगों और सेना को क्या फायदा होगा? सेला दर्रे पर वर्तमान में, भारतीय सेना के जवान और क्षेत्र के लोग तवांग पहुंचने के लिए

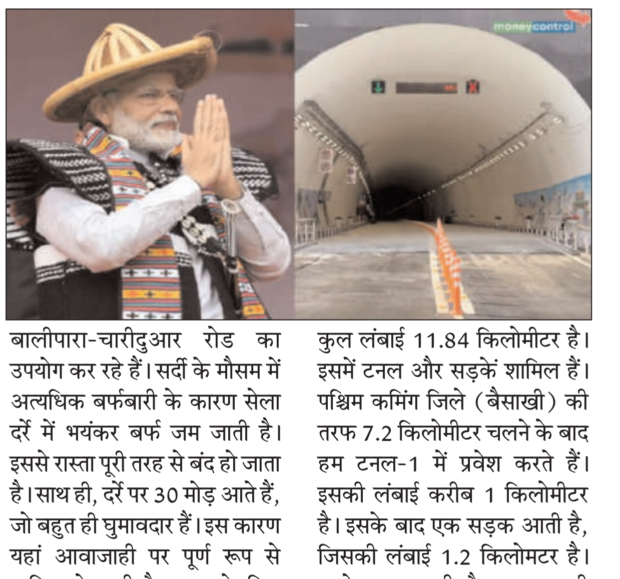

बालीपारा-चारीदुआर रोड का उपयोग कर रहे हैं। सर्दी के मौसम में अत्यधिक बर्फबारी के कारण सेला दर्रे में भयंकर बर्फ जम जाती है। इससे रास्ता पूरी तरह से बंद हो जाता है। साथ ही, दर्रे पर 30 मोड़ आते हैं, जो बहुत ही घुमावदार हैं। इस कारण यहां आवाजाही पर पूर्ण रूप से बाधित हो जाती है। सफर के लिए कई-कई घंटों तक का इतंजार करना पड़ता है। इस दौरान पूरा तवांग सेक्टर देश के बाकी हिस्सों से कट जाता है। सेला दर्रा सुरंग मौजूदा सड़क को बायपास करेगी और यह बैसाखी को नूरानंग से जोड़ेगी। इसके साथ ही सेला सुरंग सेला-चारबेला रिज से कटती है, जो तवांग जिले को पश्चिम कामेंग जिले से अलग करती है। टनल प्रोजेक्ट की कुल लंबाई 11.84 किलोमीटर है। इसमें टनल और सड़कें शामिल हैं। पश्चिम कमिंग जिले (बैसाखी) की तरफ 7.2 किलोमीटर चलने के बाद हम टनल-1 में प्रवेश करते हैं। इसकी लंबाई करीब 1 किलोमीटर है। इसके बाद एक सड़क आती है, जिसकी लंबाई 1.2 किलोमटर है। इसके बाद आती है टनल-2 की जिसकी लंबाई 1.591 किलोमीटर है। टनल से निकलने के बाद तीसरी सड़क है, जो नूरानंग की तरफ निकलती है, इसकी लंबाई है 770 मीटर की है।

इसलिए खास है प्रोजेक्ट

सेला टनल 13,500 फीट से ज्यादा की ऊंचाई पर दो लेन में बनी दुनिया की सबसे बडी सुरंगहोगी

अरुणाचल प्रदेश के तवांग और वेस्ट कामेंग जिलों को जोड़ेगा टनल 1 और टनल 2

टनल की कुल लंबाई है 11.84 किलोमीटर है

1591 मीटर का ट्विन ट्यूब चैनल हो रहा है तैयार। दूसरी सुरंग 993 मीटर लंबी है।

टनल 2 में ट्रैफिक के लिए एक बाई-लेन ट्यूब और एक एस्केप ट्यूब बनाया गया है। मुख्य सुरंग के साथ ही इतनी ही लंबाई की एक और सुरंग बनाई गई है, जो किसी आपातकालीन समय में काम आएगी।

लाचित बोरफुकन की प्रतिमा का अनावरण

गुवाहटी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इनदिनों पूर्वोत्तर राज्यों के दौरे पर हैं। शनिवार को उन्होंने असम के काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में हाथी व जीप सफारी का आनंद लिया। काजीरंगा से वह अरुणाचल प्रदेश के दौरे पर गए और वहां सेला टनल का उद्घाटन किया। इसके बाद पीएम मोदी वापस जोरहाट लौटे और यहां लाचित बोरफुकन की प्रतिमा का अनावरण किया। राम वनजी सुतार द्वारा निर्मित प्रतिमा की ऊंचाई 84 फीट है। प्रतिमा को 41 फीट के पेडेस्टल पर स्थापित किया गया है, जिससे संरचना 125 फीट ऊंची हो गई। इस प्रतिमा की नींव 2022 में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने रखी थी। बता दें कि लाचित बोरफुकन अहोम साम्राज्य के एक महान सेनापति थे। उन्हें 1671 की सरायघाट की लड़ाई में उनकी भूमिका के लिए जाना जाता है। उन्होंने राजा रामसिंह-प्रथम के नेतृत्व में शक्तिशाली मुगल सेना द्वारा असम को वापस लेने के प्रयास को विफल कर दिया था। प्रतिमा का अनावरण करने के बाद पीएम मोदी ने यहां 17,750 करोड़ रुपये के विभिन्न परियजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए भारी संख्या में महिलाएं पहुंचीं। कार्बी आंगलॉन्ग से लखपति बैदेव (लखपति बहनें) भी इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जोरहाट पहुंची। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा, बहुत अच्छा लग रहा है। हम बहुत खुश हैं। हम प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को देखे रहे हैं। हम 26 से 27 लोग यहां आए हैं।

मायावती का अकेले लोकसभा चुनाव लड़ने का एलान

❖ लिखा, बहुजन समाज के हित में बीएसपी का फैसला अटल

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर बड़ी घोषणा की है। उन्होंने एलान किया है कि बहुजन समाज पार्टी अकेले लोकसभा चुनाव लड़ेगी। उन्होंने किसी तीसरे मोर्चे और किसी के साथ गठबंधन करने के अटकलों पर भी विराम लगा दिया है। दरअसल, इंडिया गठबंधन से करीबी बढ़ने की चचाएं चल रहीं थीं। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर बड़ा एलान किया है। पोस्ट में उन्होंने अकेले ही लोकसभा चुनाव लड़ने का एलान किया है।

मायावती ने लिखा कि बीएसपी देश में लोकसभा का आमचुनाव अकेले अपने बलबूते पर पूरी तैयारी व दमदारी के साथ लड़ रही है। ऐसे में चुनावी गठबंधन या तीसरा मोर्चा आदि बनाने की अफवाह फैलाना यह घोर फेक व गलत न्यूज। मीडिया ऐसी शरारतपूर्ण खबरें देकर अपनी विश्वसनीयता न खोए। लोग भी सावधान रहें। खासकर यूपी में बीएसपी की काफी मजबूती के साथ अकेले चुनाव लड़ने के कारण विरोधी लोग काफी बैचेन लगते हैं। इसीलिए ये आए दिन किस्म-किस्म की अफवाहें फैलाकर लोगों को गुमराह करने का प्रयास करते रहते हैं। किन्तु बहुजन समाज के हित में बीएसपी का अकेले चुनाव लड़ने का फैसला अटल। मायावती इसके पहले भी कई बार लोकसभा चुनाव के लिए किसी भी तरह के गठबंधन में शामिल होने से इनकार करती रही हैं। उन्होंने चुनाव के लिए अभी तक प्रत्याशियों की घोषणा भी नहीं की है जिसके कारण उनके इंडिया गठबंधन में शामिल होने के कयास लगाए जा रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

मादक पदार्थों की तस्करी मामले में द्रमुक के पूर्व पदाधिकारी गिरफ्तार

नई दिल्ली। स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने शनिवार को कहा कि उसने अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी के एक मामले की जांच के संबंध में तमिलनाडु में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के पूर्व पदाधिकारी जाफर सादिक को गिरफ्तार किया है। अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी से जुड़ा यह मामला लगभग दो हजार करोड़ रुपये से अधिक का है। एनसीबी के उपमहानिदेशक ज्ञानेश्वर सिंह ने बताया कि सादिक को शनिवार को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया। एनसीबी ने सादिक को भारत, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच फैले अंतरराष्ट्रीय मादक तस्कर गिरोह का सरगना करार दिया है। तमिल फिल्मों के निमार्ता सादिक को सत्तारूढ़ द्रमुक से हाल में निष्कासित किया गया था। एजेंसी ने मादक पदार्थ तस्करी गिरोह से सादिक के कथित संबंधों का खुलासा किया था और इसके बाद उन्हें पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाया गया था। राज्य में विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) इस मुद्दे पर लगातार द्रमुक को निशाना बना रहे हैं। पिछले महीने एनसीबी ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया था और दिल्ली के एक गोदाम में छापेमारी में 50 किलोग्राम मादक पदार्थ बनाने वाला रसायन स्यूडोएफेड्राइन जब्त किया था।

राष्ट्रीय जनजाति आयोग की सदस्य बनीं भाजपा की राष्ट्रीय मंत्री आशा लकड़ा

रांची (झारखंड)। भाजपा की राष्ट्रीय मंत्री सह रांची की पूर्व मेयर डॉ. आशा लकड़ा को केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय जनजाति आयोग का सदस्य बनाया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की अनुशंसा के बाद मिनिस्ट्री ऑफ ट्राइबल अफेयर्स के एनसीएसटी सेक्शन ने शनिवार को इस संबंध में आदेश जारी किया। यह पद केंद्रीय राज्य मंत्री के समकक्ष है। वर्तमान में डॉ. आशा लकड़ा भाजपा पश्चिम बंगाल की सह प्रभारी हैं। झारखंड में सशक्त आदिवासी महिला के रूप में उभरी डॉ. आशा लकड़ा के कार्यक्षेत्र और आम लोगों के बीच उनकी अलग पहचान को लेकर केंद्रीय भाजपा कमेटी ने उन्हें राष्ट्रीय कमेटी में राष्ट्रीय मंत्री पद की जिम्मेदारी दी। वर्ष 2022 में उन्हें देश के कई राज्यों में चुनावी रणनीति तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई थी। छत्तीसगढ़, असम, पश्चिम बंगाल और गोवा में विधानसभा चुनाव के दौरान उन्होंने सूझबूझ एवं राजनीतिक परिपक्वता से भाजपा को बढ़त दिलाई। अब केंद्र सरकार ने उन्हें नई जिम्मेदारी दी है। आशा लकड़ा ने इस नई जिम्मेदारी के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता है।

विधान परिषद चुनावः भाजपा ने की बिहार और उप्र के उम्मीदवारों की घोषणा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को उत्तर प्रदेश और बिहार में होने वाले विधान परिषद चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी। भाजपा की केन्द्रीय चुनाव समिति ने बिहार एवं उत्तर प्रदेश में होने वाले विधान परिषद चुनाव के लिए उम्मीदवारों के नामों को स्वीकृति प्रदान की। शनिवार को पार्टी की ओर से जारी सूची में उत्तर प्रदेश से विजय बहादुर पाठक, डॉ. महेन्द्र कुमार सिंह, अशोक कटारिया, मोहित बेनीवाल, धर्मेन्द्र सिंह, रामतीरथ सिंघल और संतोष सिंह शामिल है। उधर, बिहार में मंगल पांडे, अनामिका सिंह और डॉ. लाल मोहन गुप्ता को विधान परिषद का उम्मीदवार बनाया गया है। यहां विधान परिषद की खाली हो रही 11 सीटों में से 4 सीटें भाजपा के पास हैं।

जम्मू-कश्मीर में लोकसभा के साथ विधानसभा चुनाव संभव

❖ गृह मंत्रालय और निर्वाचन आयोग की बैठक में चर्चा

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश, ओडिशा, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश के साथ ही जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराए जा सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि इस संबंध में गृह मंत्रालय के शीर्ष अधिकारियों के साथ चुनाव आयोग की बैठक में चर्चा हुई है। आगामी लोकसभा चुनाव के लिए देशभर में सुरक्षा बलों की तैनाती को लेकर आयोग की गृह मंत्रालय के साथ ही रेल मंत्रालय के अधिकारियों के साथ बातचीत हुई है। पिछले साल दिसंबर में सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को इस साल 30 सितंबर तक जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने का निर्देश दिया था। हालांकि, अभी इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है कि क्या इस साल अप्रैल-मई में निर्धारित लोकसभा चुनाव के साथ जम्मू- कश्मीर विधानसभा चुनाव भी कराए जा सकते हैं। आंध्र प्रदेश, ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम विधानसभा का कार्यकाल भी जून में अलग-अलग तिथि को खत्म हो रहा है और इन राज्यों में लोकसभा चुनाव के साथ ही विधानसभा चुनाव कराए जाएंगे। बैठक में मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार, चुनाव आयुक्त अरुण गोयल और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। यह बैठक ऐसे समय हुई है जबकि चुनाव आयोग की एक टीम चुनावी तैयारियों का जायजा लेने अगले हफ्ते जम्मू-कश्मीर जाने चाला है। 2019 में अनुच्छेद 370 को खत्म करने के बाद जम्मू-कश्मीर को दो हिस्सों में बांट दिया गया। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के नाम से दो केंद्र शासित प्रदेशों का गठन किया गया था। अगर विधानसभा चुनाव कराए जाते हैं तो अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के बाद पहला चुनाव होगा। परिसीमन के बाद जम्मू-कश्मीर विधानसभा में सीटों की संख्या 83 से बढ़कर 90 हो गई है। इसमें पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर के लिए आरक्षित सीटें शामिल नहीं हैं।

भाजपा-एनसीपी के बीच सीट बंटवारे पर फंसा पेच, सीएम शिंदे और अजित पवार ने गृहमंत्री से की मुलाकात

मुंबई। लोकसभा चुनाव के लिए गृह मंत्री शाह से सीट बंटवारे पर बातचीत के पहले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के शीर्ष नेता शुक्रवार शाम पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रफुल्ल पटेल के आवास पर एकत्र हुए। राकांपा के अध्यक्ष और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार और एनसीपी की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख सुनील तटकरे सीट बंटवारे पर बातचीत के लिए राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के भी शाह के साथ बैठक में मौजूद रहने की संभावना है। महाराष्ट्र सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल भाजपा, शिवसेना और राकांपा लोकसभा चुनाव के मद्देनजर सीटों की साझेदारी पर बातचीत कर रही है। शाह ने मंगलवार को अपने मुंबई दौरे पर पवार, फडणवीस और शिंदे के साथ बैठक की थी। महाराष्ट्र से लोकसभा के 48 सांसद आते हैं। सीएम एकनाथ शिंदे और डिप्टी सीएम अजित पवार ने सीट शेयरिंग को लेकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से नई दिल्ली में मुलाकात की। गृहमंत्री के साथ शाम सात बजे बैठक शुरू हुई। बैठक में शाह, शिंदे और पवार के साथ-साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और प्रफुल्ल पटेल भी मौजूद थे। बैठक में दोनों पार्टियों के बीच सीट शेयरिंग फॉमूर्ले पर विचार-विमर्श किया गया।

देश को मिली पहली एआई शिक्षिका

❖ तीन भाषाओं में करती है बात; स्कूल में साड़ी पहनकर पहुंची

पतिरुवनंतपुरम। देश को पहली एआई शिक्षिका मिल गई है। केरल के तिरुवनंतपुरम के एक स्कूल में आईरिस नामक एक रोबोट शिक्षक पेश किया गया है। इसे मेकरलैब्स एडुटेककंपनी की मदद से बनाया गया है। कंपनी के मुताबिक, आईरिस देश की पहली जेनरेटिव एआई टीचर है। राज्य के केटीसीटी स्कूल में एआई शिक्षिका साड़ी में नजर आई और बच्चों से हाथ मिलाया। दरअसल आईरिस भारत सरकार की योजना एटीएल (अटल टिंकरिंग लैब) का हिस्सा है। इसका उद्देश्य स्कूलों में बच्चों के बीच मनोरंजक गतिविधियों को बढ़ाना है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, यह तीन प्रमुख भाषाओं में बातचीत कर सकती है और यह विद्यार्थियों के कठिन से कठिन सवालों के जवाब भी बेहद आसानी से दे सकती है। आईरिस का नॉलेज बेस चैटजीपीटी जैसे प्रोग्रामिंग से बनाया गया है।

यह अन्य ऑटोमेटिक शिक्षण उपकरणों से ज्यादा व्यापक है। इसमें एक इंटेल प्रोसेसर और एक को-प्रोसेसर है, जो कई तरह के कमांड को संभालेगा। एजेंसी मानव निर्मित आईरिस चार पहियों पर घूमती है। आईरिस के गले में माइक्रोफोन को एक हार के रूप में सजाया गया है और बात करने के लिए इसमें स्पीकर लगाया गया है। यह गणित या विज्ञान जैसे विभिन्न विषयों के कठिन प्रश्नों का उत्तर दे सकती है। यह आपकी आवाज के मामले में आपको व्यक्तिगत मदद भी कर सकती है।

अब नेपाल में भी यूपीआई सेवा उपलब्ध

❖ क्यूआर कोड से कर सकते हैं भुगतान, दोनों देशों को होगा फायदा

मुंबई। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने घोषणा की कि यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) अब पड़ोसी देश नेपाल में भी उपलब्ध है। संस्था की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया कि यूपीआई उपयोगकर्ता नेपाली व्यापारियों को भुगतान करने के लिए क्यूआर कोड स्कैन कर सकते हैं। एनआईपीएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रितेश शुक्ला ने कहा, यह पहल डिजिटल भुगतान क्षेत्र में हमारे नवाचार की प्रतिबद्धता को दशार्ती है। इस सुविधा से दोनों देशों के बीच सीमा पार लेनदेन के साथ वाणिज्य और पर्यटन में सुधार होगा। भारत ने नेपाल को आश्वासन दिया है कि नेपाली कांग्रेस और सीपीएन (माओवादी केंद्र) के बीच गठबंधन टूटने तथा नई सरकार के गठन के बाद नेपाल के प्रति उसकी नीति नहीं बदलेगी। द काठमांडो पोस्ट अखबार की खबर के अनुसार, यह आश्वासन नेपाल में भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने दिया। वह उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री नारायण काजी श्रेष्ठ तथा वित्त मंत्री वर्षा मान पुन से भी मिले। खबर के मुताबिक, श्रीवास्तव ने दोनों मंत्रियों को बताया कि नेपाल के प्रति भारत की नीति एक समान बनी हुई है और वह नेपाल में राजनीतिक बदलावों को उसका आंतरिक मामला मानता है। भारत के नेपाली कांग्रेस और सीपीएन (माओवादी केंद्र) का गठबंधन टूटने तथा सीपीएन-यूएमएल और माओवादी केंद्र के बीच नए गठबंधन से खुश नहीं होने की अटकलों के बीच राजदूत ने यह आश्वासन दिया। नेपाली विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अमृत बहादुर राय ने कहा, मंत्रालय में श्रेष्ठ के साथ बैठक के दौरान श्रीवास्तव ने द्विपक्षीय-पारस्परिक हित पर चर्चा की। हिमालयन टाइम्स अखबार ने राय के हवाले से कहा कि बैठक के दौरान श्रेष्ठ और भारतीय राजदूत ने दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करने तथा भारत की सहायता से नेपाल में विकास परियोजनाओं को समय पर पूरा करने सहित अन्य विषयों पर चर्चा की।

शोध में बड़ा खुलासाः संक्रमण के बाद शरीर में एक साल तक रह सकता है कोरोनावायरस

वैज्ञानिक यह समझने के लिए शोध कर रहे थे कि लॉन्ग कोविड के क्या कारण हो सकते हैं

नई दिल्ली। कोरोनावायरस चार साल से अधिक समय से वैश्विक स्वास्थ्य के लिए बड़ा जोखिम बना हुआ है। संक्रमण के दौरान कई लोगों में गंभीर रोगों का खतरा देखा गया, इतना ही नहीं संक्रमण से ठीक हो चुके लोगों में पोस्ट कोविड के जोखिमों को लेकर स्वास्थ्य विशेषज्ञ चिंता जताते रहे हैं। मसलन कोरोना का अगर एक बार संक्रमण हो जाए तो इससे सेहत को कई प्रकार के नुकसान होने का जोखिम हो सकता है। इसी से संबंधित एक हालिया अध्ययन में शोधकताओं की टीम ने बड़ा खुलासा किया है। कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने शोध के दौरान पाया है कि किसी व्यक्ति के पहली बार कोरोना से संक्रमित होने के बाद वायरस के अवशेष

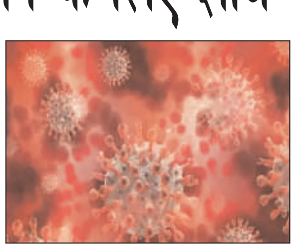

एक वर्ष से अधिक समय तक रक्त और ऊतकों में रह सकते हैं। लॉन्ग कोविड के जोखिमों को लेकर शोध कर रही वैज्ञानिकों की टीम ने बताया कि संक्रमण के बाद 14 महीने तक रक्त में और दो साल से अधिक समय तक ऊतकों के सैंपल में कोरोनावायरस के एंटीजन पाए गए। संभवतः ये एक कारण हो सकता है कि बार-बार लोग कोरोना से संक्रमित पाए जा रहे हैं। कोरोना के जोखिमों को लेकर सभी लोगों को सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता है। यूसीएसएफ स्कूल ऑफ मेडिसिन में संक्रामक रोगों के शोधकर्ता माइकल पेलुसो कहते हैं, ये अध्ययन अब तक का सबसे मजबूत सबूत प्रदान करता है कि कोविड-19 एंटीजन कुछ लोगों में लंबे समय तक बने रह सकते हैं, भले ही हमें लगता है कि उनके पास सामान्य प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाएं हैं।

कैसे हटाए जा सकते हैं शरीर से वायरस ?

वैज्ञानिक यह समझने के लिए शोध कर रहे थे कि लॉन्ग कोविड के क्या कारण हो सकते हैं, जिसमें बीमारी के लक्षण संक्रमण से ठीक होने के बाद भी महीनों या वर्षों तक बने रहते हैं। लॉन्ग कोविड के कारण सबसे आम लक्षणों में अत्यधिक थकान, सांस लेने में तकलीफ, गंध की कमी और मांसपेशियों में दर्द की समस्या देखी जाती रही है। पर कुछ लोगों में ये हृदय, फेफड़े और मस्तिष्क से संबंधित समस्याओं को बढ़ाने वाली भी हो सकती है। यूसीएसएफ की शोध टीम ने इस अध्ययन के लिए 171 संक्रमित लोगों के ब्लड सैंपल की जांच की। इसमें पाया गया कि कुछ लोगों में संक्रमण के 14 महीने बाद तक कोविड-19 के स्पाइक प्रोटीन मौजूद थे। एंटीजन उन लोगों में अधिक पाए गए जिनको संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती रहना पड़ा था या फिर जिन लोगों में कोरोना के लक्षण काफी गंभीर थे। इतना ही नहीं शरीर के ऊतकों में, संक्रमित होने के दो साल बाद तक भी वायरस के आरएनए के अंश मिले हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार, कोरोना के वायरल फ्रेग्मेंट्स कनेक्टिव टिश्यू में पाए गए जहां प्रतिरक्षा कोशिकाएं होती हैं। इससे ये भी पता चलता है कि इन फ्रेग्मेंट्स ने प्रतिरक्षा प्रणाली पर हमला किया। इस शोध के बाद यूसीएसएफ टीम यह पता लगाने के लिए क्लिनिकल परीक्षण कर रही है कि क्या मोनोक्लोनल एंटीबॉडी या एंटीवायरल दवाएं शरीर में बने रहने वाले वायरस को हटा सकती हैं ?

दो स्पोर्ट्स कंपनियां अगले महीने शुरू

❖ सेना में मिलेगा सीधे प्रवेश, पहली अप्रैल से होगी शुरूआत

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने महिला सशक्तीकरण और नारी शक्ति के प्रदर्शन के राष्ट्रीय दृष्टिकोण को ध्यान में रखकर चरणबद्ध तरीके से 2 आर्मी गर्ल्स स्पोर्ट्स कंपनियों (एजीएससी) के गठन का एलान किया है। इन कंपनियों के संचालन के लिए सेना ने अपने दो सेंटर ऑफ एक्सिलेंस को चिह्नित किया है। महू में आर्मी मार्क्समैनशिप यूनिट और पुणे में आर्मी स्पोर्ट्स इंस्टीट्यूट के जरिये देशभर से चुनी गई लड़कियों को शिक्षा देने के साथ ही खेलों में चैंपियन बनाया जाएगा। इसके अलावा यहां से पढ़कर निकली इन लड़कियों को सेना में सीधे प्रवेश मिल पाएगा। सेना की तरफ से जारी बयान में बताया गया कि एजीएससी एक अप्रैल से शुरू हो जाएगा। इसके तहत युवा प्रतिभा की पहचान की जाएगी। इन लड़कियों को औपचारिक शिक्षा के साथ ही खेलों के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके अलावा एजीएससी के तहत चुनी गई लड़कियां अग्निवीर व नॉन कमिशंड ऑफिसर (एनसीओ) और जूनियर कमिशंड ऑफिसर (जेसीओ) योजनाओं के तहत सेना में सीधे भर्ती के लिए पात्र होंगी। सेना के मुताबिक एजीएससी के जरिये लड़कियों को शूटिंग, तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बॉक्सिंग और वेटलिफ्टिंग का प्रशिक्षण दिया जाएगा। महू और पुणे में इन खेलों का प्रशिक्षण देने के लिए सेना के पास वर्ल्ड क्लास ट्रेनिंग इंफ्रास्ट्रक्चर और स्पोर्ट मेडिसिन सेंटर है। इसके साथ ही सेना की तरफ से जारी वक्तव्य मं बातया गया यहां प्रशिक्षण के लिए चुनी गई लड़कियों को सीनियर आर्मी टीम और एथलीट्स के अनुभव का भी लाभ मिलेगा क्योंकि वे भी यहीं ट्रेनिंग करते हैं।

02 wwwjournalismtodayin | बिहार | रविवार 10 मार्च, 2024 | राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक दिल्ली से प्रकाशित जर्नलिज़्म टुडे

मोदी सरकार में महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास हेतु बहुत काम हुए हैं: ए पी पाठक

बेतिया : पुर्व नौकरशाह, बाबु धाम ट्रस्ट के संस्थापक और भाजपा नेता एपी पाठक बेतिया के हवाई अड्डा में सैकड़ों गाड़ियों, हजारों लोगों और दर्जनों भाजपा कार्यकर्ताओ और निकाय जनप्रतिनिधियों के साथ देश के यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी जी की रैली में बेतिया में भाग लिए।

इससे पूर्व भाजपा नेता एपी पाठक अपने जन्मदिन के उपलक्ष्य में सैकड़ों ग्रामीणों के साथ दलित बच्चों के बीच मिठाई और केक के साथ अपना जन्मदिन मनाया । कारवां जब लौरिया पहुंचा तो मिडिया को अपने संबोधन में एपी पाठक ने मोदी जी की तुलना राष्ट्रपिता महात्मा गांधी से करते हुए₹ मोदी नहीं ये आंधी है नए भारत का गांधी₹ का नारा दिया।रैली के समापन पर एपी पाठक कई मिडिया से मुखातिब हुए जिसमे उन्होंने रैली की सफलता के लिए रैली में आए लाखों लोगों को बधाई दिया और धन्यवाद प्रेषित किया।उन्होंने बताया कि आज मोदी जी ने 8800 करोड़ की विकास योजनाओं का उद्घाटन, लोकार्पण और शिलान्यास कर ₹विकसित भारत विकसित चंपारण ₹की आधारशिला रख दी जिससे चंपारण की जनता उनको कोटि कोटि धन्यवाद देती है।

एपी पाठक ने कहा कि सारा देश सहित सभी चंपारण के लोग मोदी का परिवारहै। भाजपा नेता एपी पाठक ने बिहार के उप मुख्यमंत्री और निर्वतमन प्रदेश अध्यक्ष सह बेत्तिया संसद संजय जायसवाल की तारीफ करते हुए चंपारण की विकास में उनके योगदान और रैली की सफलता हेतु वाल्मिकीनगर लोकसभा के तरफ से बधाई दिया और धन्यवाद दिया।

एनडीए अबकी बार 400 पार जीतेगा और बिहार में क्लीन स्वीप करेगा

भाजपा नेता एपी पाठक ने महात्मा गांधी की ग्राम सुराज और गांवों के विकास की लक्ष्य को मोदी सरकार की प्राथमिकताओं से जोड़ते हुए कहा कि आजादी के बाद से गांवों का विकास जितना मोदी सरकार ने किया उसकी तुलना दूसरों से नहीं की जा सकती है।उन्होंने महिलाओं को इंगित करते हुए कहा कि मोदी सरकार ने महिलाओं के शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास हेतु लगातार काम किया हैं और यह अनवरत चालू हैं। उन्होंने कहा कि वो पिछले एक सप्ताह से चारों ओर घुम घुमकर रैली की सफलता के लिए प्रयासरत थे। रैली में अपार भिड़ देख मोदी जी और सम्राट चौधरी काफी खुश दिखे ।

रमजान में मुस्लिम शिक्षकों को दो घन्टा पूर्व विद्यालय छोड़ने की अनुमति प्रदान की जाए : महजूरुल कादरी

मोहम्मद सुल्तान अख़्तर।

नवादा बिहार। बिहार स्टेट उर्दू टीचर्स एसोसिएशन नवादा के ज़िला अध्यक्ष मौलाना मो० जहांगीर आलम महजूरूल कादरी ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बिहार के मुख्यमंत्री आदरणीय श्री नितीश कुमार एवं शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री के के पाठक से अनुरोध किया है कि आगामी 12 मार्च 2024 से रमजान का पवित्र महीना प्रारम्भ होने जा रहा है और इस महीने में मुस्लिम समुदाय के लोग रोजा (उपवास) रखते हैं जो कि सुबह 3:30 से संध्या के 6:00 बजे तक चलेगा लिहाजा उक्त बातों को मद्देनजर रखते हुए पूर्व की भांति सरकारी विद्यालयों में कार्यरत मुस्लिम शासकों को विद्यालय अवधि की समाप्ति से दो घंटा पूर्व विद्यालय छोड़ने की अनुमति प्रदान करने की चिठ्ठी निकालने की कृपा की जाए साथ ही उर्दू भाषी विद्यालयों को समय से दो घंटा पूर्व बन्द करने की भी पूर्व की भांति अनुमति दी जाए इसलिए की उर्दू भाषी विद्यालयों में अधिकांश बच्चे मुस्लिम समुदाय से आते हैं और वह छात्र/छात्रा भी रोजा से रहते हैं यदि विद्यालय अवधि से दो घंटा पूर्व विद्यालय छोड़ने की अनुमति दे दी जाती है तो ससमय वह अपने घर जाकर अपने परिवार के साथ रोजा (खोल)इफ्तार कर सकते हैं मौलाना मो० जहांगीर आलम महजूरूल कादरी ने आगे कहा कि इसे गंभीरतापूर्वक लिया जाए अगर शिक्षा विभाग बिहार द्वारा यह महत्वाकांक्षी कार्य कर दिया जाता है तो पूरा मुस्लिम एवं शिक्षक समाज मुख्यमंत्री श्री नितीश कुमार और अपर मुख्य सचिव शिक्षा विभाग बिहार श्री के के पाठक का सदा आभारी रहेगा।

छात्रों की शैक्षिक और मनोरंजक गतिविधियों को सकारात्मक दिशा देने में जामिया मिलिया इस्लामिया के उर्दू विभाग की भूमिका बे मिसाल है: प्रोफेसर रकतदार मुहम्मद खान

अररिया (मुश्ताक अहमद सिद्दीकी)कोविड के कारण छात्रों के शिक्षण एवं प्रेरणा एवं प्रशिक्षण में आये व्यवधान के बाद जामिया मिलिया इस्लामिया के उर्दू विभाग के छात्रों की ₹बज्म जामिया₹ ने अंतर-विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। उर्दू विभाग न केवल छात्रों की औपचारिक शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करता है बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में अन्य पाठ्येतर गतिविधियों को भी महत्व देता है। अंतर-विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं का आयोजन उर्दू विभाग की उत्कृष्टता का एक उदाहरण है। बैत बाजी, गजल सराय, साहित्यिक क्विज और टेक्स्ट रीडिंग की इस प्रतियोगिता में जामिया मिल्लिया इस्लामिया दिल्ली और दिल्ली के बाहर के अन्य विश्वविद्यालयों से बड़ी संख्या में छात्रों ने भाग लिया। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि, मानविकी एवं भाषा संकाय के डीन प्रो. इकतार मुहम्मद खान ने प्रतियोगिता के आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त की और विभाग को बधाई दी। इस प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार राजस्थान विश्वविद्यालय की 'शहरियार टीम' (मुस्कान पठान, अफजल, नजम अल थकीब) ने, द्वितीय पुरस्कार 'इरफान सिद्दीकी टीम' (सैयद ताजमल, नवीद यूसुफ, जाहिद इकबाल) ने जीता। उर्दू विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया को तीसरा पुरस्कार। उर्दू विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया की 'फायर टीम' (मुहम्मद शिजान, गफराना, हामिद हुसैन) और नवीद यूसुफ को सर्वश्रेष्ठ समग्र प्रदर्शन के लिए। बैत बाजी के बाद गजल सराय प्रतियोगिता हुई, जिसमें प्रथम पुरस्कार अदिति वर्मा (सेंट स्टीफन कॉलेज, दिल्ली), द्वितीय पुरस्कार जैनब मेहदी (उर्दू विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया), तृतीय पुरस्कार सैयद ताजमल (विभाग) ने जीता। उर्दू विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया) और प्रोत्साहन पुरस्कार अक्सा तब्सुम (शिक्षा विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया) ने जीता। साहित्यिक प्रश्नोत्तरी में प्रथम पुरस्कार सआदत हसन मंटो टीम, उर्दू विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया (दाऊद अहमद, जाकिर अनवर) को मिला।), दूसरा पुरस्कार राजिंदर सिंह बेदी टीम, उर्दू विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया ने जीता। इस्लामिया (मुहम्मद तासीम, तौकीर), तीसरा पुरस्कार सुरिंदर प्रकाश टीम, जामिया मिलिया इस्लामिया उर्दू विभाग (मुहम्मद शम्स तबरीज, मुहम्मद अरमान आलम) को प्रदान किया गया।) और व्यक्तिगत प्रदर्शन के लिए जामिया मिलिया इस्लामिया के उर्दू विभाग के छात्र जाकिर अनवर को प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया। इस श्रृंखला की अंतिम प्रतियोगिता पाठ गायन थी, जिसमें प्रथम पुरस्कार अबुल अशबल (शिक्षा विभाग, जामिया मिलिया) को मिला इस्लामिया), दूसरा पुरस्कार मॉरीशस के छात्र तरब अली बीबी सुहीला (उर्दू विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया) को मिला, और तीसरा पुरस्कार उलमा शमीम (अंग्रेजी विभाग, सेंट स्टीफंस कॉलेज, दिल्ली) को मिला। तशजी इनाम मुहम्मद शिजान (उर्दू विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया) ने जीता था।इन प्रतियोगिताओं में विभाग के शिक्षक प्रो. अहमद महफूज, प्रो. सरवरुल हुदा, प्रो. इमरान अहमद अंदलीब, डॉ. खालिद मुबश्शेर, डॉ. मुशीर अहमद, डॉ. सैयद तनवीर हुसैन एवं डॉ. मुहम्मद मोकीम ने अपना दायित्व निभाया। न्यायाधीशों। जामिया मिलिया इस्लामिया के सहायक डीएसडब्ल्यू, प्रोफेसर इरशाद कमर, श्री महमूद फारूकी, उर्दू विभाग के अध्यक्ष श्री दारीन शाहिदी ने सफल छात्रों को प्रमाण पत्र और ट्रॉफी प्रदान की। प्रोफेसर इरशाद कमर ने प्रतियोगिताओं के लिए अपनी प्रशंसा व्यक्त की और छात्रों की प्रशंसा की। जामिया मिलिया इस्लामिया के उर्दू विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर अहमद महफूज ने छात्रों के लिए इन कार्यक्रमों का महत्व और अर्थ समझाते हुए कहा कि बैत बाजी, गजल गायन और पाठ पढ़ने के लिए पहली शर्त सही पाठ और पाठ का चयन है। इससे विद्यार्थियों में मानसिक चपलता का विकास होता है। पाठ को सही ढंग से पढ़ना पाठ को समझने का पहला और बुनियादी कदम है। छात्रों से बात करते हुए उन्होंने प्रतियोगिताओं में छात्रों के उत्साह, आकांक्षाओं और बड़ी संख्या पर प्रसन्नता व्यक्त की और छात्रों के साथ-साथ बिज्म जामिया को भी बधाई दी। बिज्म जामिया के सलाहकार डॉ. शाह आलम ने छात्रों को शुभकामनाएं दीं और सफल प्रतियोगिताओं के संचालन के लिए उपाध्यक्ष सैयद महमूद हुसैनी, महासचिव हुफजुर रहमान और संयुक्त सचिव मुहम्मद असरार आलम और उनके सभी सहयोगियों को बधाई दी। डॉ. साकिब इमरान, डॉ. गजाला फातिमा, श्री सैयद महमूद हुसैनी, श्री अब्दुल रहमान, सुश्री सलेहा जाहिद ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रबंधन का दायित्व निभाया। विभाग के छात्र मूतल जफर ने पवित्र कुरान की तिलावत कर कार्यक्रम की शुरूआत की। प्रो. शहजाद अंजुम, प्रो. कौसर मजहरी, प्रो. खालिद जावेद, प्रो. नदीम अहमद, डॉ. मुहम्मद आदम, डॉ. जावेद हसन, डॉ. शाह नवाज फैयाज, डॉ. रहीन शमा, डॉ. रूबीना शाहीन जुबेरी, डॉ. खुश्तर जरीन मलिक ने इन प्रतियोगिताओं में छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए धन्यवाद दिया। विभाग के शोध विद्वानों और पुरस्कार विजेताओं के अलावा, विभिन्न विश्वविद्यालयों और जामिया मिलिया इस्लामिया से बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित थे।

डॉक्टर श्रेया रानी कैंप लगाकर निः शुल्क लोगों का जांच और इलाज किया

मोहम्मद सुल्तान अख़्तर।

पटना बिहार। मेदांता हॉस्पिटल कंकड़बाग पटना मे साफ सुथरे माहौल में इलाज होता है इतना ही नहीं विशेष तौर पर हृदय रोग और कैंसर रोगियों का खास इलाज माहिर डॉक्टरों द्वारा किया जाता है रोगी और उसके अभिभावक के लिए साफ-सुथरे माहौल में रहने सोने खाने का इंतजाम है इतना ही नहीं डॉक्टर श्रेया रानी जो हृदय विशेषज्ञ डॉक्टर हैं वह कहती हैं की गरीब, मजदूर लाचार लोगों के लिए निः शुल्क कैंप का आयोजन करके जांच एवम इलाज करते हैं अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर चार दिनों से निः शुल्क शिविर का आयोजन किया हुआ है, जिसमे हृदय विशेषज्ञ श्रेया रानी के पास लगभग 35 रोगियों ने अपना जांच करवाकर मुफीद मशवरा लिया और आगे बेहतर इलाज के लिए बताया। बहुत से रोगियों की हालत गंभीर देखकर सचेत भी किया। इस मौके पर हमारे सीनियर संवादाता पटना क्षेत्र मो मुख्तार आलम अपना जांच करवा कर रोगियो के हाल को जाना, हॉस्पिटल मे ईलाज और उसका लाभ किस प्रकार मिलता सभी से आवगत कराया। इस बीच इलाज कराने वालों में गीता कुमारी, माधुरी कुमारी, गीतांजलि, मोहम्मद मुस्तकीम, मोहम्मद मुख्तार, मोहम्मद इरफान अपने अपने इलाज कराए।मेदांता हॉस्पिटल के मार्केटिंग इंचार्ज अभिषेक और सौरव ने लोगों को इसके लाभ के लिए आवगत कराया, इस मौके पर लोगों ने खूब खूब लाभ उठाया, डॉक्टरों की खुब प्रशंसा हुई।

अब 15 मार्च को शिक्षा विभाग ने बुलाई कुलपतियों की बैठक, राजभवन से नहीं मिला था यह आदेश

पटना : शिक्षा विभाग ने आज यानी नौ मार्च को बिहार के सभी विश्वविद्याल के कुलपति, कुलसचिव और परीक्षा नियंत्रक को बैठक में बुलाया था। अब यह बैठक स्थगित कर दी गई है। यह बैठक अब 15 मार्च को होगी। हालांकि, राजभवन की ओर से कुलपति और इन अधिकारियों को पहले ही कहा जा चुका है कि वह किसी भी हालत में मुख्यालय न छोड़ें। आज के बैठक में विश्वविद्यालय की ओर से एक भी अधिकारी शामिल नहीं हुए। इसके बाद शिक्षा विभाग की ओर से बैठक स्थगित होने की सूचना मिली। साथ ही कहा गया कि अब यह बैठक 15 मार्च को होगी। बता दें कि इसी बुधवार को शिक्षा विभाग ने विश्वविद्यालय के कुलपति, कुलसचिव और परीक्षा नियंत्रक के वेतन पर लगी रोक को हटा लिया था। इसके बाद नौ मार्च को फिर से बैठक बुला ली थी। इसके बाद राजभवन की ओर से नया आदेश आया है। यह आदेश विश्वविद्यालय के कुलपतियों, कुलसचिवों और परीक्षा नियंत्रकों के लिए जारी किया गया है। राजभवन की ओर से जारी पत्र में स्पष्ट कहा गया है कि कुलपति बिना कुलाधिपति (राज्यपाल) से अनुमति लिए मुख्यालय नहीं छोड़ेंगे।

इसे आदेश के बाद फिर से शिक्षा विभाग और राजभवन में टकराव बढ़ सकता है। बता दें कि 28 फरवरी को शिक्षा विभाग की ओर से अपर मुख्य सचिव केके पाठक अध्यक्षता में बैठक बुलाई गई थी। इसमें सभी विश्वविद्यालय के कुलपति, कुलसचिव और परीक्षा नियंत्रक को बैठक में शामिल होने का आदेश दिया गया था। लेकिन, राजभवन की ओर से विश्वविद्यालय के इन अधिकारियों को बैठक में शामिल होने की अनुमति नहीं दी गई थी।

मधेपुरा में दो बाइक आमने-सामने से टकराई, 2 लोगों की मौत, महिला समेत चार लोग गंभीर घायल

मधेपुरा : मधेपुरा में शनिवार को दो बाइक की आमने-सामने की टक्कर में दो युवक की मौत हो गई। जबकि दो महिला समेत चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक की पहचान अररिया जिले के खुटहा रजक निवासी मुकेश कुमार (30) व कुमारखंड थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर चंडी स्थान लक्ष्मीपुर निवासी मो. वसीम के रूप में हुई। वहीं, घायल की पहचान कुमारखंड थाना क्षेत्र के कररिया पुरैनी निवासी गुरुदेव मंडल की बेटी बेबी कुमारी और नंदनी कुमारी तथा सिंहेश्वर थाना क्षेत्र के पटोरी निवासी मो. रुस्तम के पुत्र शहनवाज (17 वर्ष) तथा सरफराज (12) वर्ष शामिल हैं। बताया गया कि मुकेश कुमार अपने ग्लैमर बाइक पर अपनी पत्नी बेबी कुमारी तथा साली नंदनी कुमारी को पीछे बैठाकर कुमारखंड की ओर जा रहा था। वहीं, मो. वसीम अपनी बाइक से लक्ष्मीपुर से मीरगंज की ओर आ रहा था।

जदयू के विधायक ने लोकसभा सीट पर ठोक दी अपनी दावेदारी

खगड़िया : बिहार विधानसभा में विश्वास मत के दौरान सुर्खियां बटोरने वाले जदयू विधायक डॉ संजीव कुमार ने लोकसभा चुनाव से अपनी दावेदारी ठोक दी है। शुक्रवार को अपने विधानसभा क्षेत्र में उन्होंने एक सार्वजनिक आयोजन में मंच से बयान देने के बाद मीडिया से भी ये बात कही। विधायक ने कहा कि 10 साल से खगड़िया लोकसभा में विकास कार्य नहीं हुआ है। जनता बदलाव चाहती है, और जनता के आशीर्वाद से ही वे चुनाव में उतर रहे हैं। उनका जीत निश्चित है।विधानसभा विश्वाशमत प्रकरण के बाद खगड़िया में इस बात के कयास लगाए जा रहे थे कि डॉक्टर संजीव कुमार और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बीच सब कुछ समान्य नहीं है। इधर विधायक के बयान आने के बाद खगड़िया में जेडीयू नेताओं के मुख पर ताला लग गया है। जो बयान देने से बच रहे हैं। जदयू विधायक डॉ संजीव कुमार ने लोकसभा चुनाव लड़ने की अपनी दावेदारी तो पेश कर दी है, लेकिन वह किस पार्टी के चुनाव सिंबल पर चुनावी मैदान में उतरेंगे इसका खुलासा उन्होंने नहीं किया। उन्होंने कहा कि मैं किस पार्टी के सिंबल पर चुनाव लड़ूंगा इसका पता समय आने पर चल जाएगा। हमेशा अपने बयानों से सुर्खियां बटोरने वाले विधायक संजीव कुमार ने लोकसभा सीट से अपनी दावेदारी ठोकते हुए वर्तमान सांसद चौधरी महबूब अली केसर पर तीखा कटाक्ष किया है। बिना नाम लिए उन्होंने कहा है कि खगड़िया में बीते 10 साल से चंगेज खान का शासन है। नवाबों का दौर अब चला गया है। खगड़िया किसी की बपौती नहीं है, जनता की मांग है कि वह चुनावी मैदान में उतरे। कोशिश होगी की एनडीए लड़ूं।

डुमरमनी के सुफी हसन अली की मृत्यु से इलाके में मातम पसरा

पोठिया (मोहम्मदअजीमुद्दीन)

पोठिया प्रखण्ड अंतर्गत दामलबाड़ी पंचायत के डूमरमनी गांव के मौलाना व मुफ्ती वहीद असगर व मास्टर अहमद राजा के पिता सुफी मुन्शी मोहम्मद हसन अली की मौत शुक्रवार 12:50 को हुई, जिसकी नमाज-ए- जनाजा शनिवार को दामलबाड़ी ईदगाह के निकट कबरिस्तान के जनाजागाह में हुई एंव मिट्टी उनके आबाई कबरिस्तान कुलथीबाड़ी में हुई। समाचार में बताया गया है कि पोठिया क्षेत्रान्तगर्त

सुफियों की सूची में शुमार होते हैं। उनकी विधवा के साथ उमरा भी किए हैं गौरतलब है कि सूफी मुन्शी मोहम्मद हसन अली उर्फ सुफी साहब ने तीन पुत्र छोड़ कर गए। उनके पिता भी एक अच्छे और सच्चे इंसान थे। उसने एक मदरसा की स्थापना कर दीनी तालीम की शिक्षा देना शुरू की थी। बताते चलें कि सुफी हसन अली का जन्म 1952 ई० को कुलथीबाड़ी में एक सुफी घराने में हुई थी। बताया जा रहा है कि उनकी शादी इस्लामी रीति-रिवाज के अनुसार पश्चिम बंगाल के गोवालपोखर प्रखण्ड अंतर्गत पांजीपाड़ा दालबस्ती गांव के नुरुल हक की पुत्री से 1982 ई० में हुई थी, जिनसे उनके तीन पुत्र और छः पुत्री हैं। उनके बड़े बेटे मौलाना एवं एक बेटा मास्टर और बाकी सब को दीन व दुनिया की शिक्षा दिलाई। सुफी मुन्शी मोहम्मद हसन के पीर व मुरसिद हजुर ख्वाजा वहीद असगर रहमानपुर रहमतुल्ला हैं। उनहोंने मदरसा गोशिया गरीब नवाज दामलबाड़ी में धार्मिक शिक्षा देने के साथ - साथ क्षेत्र की सेवा में खुद को न्योछावर कर दिया, दीन को फैलाने के लिए दिन - रात वयस्त रहे। सुफी हसन ने क्षेत्र की बेहतरी के लिए अपना जीवन में बहुत संघर्ष किए जिसका परिणाम दामलबाड़ी उनके द्वारा स्थापना किया हुआ मदरसा गोशिया गरीब नवाज कायम है। उनके मदरसा के विद्यार्थी क्षेत्र में बेशुमार देखे जारहे हैं। उनकी नमाज ए जनाजा दामलबाड़ी के ईदगाह मैदान में अदा की गई, उनकी नमाज ए जनाजा में हजारों की भीड़ जुटी थी। नमाज ए जनाजा के बाद नम आंखो से कुलथीबाड़ी कब्रिस्तान में उन्हें सपुर्दे खाक किया गया। सुफी हसन अली के नमाज ए जनाजा उनके बड़ा पुत्र मौलाना व मुफ्ती मोहम्मद वहीद असगर ने पढ़ाया। उनकी नमाजे जनाजा में हजारों की संख्या में शामिल हुए।

GNSU के द्वितीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन मैं 15 देशो के 50 वक्ता एवं 70 अतिथि वक्ता शामिल होंगे

❖ बहुआयामी अनुसंधान में महिलाओं की भूमिका विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की तैयारी पूरी जोर

(वारिस अली)

रोहतास : जमुहार मे गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय में 10 से 12 मार्च तक द्वितीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा ।बहुआयामी अनुसंधान में महिलाओं की भूमिका विषय पर आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 15 देशों के 50 वक्ता शिरकत करने वाले हैं जबकि देश के लगभग प्रत्येक राज्यों से कुल 70 अतिथि वक्ता पधार रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में ग्यारह मार्च को बिहार सरकार के उपमुख्यमंत्री विजय सिंहा मुख्य अतिथि होंगे जबकि विशिष्ट अतिथि यूजीसी के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ डी पी सिंह होंगे ।इसी प्रकार समापन में राज्य सरकार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी मुख्य अतिथि होंगे जबकि विशिष्ट अतिथि इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर द आर्ट, न्यू दिल्ली की निदेशक (एडमिन) डॉक्टर प्रियंका मिश्रा ,आईपीएस होगी। आज अयोजित पत्रकार वार्ता में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की विधिवत जानकारी देते हुए आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि 10 मार्च को प्री कॉन्फ्रेंस वर्कशॉप होगा जबकि अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन 11 मार्च को एवं समापन 12 मार्च को होना है । आइ सी डब्ल्यू एम आर 2024 एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन है जिसका आयोजन गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय, सासाराम ,बिहार के द्वारा किया जा रहा है ।इसका उद्देश्य सतत विकास के लिए विभिन्न क्षेत्रों में विश्व स्तर पर महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को प्रदर्शित करना और बढ़ावा देना है ।इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्देश्य आपसी विमर्श ,राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान सहयोग और उद्योगों के साथ आहरन सहयोग की सुविधा के लिए वैज्ञानिकों ,शोधकताओं, शिक्षाविदों उद्योगपतियों और विद्वानों को एक मंच पर लाना है ताकि नए विचारों और नवाचारों को व्यवहार्य परिणामों में बदला जा सके ।समाज के कमजोर वर्ग की प्रौद्योगिकी में प्रगति के बावजूद समाज के कमजोर वर्ग की जरूरत को पूरा करने के लिए अनुसंधान काफी कारगर साबित हो सकता है ।इसके अलावा अब महिला सशक्तिकरण वाक्यांश पुराना और अप्रचलित हो रहा है क्योंकि कोई भी क्षेत्र चाहे वह वित्त, रक्षा ,स्वास्थ्य सेवा या अनुसंधान हो वह महिलाओं से अछूता नहीं रहा है। उन्हें जो भी भूमिका सौपी गई है उसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करके उन्होंने अपनी क्षमता साबित की है ।महिला अनुसंधान और विकास के योगदान का समर्थन करने और उत्प्रेरित करने के उद्देश्य यह सम्मेलन आयोजित किया गया है। इसमें दवा की खोज, फार्मास्यूटिकल विज्ञान और प्रयोग चिकित्सा विज्ञान ,खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के लिए सतत कृषि ,व्यावसायिक रणनीतियां, संचालन ,प्रौद्योगिकी प्रबंधन और टिकाऊ व्यावसायिका मॉडल, स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत बनाना और वैश्विक स्वास्थ्य मुद्दों का प्रबंधन, लैंगिक समानता और न्याय में कानूनी और सामाजिक विज्ञान का निहितार्थ, ए आई और कंप्यूटिंग प्रौद्योगिकियों का अनुसंधान और विकास पर प्रभाव आदि विषयों पर देश और विदेश से 2000 से अधिक प्रतिभागी शामिल हो रहे हैं ।इस कार्यक्रम के लिए अब तक ढाई हजार निबंधन हो चुके हैं जिसमें साठ प्रतिशत महिलाएं हैं ।उल्लेखनीय है कि इस क्षेत्र में पहली बार इस तरह का आयोजन हो रहा है जिसमें भाग लेने के लिए ऑस्ट्रेलिया ,यू एस ए, चेक गणराज्य, मलेशिया, वियतनाम, रसिया ,फ्रांस ,जर्मनी समेत लगभग 15 देश के प्रतिभागी रिसर्च स्कौलर शामिल हो रहे हैं। यह सम्मेलन महिलाओं के बहुआयामी व्यक्तित्व के सकारात्मक पहलू को प्रदर्शित करेगा तथा देश की नारी शक्ति को एक नई दिशा देने का काम करेगा। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम को लेकर सभी तैयारियां लगभग पुरी हो चुकी हैं तथा कार्यक्रम की सफलता के लिए हर संभव इंतजाम किए जा रहे हैं ।उन्होंने बताया कि सम्मेलन के लिए विभिन्न स्तर पर समितिओं का निर्माण किया गया है जो अतिथियों के आने, कार्यक्रम में सम्मिलित होने,उनके आवासन आदि की व्यवस्था को देख रहे हैं। उन्होंने बताया कि मुख्य रूप से आने वाले अतिथि वाराणसी, पटना एवं गया एयरपोर्ट से जमुहार आएंगे साथ ही सासाराम जंक्शन एवं डेहरी ऑन सोन रेलवे स्टेशन से भी उनका आगमन होगा। अतिथियों को सुगमतापूर्वक कार्यक्रम परिसर तक लाने एवं उनके हर सुविधा को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद है ।कार्यक्रम के दौरान कुछ वक्ता विदेश और देश से ऑनलाइन भी जुड़ेंगे जबकि अधिकांश वक्ता यहां उपस्थित होकर अपनी प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम के लिए अभी तक ढाई हजार से ज्यादा निबंधन हो चुका है जिसमें विभिन्न संकाय के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों की महत्वपूर्ण संख्या है ।उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के देव मंगल सभागार के अलावे विश्व विद्यालय के विभिन्न संकाय में कार्यक्रम के अनुसार वक्ताओं द्वारा उनका लेक्चर एवं पोस्टर प्रस्तुतीकरण किया जाएगा ।उन्होंने बताया कि कार्यक्रम की सफलता के लिए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति सह पूर्व सांसद गोपाल नारायण सिंह, कुलपति प्रोफेसर महेंद्र कुमार सिंह गोविंद नारायण सिंह त्रिविक्रम नारायण सिंह आयोजन समिति अध्यक्ष श्रीमती मोनिका सिंह इत्यादि पदाधिकारी कार्यक्रम के सफलता के लिए सक्रिय है

राष्ट्रीय लोक अदालत में कई मामले का निष्पादन हुआ एवं दंड वसूल की गई

डेहरी ऑन सोन: डेहरी अनुमंडल व्यवहार न्यायालय में राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित करते हुए आपराधिक मामला एवं बैंक के कई मामलों को निष्पादित किया गया इसके साथ-साथ दंड शुल्क भी वसूल किया गया कई मामलों को सुलभ भी कराया गया इसके लिए तीन बेंचो का गठन किया गया हमारे वरिष्ठ पत्रकार वारिस अली को अधिवक्ता रितेश कुमार ने बताया कि कुमार गिरेंद्र गौरव अनुमंडलीय न्यायिक दंडा अधिकारी रितेश कुमार अधिवक्ता (सदस्य) रजतदीप न्यायिक दंडा अधिकारी राणा संदीप सिंह अधिवक्ता(सदस्य) प्रवीण कुमार न्यायिक दंडा अधिकारी रामनाथ राम अधिवक्ता(सदस्य) राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक के मामले476 जिसमें 318 मामले में समझौता कराया गया बैंक को समझौता राशि के रूप में14004354 चाचा सुलहनीय आपराधिक मामले 97 पहुंचे जिसमें आपराधिक दंड के रूप में 5000 की राशि वसूल की गई

front page new 1:front page 01.qxd 3/10/2024 1:14 AM Page 3

सुरेश पचौरी एवं गजेंद्र सिंह राजूखेड़ी सहित पूर्व विधायकों ने ली भाजपा की सदस्यता

❖ मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष एवं शिवराज सिंह वरिष्ठ नेतृत्व के समक्ष कांग्रेस नेता भाजपा में हुए शामिल

एम एस हसन, वरिष्ठ पत्रकार

भोपाल, भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय में शनिवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद विष्णुदत्त शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, लोकसभा चुनाव प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह, प्रदेश शासन के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय एवं न्यू जॉइनिंग टोली के प्रदेश संयोजक डॉ. नरोत्तम मिश्रा के समक्ष कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, पूर्व सांसद गजेंद्र सिंह राजूखेड़ी, पूर्व विधायक संजय शुक्ला ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष एवं शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस से आये नेताओं को अंगवस्त्र पहना कर पार्टी की सदस्यता दिलाई। इसके साथ ही कांग्रेस के सीनियर नेता और भोपाल कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष कैलाश मिश्रा ने भी भाजपा का दामन थाम लिया है। कांग्रेस पार्टी के लिए यह एक बड़ा झटका है। इतना ही नहीं विशाल पटेल, अर्जुन पलिया, 1998 में कांग्रेस के जबलपुर लोकसभा उम्मीदवार आलोक चंसोरिया, कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष भोपाल कैलाश मिश्रा, एनएसयूआई के पूर्व उपाध्यक्ष सतपाल पलिया, पूर्व महासचिव एमपीसीसी योगेश शर्मा, एनएसयूआई के पूर्व अध्यक्ष अतुल शर्मा, गाडरवाड़ा के जनपद सदस्यत दिनेश ढिमोले, कांग्रेस के कार्यकारी ब्लॉक अध्यक्ष सुभाष यादव एवं सीहोर के पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष जसपाल अरोरा सहित कांग्रेस के आदित्य पलिया, बनेसिंह जामरा एवं राजेश आगल ने भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकास कार्यो से प्रभावित होकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। मुख्यमंत्री एवं प्रदेश अध्यक्ष ने अंगवस्त्र पहनाकर उनका स्वागत किया। इस अवसर पार्टी के प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी, विधायक संजय पाठक एवं प्रदेश प्रवक्ता डॉ. सनवर पटेल भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां-जहां पड़े राहुल गांधी के पांव वहां-वहां कांग्रेस हो गई साफ। सी एम ने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पचौरी का पार्टी में शामिल होना कोई मामूली घटना नहीं है। कांग्रेस नेतृत्व वरिष्ठ नेताओं को नजर अंदाज कर रहा यह इस बात का प्रमाण है। विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि कांग्रेस का आज बड़े दुर्भाग्य का दिन, संत जैसे नेता सुरेश पचौरी भाजपा में शामिल हो गए। शर्मा ने कहा कि पचौरी ने हमेशा राजनीति को सुचिता के आधार पर किया। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि हमारी विचारधारा अलग थी, लेकिन पचौरी की शालीनता का हमेशा कायल रहा। मैं सुरेश पचौरी को काफी सालों से जानता हूं। पचौरी ने देर से सही,लेकिन अब पार्टी की सदस्यता ले ली है। भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता लेने के बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी ने कहा कि ₹कुछ तो बात होगी, कि हम बेवफा हो गए₹ सुरेश पचौरी ने कहा कि भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण कांग्रेस ने जब ठुकरा कर अनादर किया, उससे मुझे आघात पहुंचा और मैं आज भाजपा में शामिल हो गया।

5 वर्षो में 5 हजार मृतक दाताओं ने दर्ज कराया रिकॉर्ड

लखनऊ। राजधानी के चिकित्सा संस्थान में अंग प्रत्यारोपण करने वालों ने रिकॉर्ड दर्ज कराया है। शनिवार को डा.राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान निदेशक प्रो.सीएम सिंह ने दिशा निर्देशन में नेफ्रोलाजी विभाग एवं किडनी डिजीज एजुकेशन एण्ड वेलफेयर सोसाईटी के संयुक्त तात्वधान से मृतक दाता के बारे में संगोष्ठी की गयी। संगोष्ठी का शुभारंभ निदेशक प्रो.सीएम सिंह , मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो. एके सिंह द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। जिसमें संस्थान के विभिन्न फैकल्टी सदस्य और विभागाध्यक्ष और प्रत्यारोपण समन्वयक उपस्थित रहे। वहीं सर्व प्रथम प्रो.सीएम सिंह ने सम्बोधित करते हुए नेफ्रोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अभिलाष चंद्रा को संगोष्ठी केआयोजन बधाई दी। संगोष्ठी में शामिल विभिन्न चिकित्सा संस्थानों के प्रतिनिधियों में अपने अपने विचार साझा किये। जिसमें निदेशक ने तमिलनाडु, तेलंगाना, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, दिल्ली-एनसीआर से आये हुये प्रवक्ता, प्रतिभागियों ,संकाय सदस्यों का धन्यवाद दिया। इसके तत्पश्चात उन्होंने बताया कि भारत में गुर्दे की बीमारी बहुत आम है और अब समाज में इसकी व्यापकता बढ़ रही है। गुर्दे का प्रत्यारोपण इसका सबसे अच्छा इलाज है, फिर भी, किडनी दाताओं की लंबी प्रतिक्षा सूची है। उत्तर भारत समेत यूपी में ज्यादातर प्रत्यारोपण जीवित दाताओं से किए जाते हैं, मृत दाताओं से नहीं। साथ ही संगोष्ठी के नेफ्रोलाजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अभिलाष चंद्रा ने विभाग की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि पिछले दशक में भारत में स्थिति काफी सुधार हुआ है, मृतक दाता प्रत्यारोपण 2013 में लगभग 300 से बढ़कर 2022 में सालाना 900 से अधिक हो गए हैं। पिछले 5 वर्षों में कुल 5 हजार से अधिक मृतक दाता प्रत्यारोपण दर्ज किए गए। इसके साथ ही एम्स दिल्ली के डॉ. दीपक गुप्ता और डॉ. दीपांकर भौमिक ने मस्तिष्क मृत्यु प्रमाण पत्र और मृतक दाता प्रत्यारोपण के प्रबंधन के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। नोटो दिल्ली से आये डॉ. अवधेश कुमार यादव और एसजीपीजीआई लखनऊ के सोटो के डॉ. हर्षवर्धन ने उत्तर प्रदेश में मृतक दाता के कानूनी पहलुओं और स्थिति के बारे मे अपने विचार प्रकट करते हुये इस कार्य की संवेदनशीलता पर प्रकाश डाला। प्रो. अनुपमा कौल और डॉ. संचित रुस्तगी ने बताया अकेले किडनी पुनर्प्राप्ति के चरणों के बारे में विस्तारक जानकारी उपलब्ध कराई और किडनी प्रत्यारोपण के लिए आवंटन आदेश के बारे में बताया।

बेटियों के भविष्य को बेहतर करने के हर प्रयास में मैं सहभागी रहूंगा: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल, मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने शनिवार को कहा कि शासकीय कन्या महाविद्यालय रीवा ही नहीं पूरे विन्ध्य की बेटियों की शिक्षा का महत्वपूर्ण केंद्र है। इसके विस्तार और विकास के लिए लगातार प्रयास किए गए हैं। राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि महाविद्यालय के विकास के लिए सदैव प्रयास करता रहूंगा। बेटियों के भविष्य को बेहतर करने के हर प्रयास में मैं सहभागी रहूंगा। उप मुख्यमंत्री ने कन्या महाविद्यालय में सोलर पैनल लगाने तथा खेल गतिविधियों के विकास के लिए 50 लाख रुपए देने की घोषणा की। उप मुख्यमंत्री ने शासकीय कन्या महाविद्यालय रीवा में एक दिवसीय रोजगार मेला एवं कैरियर मेले का शुभारंभ किया। उप मुख्यमंत्री ने महाविद्यालय के श्रेष्ठ विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया और स्वरोजगार मार्गदर्शिका का विमोचन भी किया।

❖ कन्या महाविद्यालय रीवा में रोजगार मेले का किया शुभारंभ

भोपाल के सचिवालय वल्लभ भवन में लगी भीषण आग

भोपाल, मध्य प्रदेश के सचिवालय में भीषण आग लगी है और वह लगातार फैलती जा रही है। वल्लभ भवन में लगातार फैलती जारही आग पर काबू पाने और रेस्क्यू के लिए सरकार को आर्मी को बुलाना पड़ा है। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में मंत्रालय वल्लभ भवन की तीसरी मंजिल पर शनिवार सुबह आग लग गई, कंट्रोल रूम से फायर ब्रिगेड की टीम दमकलों के साथ पहुंची, जिसके बाद आग बुझाने का प्रयास किया गया, लेकिन आग बढ़ती चली गई। जिसके बाद भारतीय सेना को बुलाना पड़ा। सेना के जवान अपनी दमकल गाड़ियां लेकर वल्लभ भवन पहुंचे चुके हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मप्र के वल्लभ भवन में लगी आग की घटना की जांच के निर्देश दिए हैं। उन्होंने मुख्य सचिव से कहा कि ऐसी स्थिति दोबारा न बनें। आग की घटना में पुराने दस्तावेजों के साथ कई महत्वपूर्ण फाइलें जलकर खाक हो गई हैं। आग ने चौथी मंजिल से होते हुए पांचवीं और छथि मंजिल तक पहुँच गई। आग को फैलने का कारण ज्ञात हो कि पिछले साल सतपुड़ा भवन में भी भीषण आग लग गई थी। जिसके बाद विपक्ष के नेताओं डॉ गोविन्द सिंह, पी सी शर्मा और अन्य ने मौके पर धरना दिया था। दूसरी ओर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाया है कि ये आग भारतीय जनता पार्टी की करप्शन, कर्ज और क्राइम की सरकार द्वारा लगाई गई सरकारी आग है, यह भ्रष्टाचार के पाप को छिपाने की आग है।

❖ मंत्रालय के कई दस्तावेज जल कर राख होने का अंदेशा

गोरखपुर के दक्षिणांचल में औद्योगीकरण के युग का शुभारंभ : मुख्यमंत्री योगी

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि धुरियापार समेत गोरखपुर के जिस दक्षिणांचल को लेकर यह मान लिया गया था कि यहां कुछ हो ही नहीं सकता, उसी गोरखपुर के दक्षिणांचल में महाशिवरात्रि के पावन महापर्व पर औद्योगीकरण के युग का शुभारंभ हो गया है। सीएम योगी केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी के साथ धुरियापार में बने इंडियन ऑयल के सीबीजी (कंप्रेस्ड बायो गैस) प्लांट के लोकार्पण के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान सीएम योगी ने बांसगांव लोकसभा क्षेत्र को 222 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों की सौगातें भी दी। सीएम योगी ने 68 करोड़ रुपए से अधिक की 20 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और 154 करोड़ रुपए से अधिक की 17 परियोजनाओं का शिलान्यास किया। सीएम योगी ने कहा कि यह सीबीजी प्लांट वेस्ट को वेल्थ में बदलने और किसानों की आमदनी बढ़ाने का एक बड़ा उदाहरण है। यह 'आम के आम और गुठलियों के दाम' को चरितार्थ करता है। कुछ दशक पहले धुरियापार में लगी चीनी मिल, गन्ना न मिलने से एक सत्र भी नहीं चल पाई थी तब लोगों ने मान लिया और कि यहां कुछ नहीं हो सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दक्षिणांचल को पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे से गीडा से जोड़ा जा रहा है। इसका कार्य अंतिम चरण में है। लिंक एक्सप्रेसवे के साथ ही रामजानकी मार्ग का काम तेजी से चल रहा है। गीडा के विस्तार से दक्षिणांचल नए युग में प्रवेश कर जाएगा। यहां के नौजवानों को नौकरी और रोजगार के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। देश-दुनिया के लोग यहां नौकरी और रोजगार के लिए आएंगे। उन्होंने कहा कि सीबीजी प्लांट में काम करने वाले 120 लोगों में कुछ गोरखपुर के हैं तो कुछ अन्य जगहों के। पराली की आपूर्ति से किसान और गोबर की आपूर्ति से पशुपालक अपनी आमदनी बढ़ाने में सफल होंगे। सीबीजी प्लांट से प्रकृति और पर्यावरण का संरक्षण भी होगा। यहां तैयार होने वाली जैविक खाद से धरती माता की सेहत भी ठीक रहेगी। जैविक खाद के प्रयोग से खेतों की उर्वरता बनी रहेगी।

जीवन में सफलता के लिए अनुशासन बहुत जरूरी है : योगी आदित्यनाथ

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि जीवन के किसी भी क्षेत्र में सफलता के लिए अनुशासन बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि अनुशासन आत्मानुशासन से पैदा होता है और यह जीवनभर सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि इस नजरिये से युवाओं को अनुशासन का व्यावहारिक ज्ञान देने में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की महत्वपूर्ण भूमिका है। योगी आदित्यनाथ गोरखपुर के सिक्टौर (तालकंदला) में एनसीसी प्रशिक्षण अकादमी का भूमि पूजन और शिलान्यास करने के बाद यहां आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। गोरखपुर की प्रशिक्षण अकादमी का निर्माण 10 एकड़ क्षेत्रफल में 55 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि 1948 में संसद के एक अधिनियम के जरिये गठित एनसीसी युवाओं को एकता और अनुशासन के लिए प्रेरित करने वाला दुनिया का सबसे बड़ा वदीर्धारी संगठन है। उन्होंने कहा कि एनसीसी को आज के युवाओं के जीवन का हिस्सा बनाना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दृष्टिकोण है और इस दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए गोरखपुर में एनसीसी प्रशिक्षण अकादमी की स्थापना की जा रही है। योगी ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति या संस्था की तरफ से प्रयास किया जाता है तो सरकार दो कदम आगे बढ़कर सहयोग करती है और एनसीसी प्रशिक्षण अकादमी के लिए गोरखपुर मुख्यालय ने ऐसा ही प्रयास किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एनसीसी ग्रुप मुख्यालय गोरखपुर में आने वाले 11 जिलों में से चार जिले सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, श्रावस्ती और बहराइच आकांक्षी जिले हैं और एनसीसी अकादमी में प्रशिक्षित युवा इन जिलों को विकसित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। योगी ने कहा कि प्रदेश की 56 प्रतिशत आबादी कामकाजी है और एनसीसी की यह प्रशिक्षण अकादमी यहां के युवाओं को राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा, "हमारे लिए देश सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। देश के लिए समर्पण की भावना से ही एकता और अनुशासन का भाव आगे बढ़ता है।" इस अवसर पर सांसद रवि किशन ने कहा कि उत्तर प्रदेश का विकास और यहां के लोगों का भविष्य संवारने के लिए मुख्यमंत्री प्रतिदिन 18 घंटे कार्य करते हैं और उन्होंने गोरखपुर को विकास के नक्शे पर चमका दिया है। एनसीसी के अपर महानिदेशक मेजर जनरल विजय विक्रम कुमार ने एनसीसी परिवार की तरफ से मुख्यमंत्री योगी का स्वागत किया और एनसीसी की गतिविधियों पर प्रकाश डाला।

लोकसभा चुनाव संविधान और लोकतंत्र को बचाने वाला : अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव ने शनिवार को आगामी लोकसभा चुनाव को संविधान और लोकतंत्र को बचाने वाला चुनाव बताया।

यादव ने यहां पार्टी कार्यालय में पत्रकारों से कहा, 'यह संविधान बचाने का चुनाव है। यह लोकतंत्र बचाने का चुनाव है। यह आरक्षण बचाने और अपना सम्मान बचाने का चुनाव है ।

उन्होंने कहा, " एक समय ह्यसमुद्र मंथनह्न हुआ था। अब यह ह्यसंविधान मंथनह्न का समय है। एक तरफ, वे लोग हैं जो संविधान की रक्षा करना चाहते हैं, और दूसरी तरफ, वे लोग हैं जो संविधान को खत्म करना चाहते हैं।" सपा प्रमुख ने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता भव्य स्वागत भी करती है और शानदार विदाई भी देती है। यादव ने कहा, ह्यजो लोग 2014 में (सत्ता में) आए थे, वे 2024 में (सत्ता से बाहर) जाने वाले हैं। कभी, 10 साल हिटलर का समय था। वह वहां 10 साल से ज्यादा नहीं रह सका। तो, अब इनके भी (स्पष्ट रूप से प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की ओर इशारा करते हुए) 10 साल भी पूरे हो गए हैं। एडॉल्फ हिटलर दो अगस्त 1934 से 30 अप्रैल 1945 तक जर्मनी का फ्यूहरर था। वह 30 जनवरी 1933 से 30 अप्रैल 1945 तक जर्मनी के चांसलर रहा। सपा प्रमुख ने नवनियुक्त मंत्री ओम प्रकाश राजभर (उनका नाम लिए बिना) पर कटाक्ष करते हुये कहा कि जब तक उन्हें विभाग आवंटित किया जाएगा और प्रमुख सचिव नियुक्त किया जाएगा, तब तक चुनाव हो जायेंगे। यादव ने दावा किया कि जब से भाजपा सत्ता में आई है, देश में लगभग एक लाख किसान आत्महत्या कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि अगर सपा सत्ता में आई तो वह एमएसपी के लिए कानूनी गारंटी देगी। यादव ने कहा , "किसानों की मांगें जायज हैं। एमएसपी लागू हो और इसकी कानूनी गारंटी हो, क्योंकि खेती अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। अगर किसान और खेती बर्बाद हो जाएगी तो अर्थव्यवस्था पर भी बुरा असर पड़ेगा।"

करप्शन, कर्ज और क्राइम की सरकार की मंत्रालय में लगाई ये सरकारी आग है: जीतू पटवारी

भोपाल : मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने राजधानी भोपाल में मंत्रालय वल्लभ भवन में लगी आग को लेकर मुख्यमंत्री मोहन यादव और भाजपा सरकार से सवाल पूछा है। जीतू पटवारी और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने शनिवार को वल्लभ भवन पहुँच कर आग लगने के कारण जानने की कोशिश की। नेता द्वय ने आरोप लगाया कि लगातार पांच बार वल्लभ भवन में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने आग लगाई है। उन्होंने पूछा कि इसका दोषी कौन है? कौन सी फाइल जली? कौन से विभाग की जली एवं आज तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई। पटवारी एवं नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार कांग्रेस कार्यकताओं के साथ वल्लभ भवन पहुंचे और उन्होंने आग लगने के कारणों को लेकर अधिकारियों से जानकारी ली। नेता द्वय ने कहा कि अधिकारियों का जवाब संतोषजनक न मिलने पर पटवारी और सिंघार कांग्रेसियों के साथ वहीं धरने पर बैठ गए। पटवारी ने कहा कि आग लगी है और पांच घंटे बाद भी बुझ नहीं पाई इसलिए हमें आना पड़ा। पटवारी ने कहा कि ये आग भारतीय जनता पार्टी की करप्शन, कर्ज और क्राइम की सरकार द्वारा लगाई गई सरकारी आग है, यह भ्रष्टाचार के पाप को छुपाने की आग है। वल्लभ भवन में लगी आग करप्शन, कर्ज. और क्राइम में व्यस्त सरकार के कारनामों को मिटाने के लिए रचा गया षड्यंत्र है। हर चुनाव के पहले मंत्रालय में आग लगना और करोड़ों के भ्रष्टाचार के दस्तावेज खाक होना संयोग नहीं प्रयोग है। मप्र विधान सभा में नेता प्रतिपक्ष सिंघार ने कहा कि आग वर्तमान और पूर्व मुख्यमंत्री के बीच के झगड़े का परिणाम है, भाजपा का अंदरूनी झगडा वल्लभ भवन की आग के रूप में सामने आ रहा है, इससे जनता का ही नुकसान है, आखिर फायर सेफ्टी सिस्टम ऑडिट क्यों नही किया गया, इसका जवाब भाजपा क्यों नही देती।

❖ आग वर्तमान और पूर्व मुख्यमंत्री के बीच के झगड़े का परिणाम: उमंग सिंघार

डिप्टी सीएम की मौजूदगी में ली भाजपा की सदस्यता

लखनऊ। भाजपा सदस्यता अभियान के तहत लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी की अध्यक्षता में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, नेता नीरज सिंह की उपस्थित में बड़ी संख्या में अन्य पार्टी के कार्यकताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। जिसमें पूर्व प्रदेश महासचिव सपा बीनू शुक्ला बड़ी सख्या में अपने सहयोगियों के साथ पूर्व प्रदेश प्रवक्ता प्रसपा विनोद मिश्रा, पूर्व महानगर अध्यक्ष लखनऊ कल्पेश द्विवेदी, पूर्व महासचिव महेंद्र गौड, पूर्व महासचिव युवा जनसभा शुभम मिश्रा राम, पूर्व उपाध्यक्ष अभिजोत सिंह, विजय यादव, सर्वेश चौहान, हरीश मिश्रा, याकूब अंसारी, सत्येंद्र सिंह, दिनेश यादव, धर्मेंद्र सिंह यादव, राजू यादव, जुमा खान, मृदुल वाजपई,नगर सचिव मनोज वाजपई, हनुमन पाल, ओम प्रकाश मिश्रा, गौरी शंकर गुप्ता, अनमोल मिश्रा, राकेश यादव, नदीम खान, उदय प्रताप मिश्रा, काशीराम रावत, प्रेमवती रावत, कल्पना शुक्ला, अनुज शुक्ला, वंदना शर्मा, रामनरेश चौरसिया, इम्तियाज अहमद के साथ दो हजार से अधिक कार्यकताओं ने भाजपा की सदस्यता ली। वही कैंट विधानसभा के रामजीलाल सरदार पटेल नगर वार्ड के पूर्व बसपा पार्षद प्रत्याशी प्रशांत कुमार साहू, उत्तर विधानसभा से मनीष श्रीवास्तव के नेतृत्व में कार्यकताओं ने सदस्यता ग्रहण की।

बागेश्वर धाम में सामूहिक कन्या विवाह महोत्सव में शामिल हुए मुख्यमंत्री

एम एस हसन, वरिष्ठ पत्रकार

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव महाशिवरात्रि पर्व पर छतरपुर जिले के ग्राम गढ़ा स्थित बागेश्वर धाम में विशाल सामूहिक कन्या विवाह महोत्सव में शामिल हुए और नव दंपत्तियों को आशीर्वाद दिया। उन्होंने सफल और सुखमय वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं भी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री और देश के अन्य स्थानों से उपस्थित संतों का आशीर्वाद भी प्राप्त किया। सामूहिक विवाह महोत्सव के कार्यक्रम में गरीब परिवार की 156 कन्याओं के विवाह संपन्न हुए। बागेश्वर धाम में बुंदेलखंड महाकुंभ के अंतर्गत सामूहिक विवाह कार्यक्रम का यह पंचम आयोजन था। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, कैबिनेट मंत्री विजय शाह, राकेश सिंह, गोविंद सिंह राजपूत, राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मेन्द्र लोधी एवं राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार लखन पटेल उपस्थित थे। मोहन यादव ने कहा है कि कन्यादान सबसे बड़ा दान है। बागेश्वर धाम में आगामी शुभ मुहूर्त में बड़ी संख्या में निर्धन और जरूरतमंद परिवार की बेटियों के विवाह संपन्न करवाए जाएंगे। यादव ने कहा कि क्षेत्र के सभी धार्मिक स्थलों का विकास किया जाएगा और पुरातन समय के प्रत्येक मंदिरों में पूजन का प्रबंधन सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश धर्म के मार्ग पर चल रहा है और विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है। भारत 21वीं शताब्दी में दुनिया में सर्वोच्च स्थान पर पहुंचेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सामूहिक विवाह के गौरवशाली आयोजन में शामिल होने का अवसर मिलने से जीवन धन्य हो गया। बागेश्वर धाम में सनातन संस्कृति की झलक देखने को मिलती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केन बेतवा लिंक परियोजना के क्रियान्वयन से बुंदेलखंड में समृद्धि आएगी। उन्होंने कहा कि ओलावृष्टि से हुई किसानों को फसल क्षति की भरपाई के लिए सरकार संवेदनशील है। किसानों को फसल नुकसान की शत-प्रतिशत राशि का भुगतान किया जाएगा। सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने सामूहिक विवाह कार्यक्रम को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि आइकॉनिक सिटी खजुराहो के साथ बागेश्वर धाम की भी देश में अलग पहचान स्थापित हुई है। हरियाणा से आए कुश्ती पहलवान दलीप सिंह राणा उर्फ खली ने एक स्थल पर गरीब कन्याओं के विवाह आयोजन को अनूठा और समाज के लिए अनुकरणीय बताया।

❖ मुख्यमंत्री ने नव दंपत्तियों को दिया आशीर्वाद

front page new 1:front page 01.qxd 3/10/2024 1:14 AM Page 4

संपादकीय

सिर्फ नकारात्मक एजेंडे पर?

साझा न्यूनतम कार्यक्रम के अभाव में इंडिया गठबंधन महज सीटों का एक तालमेल है- जिसका मकसद भाजपा विरोधी वोटों का बिखराव रोकना है। यह अपने-आप में अच्छी पहल है, लेकिन इसे कुछ नहीं से कुछ बेहतर से ज्यादा की रणनीति नहीं माना जाएगा। आखिरकार विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन की पहली रैली हुई। पटना में हुई रैली में गठबंधन के कई बड़े चेहरे मौजूद रहे और वहां जुटे लोगों में जीवंतता भी नजर आई। उम्मीद की जा सकती है कि इस रैली की सफलता से विपक्षी दलों में उत्साह एक हद तक लौटेगा, जो हाल में लगातार सियासी झटकों से आहत रहे हैं। इसके बावजूद यह तथ्य अपनी जगह बना हुआ है कि यह गठबंधन उद्देश्य की एकता दिखाने और सत्ता पक्ष के खिलाफ संघर्ष के लिए संकल्पबद्ध होने का संदेश देने में बहुत देर कर चुका है। पटना रैली में दिए गए भाषणों पर भी गौर करें, तो साफ होता है कि विपक्षी नेता वहां भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन पर बरसने से आगे नहीं बढ़ सके। इससे यही जाहिर होता है कि इंडिया गठबंधन के पास भाजपा विरोधी स्वाभाविक मतदाताओं और एनडीए के दस साल के शासनकाल से असंतुष्ट वोटों को जुटाने के अलावा कोई और रणनीति नहीं है। अपना कोई सकारात्मक एजेंडा जनता के सामने रखने की जरूरत तक इन दलों ने महसूस नहीं की है। इस बीच गठबंधन में शामिल पार्टियां अपना-अपना घोषणापत्र जरूर तैयार कर रही हैं, लेकिन जब एनडीए का मुकाबला वे इंडिया एलायंस के तौर पर करने जा रही हैं, तो उन अलग घोषणापत्रों की क्या साख होगी? वायदों और प्रस्तावित कार्यक्रमों पर कोई न्यूनतम सहमति भी है या नहीं, आखिर यह जानने का मतदाताओं के पास क्या जरिया होगा? मसलन, मतदाता यह कैसे भरोसा करेंगे कि किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य लागू करने और सेना में अग्निपथ योजना खत्म करने के कांग्रेस के वादे पर गठबंधन में शामिल अन्य दल भी सहमत हैं या नहीं ?यह बेहिचक कहा जा सकता है कि साझा न्यूनतम कार्यक्रम के अभाव में इंडिया गठबंधन महज राज्य स्तर पर सीटों का एक तालमेल है- जिसका मकसद भाजपा विरोधी वोटों का बिखराव रोकना है। यह अपने-आप में एक अच्छी पहल है, लेकिन इसे कुछ नहीं से कुछ बेहतर से ज्यादा की रणनीति नहीं माना जाएगा। क्या यह भाजपा की चुनावी मशीन का मुकाबला करने में समर्थ होगा?

सतर्कता की उचित सलाह

आशंका है कि अगले 3-4 वर्षों में चिप के अति उत्पादन के कारण चिप कारोबार में मुनाफा घट सकता है। ऐसे में वे उद्यम ही टिकाऊ होंगे, जो कम लागत में उन्नत चिप का उत्पादन करेंगे। क्रिस मिलर ने इसी संदर्भ में अपनी सलाह पेश की है। भारत सरकार ने बीते हफ्ते एक लाख 26 हजार करोड़ रुपये निवेश की तीन चिप परियोजनाओं को मंजूरी दी। बताया गया है कि इनके लिए भारत सरकार 48, 000 करोड़ रुपये की सब्सिडी देगी। इनमें भारत का पहला सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन प्लांट भी है, जो टाटा ग्रुप एक ताइवानी कंपनी के साथ मिलकर लगाएगा। इसके पहले पिछले साल केंद्र ने अमेरिकी कंपनी माइक्रॉन टेक्नोलॉजी के साथ मिलकर लगाए जाने वाले संयंत्र को मंजूरी दी थी, जिसमें कुल 2.75 बिलियन डॉलर का निवेश होगा। केंद्र सरकार ने सेमीकंडक्टर उद्योग के लिए 10 बिलियन डॉलर (76000 करोड़ रुपये) की विशाल सब्सिडी का प्रावधान कर रखा है। इसे भारत की महत्त्वाकांक्षी पहल बताया गया है। लेकिन इस बड़ी योजना को लेकर कुछ सवाल भी उठे हैं। मसलन, विशेषज्ञ और बहुचर्चित किताब चिप वॉर के लेखक क्रिस मिलर ने भारत सरकार को यह सुनिश्चित करने की सलाह दी है कि भारत में लग रहे चिप कारखाने मुनाफा कमा सकने की स्थिति में हों। साथ ही ये उद्यम चिप विकास में भी योगदान करें। गौरतलब है कि भारत में फैब्रिकेशन यानी चिप उत्पादन के कारखाने लगाए जा रहे हैं। विकास से मतलब चिप तकनीक को उन्नत करने से है, जिसके लिए बहुत बड़े निवेश और महारत की जरूरत पड़ती है। कारखानों के मुनाफे को लेकर प्रश्न इसलिए उठे हैं, क्योंकि कोरोना काल में सप्लाई श्रृंखला भंग होने से चिप की हुई किल्लत झेलने के बाद दुनिया भर में नए ट्रेंड चिप कारखानों के लिए बड़े पैमाने पर निवेश का है। इसमें सबसे आगे अमेरिका है, लेकिन यूरोप ने भी अपनी महत्त्वाकांक्षी योजना बनाई है। चीन के खिलाफ अमेरिका के चिप युद्ध शुरू कर देने के कारण भी इस क्षेत्र में निवेश को उच्च प्राथमिकता मिली हुई है। नतीजतन, आशंका है कि अगले तीन से चार वर्षों में चिप के अति उत्पादन के कारण दुनिया में इस कारोबार में मुनाफा घट सकता है। ऐसे में वे उद्यम ही टिकाऊ होंगे, जो कम लागत की वजह से अपेक्षाकृत सस्ते एवं उन्नत चिप का उत्पादन करेंगे। मिलर ने इसी संदर्भ में अपनी सलाह पेश की है। इस पर समग्रता से विचार किया जाना चाहिए।

नोट : समाचार पत्र में छपे सभी लेख अवैतनिक हैं। यानी इनके भुगतान के प्रति समाचार पत्र उत्तरदायी नहीं हैं। सभी लेख लेखक के निजी विचार हैं। संस्था का उनके विचारों के साथ सहमत होना जरूरी नहीं है।

क्या मायावती खुद ही अपनी पार्टी को धीरे-धीरे खत्म करने पर तुली हैं?

बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती ने अपनी कुछ राजनैतिक जिम्मेदारियां अपने भतीजे और बसपा के राष्ट्रीय को-ऑडिनेटर आकाश आनंद को सौंप कर क्या संदेश दिया है, कोई नहीं जानता। मायावती ने अपने आप को उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड तक समेट कर बाकी राज्यों की जिम्मेदारी आनंद को दे दी है। मायावती के इस फैसले पर नेतागण अपने हिसाब से प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कुछ को लगता है कि मायावती ने काफी सोच समझकर बसपा में अपने आप को सीमित किया है। संभवतः वह नहीं चाहती होंगी कि देश जीतने के चक्कर में कहीं उनका मजबूत किला यूपी और उत्तराखंड हाथ से नहीं निकल जाये। जहां उनके लिये हमेशा संभावनाएं बनी रहती हैं। कहा यह जा रहा है कि बहनजी चुनाव की तारीख घोषित होते ही यूपी में अपनी जनसभाएं शुरू कर देंगी। पहले वह मंडलवार सभाएं करेंगी। बीएसपी के लिये मजबूत समझी जाने वाली सीटों पर विशेष तौर पर फोकस रहेगा। मजबूत समझी जाने वाली सीटों के लिये वह जनसभाएं भी ज्यादा करेंगी। चुनाव की बेला में मायावती ने जो कदम उठाया है उससे बसपा को कितना नफा-नुकसान होगा यह तो समय ही बतायेगा, लेकिन इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि बसपा सुप्रीमो ने जो भी फैसला लिया है, वह काफी सोच समझकर लिया होगा।

-अजय कुमार-

बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती ने अपनी कुछ राजनैतिक जिम्मेदारियां अपने भतीजे और बसपा के राष्ट्रीय को-ऑडिनेटर आकाश आनंद को सौंप कर क्या संदेश दिया है, कोई नहीं जानता। मायावती ने अपने आप को उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड तक समेट कर बाकी राज्यों की जिम्मेदारी आनंद को दे दी है। मायावती के इस फैसले पर नेतागण अपने हिसाब से प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कुछ को लगता है कि मायावती ने काफी सोच समझकर बसपा में अपने आप को सीमित किया है। संभवतः वह नहीं चाहती होंगी कि देश जीतने के चक्कर में कहीं उनका मजबूत किला यूपी और उत्तराखंड हाथ से नहीं निकल जाये। जहां उनके लिये हमेशा संभावनाएं बनी रहती हैं। कहा यह जा रहा है कि बहनजी चुनाव की तारीख घोषित होते ही यूपी में अपनी जनसभाएं शुरू कर देंगी। पहले वह मंडलवार सभाएं करेंगी। बीएसपी के लिये मजबूत समझी जाने वाली सीटों पर विशेष तौर पर फोकस रहेगा। मजबूत समझी जाने वाली सीटों के लिये वह जनसभाएं भी ज्यादा करेंगी।

चुनाव की बेला में मायावती ने जो कदम उठाया है उससे बसपा को कितना नफा-नुकसान होगा यह तो समय ही बतायेगा, लेकिन इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि बसपा सुप्रीमो ने जो भी फैसला लिया है, वह काफी सोच समझकर लिया होगा। मायावती एक परिपक्व नेत्री हैं। उन्होंने बसपा को इस बुलंदी तक पहुंचाने में पूरा योगदान दिया था। दलित चिंतक स्वर्गीय कांशीराम की राजनैतिक विरासत को आगे बढ़ाने वाली मायावती की पहचान एक बड़ी नेत्री के रूप में होती है। मायावती पर दलित पूरा विश्वास करते हैं। दलित वोटरों ने कभी भी बहनजी का साथ नहीं छोड़ा जबकि मायावती अपनी सियासी जरूरतों को पूरा करने के लिए अक्सर गैर दलित वोटरों को भी बसपा में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देती रहीं। बसपा की सियासी प्रयोगशाला से मायावती ने कभी दलित-मुस्लिमों को एक छतरी के नीचे खड़ा किया तो कभी सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की राजनीति को अमली जामा पहनाया। मायावती ने दलित नेताओं की बड़ी लीडरशिप तैयार की तो कई क्षत्रिय, ब्राह्मण, पिछड़ों और मुस्लिम चेहरों को भी राजनीति में उभरने का पूरा मौका दिया, लेकिन इसका दूसरा पहलू यह भी रहा कि बसपा सुप्रीमो ने भले ही नये नेताओं की "फौज" तैयार की थी, लेकिन यह नेता मायावती के साथ लम्बे समय तक रह नहीं पाये। इसमें से ज्यादातर को बहनजी ने स्वयं पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाया था तो कुछ ने मौके की नजाकत को भांप कर स्वयं पार्टी छोड़ने में देरी नहीं की। वैसे यह यह बताना भी गलत नहीं होगा कि मान्यवर कांशीराम ने सिर्फ मायावती को ही आगे नहीं बढ़ाया था। अलग-अलग समाज के लोगों को चुनकर उन्हें नेता बनाया था। ओमप्रकाश राजभर, सोनेलाल पटेल, आरके चौधरी और मसूद अहमद ऐसे ही नेताओं में शामिल रहे हैं लेकिन सभी बिछड़ते गए। राजभर ने 2002 में, दिवंगत सोनेलाल पटेल ने 1995 में और आरके चौधरी ने 2016 में बसपा छोड़ दी थी। आरके चौधरी तो राजनीति में कोई जगह हासिल नहीं कर पाए लेकिन ओमप्रकाश राजभर और सोने लाल पटेल की पार्टी आज भी अच्छी खासी राजनीतिक ताकत रखती हैं।

बसपा को जमीन से उठाकर आसमान तक ले जाने वाली मायावती की राजनीति पिछले दस वर्षों से काफी उतार पर नजर आ रही है। 2007 के विधानसभा चुनाव में वह अंतिम बार बड़े अंतर से सपा से जीती थीं। आज की तारीख में बसपा सुप्रीमो मायावती पार्टी के कई दिग्गजों को बाहर का रास्ता दिखा चुकी हैं। इनमें कई ऐसे भी नाम हैं, जिन्हें एक समय मायावती का

सबसे करीबी नेता माना जाता था। इनमें लालजी वर्मा न सिर्फ विधानमंडल दल के नेता थे बल्कि वर्मा वह नेता हैं, जिनके प्रदेश अध्यक्ष रहते 2007 में बसपा की पूर्ण बहुमत की सरकार यूपी में बनी थी। राम अचल राजभर भी मायावती के खासम खास माने जाते रहे हैं। 13 सालों में बसपा 206 विधायकों से महज एक विधायक पर आ टिकी है। बसपा के जिन नेताओं को प्रदेश स्तर पर पहचान हासिल हुई थी वह एक-एक करके बसपा से अलग हो गए हैं। 2007 में जब प्रदेश में बसपा की बहुमत की सरकार बनी थी तब मायावती ने जितने विधायकों को कैबिनेट मंत्री बनाया था, उनमें से आज एक्का-दुक्का ही बसपा के साथ खड़े हैं। 2007 में 206 सीटों के साथ पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने वाली मायावती ने नकुल दुबे, नसीमुद्दीन सिद्दीकी, लालजी वर्मा, रामवीर उपाध्याय, ठाकुर जयवीर सिंह, सुधीर गोयल, स्वामी प्रसाद मौर्य, वेदराम भाटी, चौधरी लक्ष्मी नारायण, राकेश धर त्रिपाठी, बाबू सिंह कुशवाहा, फागू चौहान, दद्दू प्रसाद, राम प्रसाद चौधरी, धर्म सिंह सैनी, राम अचल राजभर, सुखदेव राजभर और इंद्रजीत सरोज को बड़े पोर्टफोलियो दिए थे, लेकिन आज इसमें से कोई भी बसपा में नहीं है। सबने अपनी अलग राह पकड़ ली है।

2012 में समाजवादी पार्टी चुनाव जीती और मुलायम ने अपने बेटे अखिलेश को सीएम की कुर्सी पर बैठा दिया। उसके पश्चात 2017 में बीजेपी की सरकार बनी और योगी आदित्यनाथ सीएम की कुर्सी पर विराजमान हुए। 2022 में भी उनको जीत हासिल हुई और एक बार फिर वह सीएम बने। लेकिन मायावती का कहीं से कोई भला नहीं हुआ। 2007 में चुनाव जीतकर सरकार बनाने के बाद से उनकी सत्ता में वापसी भी नहीं हुई है जबकि अपनी ताकत बढ़ाने के लिये मायावती ने 2019 में अपनी धुर विरोधी समाजवादी पार्टी तक से हाथ मिला लिया। परिणाम स्वरूप उनके दस सांसद चुनाव जीते थे, लेकिन अब यह सांसद भी बसपा से दूरी बनाने लगे हैं। लोकसभा चुनाव से पहले बसपा नेता शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली ने समाजवादी पार्टी ज्वाइन कर ली है। उन्होंने कहा, "पार्टी बदलना मेरे लिए समय की जरूरत थी। मैं समाजवादी पार्टी का हिस्सा बन गया हूं और अब यह मेरा कर्तव्य है कि पार्टी को मजबूत करूँ और अखिलेश यादव का समर्थन करूँ। मुझे यकीन है कि आगामी लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन अच्छा प्रदर्शन करेगा। हम सेक्युलर लोगों के साथ रहना चाहते हैं। " गुड्डू जमाली आजमगढ़ की मुबारकपुर सीट से साल 2012 और 2017 में बीएसपी के विधायक रह चुके हैं। ऐसा माना जाता है कि इस क्षेत्र में उनकी अच्छी पकड़ है। उन्होंने 2014 और 2022 का लोकसभा उपचुनाव क्रमशः सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव और धर्मेंद्र यादव के खिलाफ बसपा के टिकट पर लड़ा था। इसके अलावा अन्य सांसद रितेश पांडेय ने गत दिनों पार्टी से इस्तीफा देकर बीजेपी में शामिल होने की घोषणा की तो इसको लेकर चर्चा भी छिड़ गई। बड़ी बात यह है कि वह अकेले नहीं हैं। पार्टी के कई सांसदों के बारे में ऐसी खबरें आ रही हैं कि उनकी निष्ठा बदल चुकी है। हालांकि जब तक औपचारिक घोषणा न हो जाए तब तक ऐसी अटकलों को ज्यादा अहमियत नहीं दी जाती। मगर बीएसपी चीफ मायावती ने खुद यह कहकर इन खबरों को कुछ हद तक प्रामाणिकता दे दी है कि अपना हित साधने में लगे ऐसे सांसदों को पार्टी टिकट दे भी तो क्यों?

2019 के लोकसभा चुनाव में सपा के साथ गठबंधन में रहकर बीएसपी ने यूपी की 10 सीटें जीती थी। उनमें से 6 सांसद या तो बसपा छोड़ चुके हैं या स्पष्ट संकेत दे चुके हैं कि वह नया विकल्प तलाशेंगे। बीएसपी के दो और सांसदों के जल्द पाला बदलने की अटकलें हैं। इनमें से एक पश्चिमी यूपी के सांसद हैं, जो अब अपना भविष्य जयंत चौधरी के राष्ट्रीय लोक दल में देख रहे हैं। आरएलडी हाल ही में भाजपा के साथ आ चुका है। यूपी की लालगंज सीट से बसपा सांसद संगीता आजाद के भी भाजपा में शामिल होने की चर्चा है।

राजस्थान भाजपा में उठने लगे बगावत के स्वर

भाजपा ने आगामी लोकसभा चुनावों के लिये 15 सीटो पर प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर दी है। उसके बाद चूरू, बांसवाड़ा-डूंगरपुर जैसी कई सीटों पर विरोध के स्वर भी उठने लगे हैं। आदिवासी बहुल वागड़ क्षेत्र की बांसवाड़ा-डूंगरपुर लोकसभा सीट से भाजपा ने कांग्रेस से दलबदल कर भाजपा में आए विधायक महेंद्रजीत सिंह मालवीय को चुनावी मैदान में उतारा है। इसके बाद उनके खिलाफ खुलकर विरोध होने लगा हैं। बांसवाड़ा से कांग्रेस विधायक व पूर्व मंत्री अर्जुन सिंह बामनिया ने कहा है कि मालवीय ने 40 साल कांग्रेस का खाया, गरीबों का गला दबा के खाया। अब चाहे विधानसभा चुनाव लड़े या लोकसभा का जनता बख्शेगी नहीं। उन्होंने मालवीय पर 15 हजार करोड़ रूपयों के भ्रष्टाचार करने के आरोप भी लगाए हैं। बांसवाड़ा में रविवार को विठ्ठलदेव मंदिर परिसर में एक मीटिंग के दौरान मंत्री रहे अर्जुन सिंह बामनिया ने पूर्व मंत्री महेंद्रजीत सिंह मालवीय का नाम लेकर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए। उन्होने कहा मालवीय 5 बार जिला प्रमुख, 4 बार विधायक, 2 बार मंत्री रहे।

-रमेश सर्राफ धमोरा-

राजस्थान में भाजपा ने आगामी लोकसभा चुनावों के लिये 15 सीटो पर प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर दी है। उसके बाद चूरू, बांसवाड़ा-डूंगरपुर जैसी कई सीटों पर विरोध के स्वर भी उठने लगे हैं। आदिवासी बहुल वागड़ क्षेत्र की बांसवाड़ा-डूंगरपुर लोकसभा सीट से भाजपा ने कांग्रेस से दलबदल कर भाजपा में आए विधायक महेंद्रजीत सिंह मालवीय को चुनावी मैदान में उतारा है। इसके बाद उनके खिलाफ खुलकर विरोध होने लगा हैं। बांसवाड़ा से कांग्रेस विधायक व पूर्व मंत्री अर्जुन सिंह बामनिया ने कहा है कि मालवीय ने 40 साल कांग्रेस का खाया, गरीबों का गला दबा के खाया। अब चाहे विधानसभा चुनाव लड़े या लोकसभा का जनता बख्शेगी नहीं। उन्होंने मालवीय पर 15 हजार करोड़ रूपयों के भ्रष्टाचार करने के आरोप भी लगाए हैं।

बांसवाड़ा में रविवार को विठ्ठलदेव मंदिर परिसर में एक मीटिंग के दौरान मंत्री रहे अर्जुन सिंह बामनिया ने पूर्व मंत्री महेंद्रजीत सिंह मालवीय का नाम लेकर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए। उन्होने कहा मालवीय 5 बार जिला प्रमुख, 4 बार विधायक, 2 बार मंत्री रहे। कुछ लोग कह रहे हैं कि 15 हजार करोड़ का घपला किया है इसलिए भाजपा में जाना ही पड़ा। कोई चिंता करने की बात नहीं 15 हजार करोड़ खाने के बाद खुद को बचाने के लिए भाजपा में गए तो भी ठीक या फिर लालच से गए तो भी ठीक। लेकिन बांसवाड़ा और बागीदौरा की जनता महेंद्रजीत मालवीय को बख्शेगी नहीं। आज हम सब विठ्ठलदेव से कसम खाकर जाएं कि महेंद्र जीत सिंह मालवीय को घर से निकालना है। इसके साथ ही बांसवाड़ा-डूंगरपुर से भाजपा टिकट की दावेदारी कर रहे भाजपा नेता हकरू मईडा ने भी महेंद्रजीत मालवीय पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होने कहा हम 40 साल मालवीय के खिलाफ लड़ाई लड़ते रहे। उनके भ्रष्टाचार के मामले उठाए। जिसके खिलाफ ईडी की जांच होनी चाहिए थी उसे पार्टी ने टिकट दे दिया। पार्टी ने टिकट दिया है तो पार्टी जाने। जिसको जेल जाना था उसे पार्टी ने सम्मान दिया। अब हम कुछ नहीं बोलना चाहते। महेंद्रजीत सिंह मालवीय ने कहा मैंने ऐसा कुछ नहीं किया कि ईडी मेरे घर आए। फिर भी आती है तो मैं जांच के लिए तैयार हूं। आरोप चलते रहते हैं। जहां तक अर्जुन बामनिया के आरोप हैं तो मैं पूछना चाहता हूं कि पंचायती राज के बारे में बामनिया क्या जानते हैं। उनको यह नहीं पता कि भारत सरकार से राज्य सरकार से पैसा निकलकर सीधा पंचायत के खाते में जाता है। वहां कलेक्टर कुछ नहीं कर सकता न ही मंत्री या मुख्यमंत्री। 15 हजार करोड़ तो कभी बांसवाड़ा नहीं आया। अगर 40 साल से भ्रष्टाचार हो रहा है तो वे भी 4 बार विधायक रहे हैं। उनको भी तो कुछ न कुछ मिला होगा। वे भी तो शरीक होंगे। उन्होंने कहा मैं शीर्ष नेतृत्व को आभार व्यक्त करता हूं। मुझ पर विश्वास कर प्रत्याशी बनाया। निश्चित ही हम जीत चुके हैं। 400 प्लस सीट लाकर प्रधानमंत्री मोदी बनेंगे। बांसवाड़ा में रेल लाएंगे। मानगढ को राष्ट्रीय स्मारक घोषित कराएंगे, निम्बाहेड़ा से दाहोद नेशनल हाईवे बनाएंगे। साथ ही टीएसपी के लिए एक मास्टर प्लान बनाएंगे। उन्होंने भारतीय ट्राइबल पार्टी के लिए कहा कि यह पार्टी अपने आप खत्म हो जाएगी।

चूरू सीट पर भाजपा ने लगातार दो बार के सांसद राहुल कस्वां का टिकट काटकर पैरा आलम्पिक खिलाड़ी देवेन्द्र झाझड़िया को प्रत्याशी बनाया हैं। टिकट कटने पर कस्वां ने नाराजगी जाहिर करते हुये अपने समर्थकों की मिटिंग बुलाने की बात कही हैं। राहुल कस्वां भाजपा से बगावत कर चुनाव लड़ेगें। उनके पिता रामसिंह कस्वां भी चूरू से चार बार सांसद रह चुके हैं। राहुल कस्वां का टिकट राजेन्द्र राठौड़ के विरोध के चलते काटा गया हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में सात बार के विधायक राठौड़ तारानगर सीट पर हार गये थे तब उन्होने कस्वां को अपनी हार का जिम्मेदार बताया था। तभी से कस्वां की टिकट कटने की बात कही जा रही थी।

चर्चा है कि कस्वां कांग्रेस नेताओं के सम्पर्क में हैं तथा शिघ्र ही कांग्रेस में शामिल हो सकते हैं। कस्वां परिवार का चूरू जिले की राजनीति में खासा असर है। उनके दादा, पिता, माता विधायक रह चुके हैं। उनके पिता ने 2004 में कांग्रेस के दिग्गज नेता बलराम जाखड़ को लोकसभा चुनाव में हरा दिया था। राहुल कस्वां उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के छोटे भाई कुलदीप धनखड़ के दामाद हैं। यदि राहुल कस्वां बगावत करता है तो भाजपा का राजस्थान में लगातार तीसरी बार 25 सीट जीतने का सपना शायद ही पूरा हो सकेगा।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

सड़क जाम, मार्ग परिवर्तन से जनता परेशान-जिम्मेदार कौन सरकार या किसान?

किसान आंदोलन-2 अभी जारी है। इसका सबसे अधिक प्रभाव हरियाणा व पंजाब से लगती हुई शंभू और खनौरी नाम की सीमाओं के सीमित क्षेत्रों में है। हरियाणा व पंजाब से लगती इन्हीं दो सीमाओं पर गत 13 फरवरी से अनेक किसान संगठनों के नेता व सदस्य दिल्ली कूच करने के उद्देश्य से डेरा जमाये हुये हैं। किसान, दो वर्ष पूर्व हुये आंदोलन के समय सरकार द्वारा मानी गयी उनकी मांगों को अब तक पूरा न किये जाने के चलते यानी सरकार की वादा खिलाफी की वजह से दूसरी बार आंदोलन करने के लिये मजबूर हुये हैं। सरकार ने किसानों को दिल्ली आने से रोकने के लिये इसबार शंभू व खनौरी से लेकर दिल्ली से लगती चारों ओर की सीमाओं पर कड़ी नाकेबंदी की है। शंभू व खनौरी सीमाओं पर तो छः लेयर तक के अवरोधक लगाये गए हैं। इनमें कंटेनर्स, सीमेंटेड ब्लॉक्स, सीमेंट में ढली मोटी कीलें, कंटीले तार, लोहे की चादरें, तरह तरह के वाहन व मशीनें, आरएएफ, अर्ध सैनिक बल, आंसू गैस फेंकने वाले यंत्र, ड्रोन, पानी की तेज बौछार फेंकने वाली मशीनें, बुलडोजर, पोकलेन, जे सी बी आदि और भी अनेक चीजों का सहारा लिया गया है। इन सीमाओं पर सरकार द्वारा लगाये गये अवरोध शायद भारत की चीन व पाकिस्तान से लगती सीमाओं से भी अधिक सुदृढ़ हैं।

-निर्मल रानी-

किसान आंदोलन-2 अभी जारी है। इसका सबसे अधिक प्रभाव हरियाणा व पंजाब से लगती हुई शंभू और खनौरी नाम की सीमाओं के सीमित क्षेत्रों में है। हरियाणा व पंजाब से लगती इन्हीं दो सीमाओं पर गत 13 फरवरी से अनेक किसान संगठनों के नेता व सदस्य दिल्ली कूच करने के उद्देश्य से डेरा जमाये हुये हैं। किसान, दो वर्ष पूर्व हुये आंदोलन के समय सरकार द्वारा मानी गयी उनकी मांगों को अब तक पूरा न किये जाने के चलते यानी सरकार की वादा खिलाफी की वजह से दूसरी बार आंदोलन करने के लिये मजबूर हुये हैं। सरकार ने किसानों को दिल्ली आने से रोकने के लिये इसबार शंभू व खनौरी से लेकर दिल्ली से लगती चारों ओर की सीमाओं पर कड़ी नाकेबंदी की है। शंभू व खनौरी सीमाओं पर तो छः लेयर तक के अवरोधक लगाये गए हैं। इनमें कंटेनर्स, सीमेंटेड ब्लॉक्स, सीमेंट में ढली मोटी कीलें, कंटीले तार, लोहे की चादरें, तरह तरह के वाहन व मशीनें, आरएएफ, अर्ध सैनिक बल, आंसू गैस फेंकने वाले यंत्र, ड्रोन, पानी की तेज बौछार फेंकने वाली मशीनें, बुलडोजर, पोकलेन, जे सी बी आदि और भी अनेक चीजों का सहारा लिया गया है। इन सीमाओं पर सरकार द्वारा लगाये गये अवरोध शायद भारत की चीन व पाकिस्तान से लगती सीमाओं से भी अधिक सुदृढ़ हैं। जिन्हें विदेशियों या घुसपैठियों को नहीं बल्कि अपने ही देश के किसानों को रोकने के लिये खड़ा किया गया है।

दूसरी ओर किसान हैं जो शंभू व खनौरी की सीमाओं पर पंजाब की हद में डेरा डाले हुए हैं। किसानों ने केवल इन्हीं बॉर्डर्स पर सड़कों के किनारे अपने तंबू लगा रखे हैं व ट्रैक्टर ट्रॉली आदि खड़ी कर रखी है। यही ट्रैक्टर ट्रॉली किसानों के घर, गोदाम तथा छाया सर्दी धूप बारिश से बचाओ आदि का काम करती है। किसानों ने आंदोलन के शुरूआत में शंभू व खनौरी सीमाओं से हरियाणा में प्रवेश की कोशिश की परन्तु सरकार ने अपनी पूरी ताकत झोंक कर किसानों को हरियाणा में प्रवेश करते हुये दिल्ली पहुँचने से रोक दिया। इसी बीच 21 फरवरी को खनौरी बॉर्डर पर पुलिस और किसानों के बीच झड़प हुई थी जिसमें बठिंडा के युवा किसान शुभकरण सिंह की पुलिस की गोली लगने से मौत हो गई थी। किसान हालांकि अभी भी शंभू व खनौरी सीमाओं पर डेरा जमाये हुये हैं परन्तु उनकी तरफ से यातायात बाधित करने का न तो कोई प्रयास किया जा रहा है न ही उनकी मंशा जनता को परेशानी में डालने की है। जहां तक किसानों के दिल्ली कूच का प्रश्न है तो किसान कभी भी लुक छुप कर या सत्ता अथवा

प्रशासन को धोखा देकर दिल्ली नहीं पहुँचते बल्कि 'दिल्ली चलो' का नारा देकर पूर्व घोषित कार्यक्रमानुसार ही मार्च करते हैं। परन्तु सरकार ने गत 12 मार्च से ही शंभू व खनौरी सीमाओं के अतिरिक्त दिल्ली -हरियाणा-हिमाचल - चंडीगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग को भी पूरी तरह से अवरुद्ध कर रखा है। जगह जगह मार्ग परिवर्तन किया जा रहा है। अकारण ही गांव व कस्बों से होकर ट्रेफिक मार्ग परिवर्तित किये जा रहे हैं। 12 मार्च से ही चंडीगढ़- अंबाला मार्ग पूरी तरह बाधित है जबकि अंबाला-चंडीगढ़ सीमा यानी सद्दोपुर-झड़मड़ी पर किसानों का किसी भी तरह का न तो जमावड़ा है न ही किसानों ने फिलहाल इस मार्ग से दिल्ली जाने की कोई घोषणा की है। इसके बावजूद चंडीगढ़-अंबाला-दिल्ली मार्ग को बंद करने या परिवर्तित करने का आखिर क्या औचित्य है? किसान आंदोलन के नाम पर मार्ग बदले जाने से जनता बेहद परेशान है। चंडीगढ़ दिल्ली की यात्रा जो मात्र चार घंटे में तय होती थी अब 12-14 घंटों में तय हो रही है। कारें बसें आदि कस्बों व गांवों से होकर गुजरने से तंग रास्तों में जाम लगा रहता है। यात्रियों के साथ साथ उन गांव के लोगों को भी भारी परेशानी उठानी पड़ रही है जिन्हें 24 घंटे जाम और यातायात प्रदूषण का सामना करना पड़ रहा है। रुट बदलने के कारण जिन जिन कस्बों व गांव से ट्रेफिक मोड़ा गया है उन रास्तों के सैकड़ों मेन होल के ढक्कन टूट गए हैं।

किसान आंदोलन के कारण जहाँ तमाम बसों का परिचालन बंद कर दिया गया है वहीं तमाम बसों के रुट भी बदले गये हैं। बसों का कोई टाइम टेबल नहीं रह गया है। इससे आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यात्रियों को घंटों बसों का इंतजार करना पड़ रहा है। परन्तु अब सुखद खबर यह है कि अंबाला-चंडीगढ़ हाईवे को पुलिस प्रशासन द्वारा आंशिक रूप से खोला जा रहा है। खबरों के अनुसार छः लेन के इस रास्ते में अभी केवल दोनों दिशाओं से दिल्ली-चंडीगढ़ मार्ग की केवल एक-एक लेन ही खोली जा रही है। यानी सद्दोपुर-झड़मड़ी सीमा पर राजमार्ग की एक लेन खुलने के बावजूद अभी भी जाम की स्थिति बनी रहेगी। सवाल यह है कि किसान आंदोलन के नाम पर या इससे भयभीत होकर सरकार व प्रशासन द्वारा 20 दिनों से भी अधिक समय तक जनता को क्यों परेशानी में डाला गया? क्या सरकार को भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में लोगों की आवाज खासकर 'अन्नदाताओं ' की आवाज को कुचलने का सबसे आसान रास्ता यही नजर आया कि इंटरनेट बंद कर दिये जाएँ, रास्ते बंद कर दिये जायें, मार्ग परिवर्तित किये जायें, किसान प्रदर्शनकारियों के साथ दुश्मनों व घुसपैठियों जैसा व्यवहार किया जाये, उनपर लाठियां गोलियां आंसू गैस व पानी की तेज बौछारें इस्तेमाल की जायें? और इन सब सरकारी बंदिशों के चलते जनता को होने वाली परेशानियों की जिम्मेदारी किसानों पर ही मढ़ी जाये? और गोदी मीडिया भी सत्ता के साथ कदमताल करता हुआ किसानों को ही दोषी करार देने की कोशिश करे? बहरहाल, किसान आंदोलन यदि और तेज न हुआ और सरकार व किसानों के मध्य वार्ता के द्वारा कोई समाधान निकल आया फिर तो सुखद है।

फेसबुक को पक्षाघात पर भक्तों का अरण्यरोदन

-राकेश अचल-

फेसबुक को बीती रात अल्प पक्षाघात हुआ तो पूरी दुनिया में फेसबुक के भक्त विचलित हो गए। लगा कि जैसे किसी ने उनकी जान ही छीन ली हो। मै भी इस भक्तमंडली का सदस्य था लेकिन फेसबुक के शांत होने के बाद मैंने भी चैन की सांस ली। मैंने बहुत कम अवसरों पर देखा है, जब लोग किसी चीज के लिए इतने परेशान और फिक्रमंद होते हैं। फेसबुक तो कोई चीज भी नहीं है। एक सेवा है किन्तु अपनी उपयोगिता की वजह से आज दुनिया के एक बड़े हिस्से के लिए प्राणवायु बन गयी है। दुनिया में जिंदगी के लिए जैसे भोजन -पानी और आक्सीजन आवश्यक है वैसे ही अब सोशल मीडिया एक आवश्यक अवयव बन गया है। अकेले फेसबुक दुनिया के 1560 मिलियन लोग फेसबुक की सेवाओं से जुड़े हैं, और ऐसे जुड़े हैं कि कुछ समय के लिए ही फेसबुक के बंद होने से सदमे की स्थिति में पहुँच गए। फेसबुक के हितग्राहियों की दशा ऐसी हो गयी जैसे किसी सांप के मुंह से उसकी मणि छीन ली गयी हो, या किसी मछली को पानी से निकाल कर गर्म रेत पर फेंक दिया हो। जाहिर है कि फेसबुक ने बीस साल में ही जनमानस पर अपना इतना प्रभुत्व बना लिया है की लोग उसके आदी हो गए हैं और एक पल भी फेसबुकाये बिना नहीं रह सकते। फेसबुक अनंग है। फेसबुक को शैव सम्प्रदाय का कोई हैकर ही अपनी तीसरी आँख से भस्म कर सकता है लेकिन हमेशा के लिए नहीं। फेसबुक की मारक क्षमता से समाज ही नहीं बल्कि सियासत भी बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है, बावजूद इसके फेसबुक अपनी जगह है, उसे मिटाने की, हैक करने की तमाम कोशिशें बार-बार नाकाम हो जाती है। 5 मार्च 2024 को भी ऐसी ही कोशिशें नाकाम हुईं और लोगों ने चैन की सांस ली। सवाल ये है कि गुण-दोषों से भरी फेसबुक आम आदमी की जिंदगी का अभिन्न हिस्सा बन कैसे गयी ? इसके लिए हम खुद जिम्मेदार है। हमारी सियासत जिम्मेदार है। जिन्होंने लगातार ऐसी परिस्थितियां पैदा की जिसकी वजह से इंसान आपस में कटता चला गया। संवाद की सूरत लगातार कम होती चली गयी। आज फेसबुक है तो तमाम दूसरी बुक्स बेकार है। फेसबुक आज का सबसे बड़ा और सबसे ज्यादा लोकप्रिय महाग्रंथ बन चुका है। फेसबुक किसी से भेदभाव नहीं करता। फेसबुक की अपनी दुनिया है। अपने कानून हैं। अपने तौर-तरीके हैं। फेसबुक की अपनी कोई भाषा नहीं है। फेसबुक अपने उपयोगकताओं को अपनी पसंद की भाषा चुनने का अवसर देती है। फेसबुक का अपना लोकतंत्र है, अपनी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है, हालाँकि इसके अपने मापदंड हैं, सीमाएं है। फेसबुक भी अभिव्यक्ति की आजादी को एक सीमा के बाद पाबंद करती है किन्तु उस तरीके से नहीं जिस तरीके से आज दुनिया में तमाम धार्मिक और लोकतांत्रिक सरकारें कर रही हैं। फेसबुक दुनिया के तमाम सत्ता प्रतिष्ठानों के लिए खतरा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक यासमीन रहमानी द्वारा वत्स ऑफसेट, मुद्दा हाउस, अपोजिट सी-ब्लॉक, बारात घर चौड़ा रघुनाथ पुर सेक्टर-22, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 65-ए, ग्राउंड फ्लोर, जोशी कॉलोनी, मंडावली, आई.पी. एक्सटेंशन, दिल्ली-110092 से प्रकाशित। मोबाईल- 9811899684, संपर्क : 011-35685204 E-mail: journalismtoday7@gmail.com,Website:- journalismtoday.in, RNI No. :- DELHIN/2013/48870 नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र दिल्ली मान्य होगा।

front page new 1:front page 01.qxd 3/10/2024 1:14 AM Page 5

जातिगत गणना, 'आर्थिक मैपिंग' के आधार पर आरक्षण की 50 प्रतिशत की सीमा खत्म करेंगे: राहुल

संपत्ति, कर्ज का बोझ, जमीन और आय से संबंधित जानकारी जरूरी

❖ राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "क्या हमने कभी सोचा है कि गरीब कौन हैं? कितने हैं और किस स्थिति में हैं? क्या इन सभी की गिनती जरूरी नहीं?'

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि अगर आगामी लोकसभा चुनाव के बाद उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो जातिगत जनगणना के साथ 'आर्थिक मैपिंग' कराई जाएगी जिसके आधार पर आरक्षण की 50 प्रतिशत की सीमा को खत्म किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह कदम सही आरक्षण, हक और हिस्सेदारी दिलाएगा। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "क्या हमने कभी सोचा है कि गरीब कौन हैं? कितने हैं और किस स्थिति में हैं? क्या इन सभी की गिनती जरूरी नहीं?" उन्होंने कहा कि बिहार में हुई जातिगत गिनती से पता चला कि गरीब आबादी के 88 प्रतिशत लोग दलित, आदिवासी, पिछड़े और अल्पसंख्यक समाज से आते हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, "बिहार से आए आंकड़े देश की असली तस्वीर की एक छोटी सी झलक मात्र हैं, हमें अंदाजा तक नहीं है कि देश की गरीब आबादी किस हाल में जी रही है।" उन्होंने कहा, "इसीलिए हम दो ऐतिहासिक कदम उठाने जा रहे हैं- जातिगत गिनती, आर्थिक मैपिंग, जिसके आधार पर हम 50 प्रतिशत की आरक्षण सीमा को खत्म करेंगे।" राहुल ने कहा, "यह कदम देश का एक्स-रे कर सभी को सही आरक्षण, हक और हिस्सेदारी दिलाएगा। इससे न सिर्फ गरीब के लिए सही नीतियां और योजनाएं बनाई जा सकेंगी बल्कि उन्हें पढ़ाई, कमाई और दवाई के संघर्ष से उबार कर विकास की मुख्य धारा से जोड़ा भी जा सकेगा।"

कांग्रेस नेता ने पोस्ट में लोगों से आान किया, "इसलिए उठो, जागो और अपनी आवाज उठाओ, जातिगत गिनती तुम्हारा हक है और यही तुम्हें मुश्किलों के अंधेरों से निकाल कर उजालों की ओर ले जाएगी। गिनती करो हमारा नारा है, क्योंकि गिनती 'न्याय की पहली सीढ़ी' है।" कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने राहुल गांधी के पोस्ट को रिपोस्ट करते हुए कहा, "एक व्यापक सामाजिक आर्थिक जाति जनगणना से सरकार को जनता से जुड़े पहलुओं को समझने में मदद मिलेगी। इससे हर परिवार की आर्थिक स्थिति सामने आ सकेगी। संपत्ति, कर्ज का बोझ, जमीन और आय से संबंधित जानकारी मिलेगी।" रमेश ने कहा कि इससे देश के मौजूदा जाति संरचना का पता चलेगा तथा कौन सा समूह समृद्ध है और कौन अभावों से जूझ रहा है, यह पता चलेगा। उन्होंने कहा, "2011 की सामाजिक आर्थिक जाति जनगणना के आर्थिक अभाव से संबंधित डेटा का उपयोग केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा कई उद्देश्यों के लिए किया गया है-मनरेगा के लाभार्थियों से लेकर खाद्य सुरक्षा के लाभार्थियों की पहचान करने तक।" उन्होंने कहा, "सामाजिक आर्थिक जाति जनगणना एक क्रांतिकारी कदम था, क्योंकि इसने सरकार को बीपीएल (गरीबी रेखा के नीचे) के पुराने पैमाने को त्यागने दिया जिसमें संपत्ति, कर्ज का बोझ, जमीन और आय से संबंधित जानकारी जैसे पहलुओं पर विचार किए बिना, गरीबों की पहचान करने के लिए एक एकल पैमाने (आय) का उपयोग किया जाता था।" कांग्रेस नेता ने कहा, "सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सूचना में जाति-आधारित डेटा जोड़ने से सरकार को प्रशासन में इसी तरह के सुधार देखने को मिल सकते हैं। लेकिन अफसोस है कि मोदी सरकार ने सामाजिक आर्थिक जाति जनगणना के जातिगत आंकड़े को प्रकाशित करने से इंकार कर दिया है।" रमेश ने कहा, "भारत के लोग कौन हैं, उनके अनुभव क्या हैं और उनकी परिस्थितियां क्या हैं, यह जाने बिना कोई भी सरकार देश को सही दिशा में आगे नहीं ले जा सकती।" उन्होंने कहा कि बेहतर शासन के लिए और अधिक समृद्ध, न्यायपूर्ण और सामंजस्य से भरे भारत के लिए, सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना बेहद आवश्यक है।

अनुप्रिया पटेल को मिली जेड प्लस कैटेगरी की सुरक्षा

वाराणसी। आगामी लोकसभा चुनाव से पहले गृह मंत्रालय ने बड़ा फैसला लिया है। अपना दल (एस) की नेता और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल` कैटेगरी की सुरक्षा मिली है। इससे पहले उन्हें  कैटेगरी की सुरक्षा मिली हुई थी। जानकारी के अनुसार, अपना दल (एस) की नेता अनुप्रिया पटेल की सुरक्षा में बढ़ोतरी की गई है। गृह मंत्रालय ने उनको दी गई  कैटेगरी की सुरक्षा को बढ़ाकर` कैटेगरी कर दी है। श्रेणी में 22 कर्मी होते हैं। इसमें चार से छह एनएसजी कमांडो और पुलिसकर्मी शामिल होते हैं। दिल्ली पुलिस, आईटीबीपी या सीआरपीएफ के जवानों की तरफ से यह सुरक्षा दी जाती है। जेड प्लस के बाद सबसे सुरक्षा का नाम सुरक्षित सिक्योरिटी में आता है। सुरक्षा बढ़ाने का फैसला गृह मंत्रालय की ओर से लिया गया है।

लोकसभा चुनाव में डीएमके को समर्थन देगी कमल हासन की पार्टी

चेन्नई। तमिल इंडस्ट्री के दिग्गज अभिनेता कमल हासन की पार्टी मक्कल निधि मैयम (एमएनएम) 2024 के लोकसभा चुनाव में तमिलनाडु में द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन को समर्थन देगी। खुद हासन ने शनिवार को यह एलान किया। इसके बदले एमएनएम को 2025 के राज्यसभा चुनाव के लिए एक सीट दी जाएगी। हासन आज दोपहर को ही द्रमुक नेताओं से मिलने पहुंचे। यहां उदयनिधि स्टालिन से बातचीत के बाद हासन ने कहा कि उन्होंने डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन को सिर्फ देश की भलाई के लिए चुना है, न कि किसी पद के लालच में। हासन ने कहा कि उनकी पार्टी इस बार लोकसभा चुनाव में नहीं उतरेगी। हालांकि, वे गठबंधन को अपना सारा समर्थन मुहैया कराएगी। दोनों नेताओं के बीच बनी सहमति के अनुसार, एमएनएम पार्टी तमिलनाडु की 39 लोकसभा सीट और एकमात्र पुडुचेरी क्षेत्र में प्रचार अभियान संबंधी कार्य करेगी।

किसान और गांव के विकास बिना भारत के विकास की कल्पना नहीं की जा सकती: राजनाथ सिंह

रायपुर। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि किसान और गांव के विकास बगैर भारत के विकास की कल्पना नहीं की जा सकती है। सिंह आज छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के 'साइंस' कॉलेज मैदान में किसान महाकुंभ में आये किसानों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अपने संबोधन में राज्य की पिछली कांग्रेस सरकार पर भी भ्रष्टाचार में लिप्त होने और विकास को पटरी से उतारने का भी आरोप लगाया।

सिंह ने कहा, मैं एक किसान का बेटा हूं और गांव से हूं। किसान अपनी मेहनत से मिट्टी से सोना उगा सकते हैं। मेरी सरकार किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाला केंद्र किसानों के कल्याण के लिए कई कदम उठा रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों और गांवों के विकास के बिना भारत के विकास की कल्पना नहीं की जा सकती। सिंह ने कहा, अमेरिका में यूरिया उर्वरक का एक बोरी तीन हजार रुपए में उपलब्ध है.. भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां किसानों को तीन सौ रुपये प्रति बोरी के दर पर यूरिया उपलब्ध कराया जा रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण महंगाई बढ़ी लेकिन मोदी सरकार ने बीज और खाद के दाम नहीं बढ़ने दिये। हम किसी भी कीमत पर किसानों की परेशानी नहीं बढ़ने देंगे। छत्तीसगढ़ की पिछली भूपेश बघेल सरकार पर निशाना साधते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता सिंह ने कहा, कांग्रेस शासन ने पांच वर्षों में राज्य को बर्बाद कर दिया और अब मेरा दृढ़ विश्वास है कि विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार लोगों के समर्थन से राज्य को विकास की पटरी पर वापस लाएगी।"

युवाओं पर राष्ट्र-विरोधी प्रवृत्तियों को खत्म करने की जिम्मेदारी है : उपराष्ट्रपति धनखड़

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा कि मौजूदा दौर में भारतीय विधायिका में भी राष्ट्र-विरोधी बातें की जाती हैं और युवाओं पर देश के हितों के खिलाफ काम कर रही इन प्रवृत्तियों को खत्म करने की जिम्मेदारी है। श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी) के बहुउद्देशीय स्टेडियम का नाम पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली के नाम पर रखने के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए धनखड़ ने कहा, "आज लोकतंत्र के सबसे पवित्र स्थल भारतीय विधायिका में भी कुछ राष्ट्र-विरोधी बातें की जाती हैं। कुछ ऐसे वर्ग हैं, जो हमें चिंता में डालते हैं। हमें यह समझना चाहिए कि राष्ट्रवाद कोई विकल्प नहीं है।

भाजपा उम्मीदवारों की सूची में पहले स्थान पर होगा गडकरी का नाम', फडणवीस का उद्धव ठाकरे पर पलटवार

नागपुर (महाराष्ट्र)। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने प्कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव के लिए राज्य में सत्तारूढ़ गठबंधन सीट बंटवारे को अंतिम रूप देगा। उसके बाद भाजपा उम्मीदवारों की सूची में पहला नाम केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का होगा।

गडकरी को विपक्ष के टिकट पर चुनाव लड़ने की पेशकश

इससे पहले शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने गडकरी को महा विकास अघाड़ी में शामिल होने और विपक्ष के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ने की पेशकश की थी। उन्होंने कहा, गडकरी हमारे प्रमुख नेता हैं। वह

नागपुर से चुनाव लड़ते रहे हैं। जब भाजपा के उम्मीदवारों की पहली सूची जारी हुई थी, तब महायुति (सत्तारूढ़ गठबंधन) के साझेदारों (भाजपा, एकनाथ शिंदे और अजित पवार की राकांपा) के बीच (सीट बंटवारे पर) कोई चर्चा नहीं हुई थी। जब चर्चा होगी तो (उम्मीदवारों की सूची में) गडकरी का नाम सबसे पहले सामने आएगा। उन्होंने कहा, ऐसी पार्टी के प्रमुख का गडकरी जैसे राष्ट्रीय स्तर के नेता को टिकट की पेशकश करना, किसी छोटे व्यक्ति द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति के पद की पेशकश करने जैसा है। ठाकरे ने एक दिन पहले चुनावी रैली में कहा था कि गडकरी को महाराष्ट्र की क्षमता दिखानी चाहिए और दिल्ली के सामने झुकने के बजाय इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने कहा, हम महा विकास अघाड़ी उम्मीदवारी के लिए उनका स्वागत करते हैं।

वायनाड में वेटरनरी यूनिवर्सिटी के छात्र की मौत का मामला सीबीआई के हवाले, सीएम विजयन ने लिया फैसला

तिरुवनन्तपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने वायनाड में वेटरनरी यूनिवर्सिटी के एक छात्र की मौत के मामले की जांच सीबीआई को सौंपने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की ओर से शनिवार को जारी एक बयान में कहा गया है कि 20 वर्षीय छात्र सिद्धार्थन जे एस के पिता और रिश्तेदार सीएम विजयन से मिलने आए और मामले को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने की मांग की। मुख्यमंत्री ने उन्हें बताया कि पुलिस जांच चल रही है और सभी आरोपियों को पहले ही एक निर्दोष और निष्पक्ष जांच के माध्यम से गिरफ्तार किया जा चुका है। बयान में कहा गया है कि चूंकि पीड़िता की मां ने भी सीबीआई जांच की मांग करते हुए याचिका दायर की है इसलिए सीएम विजयन ने परिवार की भावनाओं का सम्मान करते हुए मामले की जांच सीबीआई को सौंपने फैसला किया है। सीएमओ की ओर से यह बयान पीड़ित के पिता की ओर से संवाददाताओं को यह कहे जाने के कुछ देर बाद आया है कि विजयन ने उन्हें आश्वासन दिया है कि जरूरत पड़ने पर मामला सीबीआई को सौंप दिया जाएगा। पीड़त के पिता मीडिया से बातचीत में बताया था कि उन्होंने मुख्यमंत्री से मुलाकात की और 18 फरवरी को कॉलेज छात्रावास के बाथरूम में फांसी पर लटके मिले अपने बेटे के मौत की सीबीआई से जांच कराने मांग की। उन्होंने कहा, सीएम ने कहा कि अगर सीबीआई जांच की जरूरत होगी तो आदेश दिया जाएगा। उन्होंने मुझे यह आश्वासन दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने विजयन को सूचित किया कि उनके बेटे को लगी चोटों को देखते हुए जिसका पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है, कई डॉक्टरों ने कहा है कि सिद्धार्थन फांसी लगाने के लिए भी खड़े नहीं हो सकते थे।

उद्धव ने भाजपा में शामिल होने वाले पूर्व जज पर साधा निशाना, विधानसभा अध्यक्ष पर भी कसा तंज

नई दिल्ली। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने अभिजीत गंगोपाध्याय के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने के कदम की आलोचना की। पार्टी में शामिल होने के लिए उन्होंने हाल ही कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के पद से इस्तीफा दिया था। ठाकरे ने हितों के टकराव का हवाला देते हुए महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर पर भी निशाना साधा। गंगोपाध्याय ने मंगलवार को न्यायाधीश के पद से इस्तीफा दिया। इसके बाद गुरुवार को पश्चिम बंगाल में भाजपा में शामिल हो गए। उन्होंने दावा किया कि उनका मकसद राज्य में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की भ्रष्ट सरकार को सत्ता से बाहर करना है। उद्धव ठाकरे धाराशिव जिले के कलम्ब में एक रैली को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल के एक न्यायाधीश ने इस्तीफा दिया और लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए भाजपा में शामिल हो गए। उन्होंने

टीएमसी के खिलाफ फैसले दिए थे। अब हम कैसे कह सकते हैं कि उन्होंने (न्यायाधीश के रूप में) अपने काम की पवित्रता को बरकरार रखा होगा। उन्होंने कहा, इसी तरह महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष (राहुल नार्वेकर) को (भाजपा द्वारा) लोकसभा सीट का लालच दिया गया। उन्होंने (विधायकों की अयोग्यता के मामले में) हमारे खिलाफ फैसला दिया। उद्धव ठाकरे ने दावा किया कि भाजपा राज्य की पूर्व मंत्री पंकजा मुंडे का सियासी करियर खत्म करना चाहती है।

लोकसभा चुनाव में इस बार बिहार की सभी 40 सीटें मोदी की झोली में डालना है: अमित शाह

पटना (बिहार)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार दोपहर पटना के पालीगंज में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि हम जब-जब आए बिहार की जनता ने हमारी झोली कमल से भर दी। वर्ष 2014 में आए तो 31 सीटें दी, 2019 में आए तो 39 सीटें दी और अब 2024 में 40 की 40 सीटें मोदी की झोली में डालना है। अमित शाह ने सोनिया गांधी और लालू यादव पर तंज कसते हुए कहा कि एक का लक्ष्य बेटे को प्रधानमंत्री बनाना है तो दूसरे का लक्ष्य बेटे को मुख्यमंत्री बनाने का है। लालू जिस कांग्रेस पार्टी की गोद में बैठे हैं, उसने हमेशा पिछड़ा-अति पिछड़ा का विरोध करने का काम किया। लालू केवल गरीबों की जमीन हथियाने का काम कर सकते हैं। गरीब का यदि कोई भला कर सकता है तो केवल और केवल नरेन्द्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी कर सकती है। अमित शाह ने कहा कि लालू को चेताने आया हूं कि भाजपा में डबल इंजन की सरकार बन गई है। भू-माफियाओं को उल्टा लटकाने का काम भाजपा करेगी। हमारी सरकार एक कमेटी बनाएगी और गरीबों की जमीन पर कब्जा करने वाले को जेल की हवा खिलाएगी। उन्होंने कहा कि लालू ने आडवाणी का रथ रोका था। लालू अब कुछ नहीं कर सकते। मोदी ने राम मंदिर का शिलान्यास भी किया और उद्घाटन भी। अब लालू रोक कर दिखाएं। बिहार में एनडीए 40 की 40 सीटें जीतेंगी। यह भरोसा हमें बिहार की जनता ने दे दिया है। इस

बार परिवार को बढ़ाने वाले का नहीं, बल्कि देश को बढ़ाने वाले का साथ हर कोई देगा। गृह मंत्री शाह ने कहा कि मंडल कमीशन की रिपोर्ट को इंदिरा गांधी ने दबा दिया। राहुल गांधी ने ओबीसी कमीशन का विरोध दिया। राजद आज उसी कांग्रेस के साथ है। पिछड़ा वर्ग को आरक्षण नरेन्द्र मोदी और भाजपा की सरकार ने दिया। पिछड़ा व अतिपिछड़ा का अपमान करने वाली कांग्रेस के साथ बैठी राजद व लालू यादव आपका भला नहीं कर सकती। गृह मंत्री अमित शाह ने लालू यादव और कांग्रेस पर ही दशकों तक 370 लागू रखे रहने का ठीकरा फोड़ा।

आसिफ अली जरदारी दूसरी बार बने पाकिस्तान के राष्ट्रपति; 136 वोटों के अंतर से हुए विजयी

इस्लामाबाद : आसिफ अली जरदारी पाकिस्तान के 14वें राष्ट्रपति चुने गए हैं। वे पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के सह-अध्यक्ष भी हैं। पाकिस्तानी मीडिया ने बताया कि उन्हें 255 वोट मिले जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी अचकजई को 119 वोट मिले। दूसरी बार राष्ट्रपति चुने गए जरदारी का पहला कार्यकाल 2008 से 2013 तक था। दो बार राष्ट्रपति बनने वाले जरदारी देश के पहले व्यक्ति हैं। आसिफ अली जरदारी का मुकाबला सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल के उम्मीदवार महमूद खान अचकजई (75 वर्षीय) से था। जरदारी निवर्तमान डॉ. आरिफ अल्वी का स्थान लेंगे, जिनका पांच साल का कार्यकाल पिछले साल समाप्त हो गया था। हालांकि नए राष्ट्रपति की नियुक्ति तक वह पद पर बने हुए हैं। जरदारी एक बिजनेसमैन-राजनेता हैं और पाकिस्तान की पूर्व पीएम दिवंगत बेनजीर भुट्टो के पति हैं और पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी के पिता हैं। जरदारी, पाकिस्तान पीपल्स पार्टी के सह-अध्यक्ष हैं, जिसने नवाज शरीफ की पार्टी पीएमएल-एन के समर्थन से सरकार बनाई है। पीएमएल-एन और पीपीपी के गठबंधन की डील के तहत पीएम पद पर शहबाज शरीफ की ताजपोशी हुई है। दोनों पार्टियों में समझौते के तहत पंजाब में पीएमएल-एन की मरयम नवाज सीएम चुनी गई हैं। वहीं सिंध प्रांत की सत्ता पीपीपी को मिली है। आसिफ अली की जीत इसलिए पक्की मानी जा रही थी क्योंकि पीपीपी और पीएमएल-एन का गठबंधन केंद्र के साथ ही पंजाब, सिंध, बलूचिस्तान असेंबली में बहुमत में है। वहीं विपक्ष के पास सिर्फ खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में ही बहुमत है।

क्या बाइडन नेतन्याहू से नाराज?

इस्राइल-हमास युद्ध पांच महीने से जारी; सवाल सुन भड़के अमेरिकी राष्ट्रपति

वाशिंगटन : पश्चिम एशिया में इस्राइल और हमास के बीच पांच महीने से अधिक समय से युद्ध जारी है। अब तक 30 हजार से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। गाजा में गहराते मानवीय संकट पर संयुक्त राष्ट्र भी चिंता जाहिर कर चुका है। हिंसक संघर्ष में अमेरिका की भूमिका भी चर्चा में है। ताजा घटनाक्रम में इस्राइल से जुड़े एक सवाल पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन अपना आपा खो बैठे। इस साल के अंत में होने वाले आम चुनावों से पहले इस बर्ताव को उनकी हताशा और निराशा के रूप में देखा जा रहा है।

दरअसल, स्टेट ऑफ द यूनियन को संबोधित करने के बाद बाइडन ने हाउस चैंबर में सीनेटर माइकल बेनेट और डी कोलो के साथ बात की। इस दौरान बेनेट ने उन्हें भाषण के लिए बधाई दी। बातचीत के दौरान विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और परिवहन मंत्री पीट बटिगिएग भी मौजूद थे। इस दौरान बेनेट ने राष्ट्रपति बाइडन से गाजा में बढ़ती मानवीय चिंताओं पर नेतन्याहू पर दबाव डालने के लिए आग्रह किया। इसपर बाइडन ने कहा कि मैंने बीबी से कहा है। इसे मत दोहराओ। तभी पास खड़े राष्ट्रपति के सहयोगी ने उन्हें सचेत करते हुए धीरे से कहा कि कमरे के माइक्रोफोन चालू हैं। इस पर बाइडन ने कहा कि मैं यहां हॉट माइक पर हूं। मीडिया ने उनसे पूछा कि आपको क्या लगता है कि नेतन्याहू को मानवीय पीड़ा कम करने के लिए प्रयास करना चाहिए। इस पर बाइडन ने मजाकिया अंदाज में कहा कि लगता है कि आप लोगों ने हमारी बातचीत सुन ली है। गौरतलब है कि बाइडन ने गुरुवार को इस्राइली सरकार से आग्रह किया कि हमास को खत्म करने के साथ-साथ गाजा के लोगों की पीड़ा पर भी ध्यान दिया जाए।

अमेरिका और जिम्बाब्वे के बीच संबंध तनावपूर्ण; हालात और बिगड़े

अमेरिका के विदेश विभाग ने बताया कि उसके और जिम्बाब्वे के बीच संबंध तनावपूर्ण हैं। जारी बयान के मुताबिक जिम्बाब्वे के अधिकारियों ने अमेरिकी एजेंसी- यूएसएआईडी के अधिकारियों को निर्वासित करने से पहले हिरासत में लिया। इस कार्रवाई के बाद ऐतिहासिक रूप से प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखे जाने वाले दोनों देशों के बीच संबंध और खराब हो गए हैं। विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा, जिम्बाब्वे के अधिकारियों ने यूएसएआईडी अधिकारियों और ठेकेदारों को अचानक हिरासत में लेकर निर्वासित कर दिया। अमेरिका ने जिम्बाब्वे के राष्ट्रपति एमर्सन मनांगाग्वा, प्रथम महिला और अन्य अधिकारियों पर भ्रष्टाचार और मानवाधिकार हनन में कथित संलिप्तता के आरोप में पिछले हफ्ते उनपर प्रतिबंध लगाए थे। विदेश विभाग के मुताबिक हिरासत में लिए जाने की हालिया घटना पिछले महीने प्रतिबंध लगाए जाने से पहले की है। हालांकि, इस मामले का खुलासा अब हुआ है।

front page new 1:front page 01.qxd 3/10/2024 1:14 AM Page 6

धर्मशाला टेस्ट जीतते ही भारत ने रचा इतिहास

112 साल पहले बने इस बड़े रिकॉर्ड की बराबरी की

धर्मशाला। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का आखिरी मुकाबला रोहित एंड कंपनी ने पारी और 64 रन से अपने नाम किया। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने सीरीज पर 4-1 से कब्जा जमाया। धर्मशाला में पांचवां टेस्ट जीतते ही टीम इंडिया ने एक खास रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली। दरअसल, भारत को पहले टेस्ट में करारी हार मिली थी और इसके बाद रोहित एंड कंपनी जबरदस्त वापसी करते हुए बाकी चारों मैच जीते। भारत ने तीसरी बार टेस्ट सीरीज में चार मैच जीते हैं। इससे पहले टीम इंडिया ने 2012-13 में ऑस्ट्रेलिया को 4-0 से और 2016-17 में इंग्लैंड को 4-1 से हराया था।

टीम इंडिया ने बनाया रिकॉर्ड

धर्मशाला में पांचवां टेस्ट जीतते ही टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसी टीमों की बराबरी की है। दरअसल, पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में पहला टेस्ट हारने के बाद अब तक तीन ही टीमों ने जबरदस्त वापसी करते हुए बाकी के चार मैच जीते हैं। कुल मिलाकर ऐसा चार बार हुआ है। ऑस्ट्रेलिया ने दो बार ऐसा किया है और इंग्लैंड-भारत ने एक-एक बार किया है। इस सीरीज से पहले पिछली बार ऐसा 112 साल पहले इंग्लैंड ने किया था। उन्होंने 1912 में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में पहला मुकाबला गंवाने के बाद इंग्लिश टीम ने जबरदस्त वापसी करते हुए बाकी के चार मुकाबले जीते थे। वहीं, ऑस्ट्रेलिया ने ऐसा-1897/98 में और 1901/02 में किया था।

अब भारत ने इन दोनों टीमों की बराबरी की है। टीम इंडिया पिछले 112 वर्षों में ऐसी पहली टीम बन गई है जिसने पहला टेस्ट गंवाने के बाद सीरीज के बाकी बचे चार टेस्ट जीते। इंग्लैंड ने हैदराबाद में पहला टेस्ट 28 रन से जीता था। इसके बाद भारत ने जबरदस्त वापसी करते हुए विशाखापत्तनम में दूसरा टेस्ट 106 रन से, राजकोट में तीसरा टेस्ट 434 रन से और फिर रांची में चौथा टेस्ट पांच विकेट से अपने नाम किया। धर्मशाला टेस्ट को टीम इंडिया ने तीन दिन में ही खत्म कर दिया। धर्मशाला टेस्ट की बात करें तो इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 218 रन बनाए थे। जवाब में भारत की पहली पारी तीसरे दिन 477 रन पर समाप्त हो गई। टीम इंडिया ने 259 रन की बढ़त हासिल की। जवाब में इंग्लैंड की टीम दूसरी पारी में 195 रन ही बना सकी। भारत ने पारी और 64 रन से मैच जीतने के अलावा सीरीज पर भी 4-1 से कब्जा जमाया।

भारत ने 17वीं टेस्ट सीरीज जीती

भारत ने घरेलू जमीन पर लगातार 17वीं टेस्ट सीरीज जीती है, जो कि एक रिकॉर्ड है। जीत का यह सिलसिला 22 फरवरी 2013 से अब तक जारी है। दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया है, जिसने 1994 से लेकर 2001 तक अपने घर में लगातार 10 टेस्ट सीरीज जीती थी। भारत ने सातवीं बार टेस्ट में सीरीज में 0-1 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए सीरीज अपने नाम की है। कप्तान स्टोक्स और कैच ब्रैंडन मैकुलम के साथ आने के बाद इंग्लैंड की यह पहली टेस्ट सीरीज हार है। भारत ने बैजबॉल को ध्वस्त कर दिया है। बैजबॉल इंग्लैंड के आक्रामक क्रिकेट स्टाइल को कहा जाता है।

अंक तालिका में आखिरी स्थान पर काबिज गुजरात को लगा तगड़ा झटका, स्टार खिलाड़ी टूनामेंट से बाहर

नई दिल्ली। महिला प्रीमियर लीग के दूसरे सीजन में गुजरात जाएंट्स का प्रदर्शन अब तक निराशाजनक रहा है। पांच मुकाबलों में टीम को सिर्फ एक मैच में जीत मिली है। अंक तालिका में बेथ मूनी के नेतृत्व वाली टीम पांचवें स्थान पर है। इस बीच टीम को अगले मैच से पहले तगड़ा झटका लगा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, गुजरात जाएंट्स की स्टार बल्लेबाज हरलीन देओल इस टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं। बताया जा रहा है कि यूपी वॉरियर्स के खिलाफ खेले गए मैच के दौरान वह चोटिल हो गई थीं, जिसकी गंभीरता को देखते हुए उन्हें बाकी बचे मुकाबलों में न खेलने की सलाह दी गई है। टीम मैनेजमेंट ने भारती फुलमाली को हरलीन की जगह शामिल किया है। हैरानी की बात यह है कि गुजरात की उपकप्तान स्नेह राणा भी पिछले दो मैचों में खेलती नहीं दिखी थीं। मीडिया रिपोर्ट्स में उनके बीमार होने की जानकारी दी गई थी। हालांकि, अब वह पूरी तरह से ठीक हो चुकी हैं और नौ मार्च को मुंबई इंडियंस के खिलाफ होने जा रहे मुकाबले में खेलती नजर आएंगी। भारतीय स्टार बल्लेबाज हरलीन ने अब तक खेले तीन मैचों में 48 रन बनाए। गुजरात जाएंट्स के लिए यह सीजन अब तक कुछ खास नहीं रहा। पांच मैचों में टीम को सिर्फ एक में जीत मिली। ए रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ 19 रन से जीत दर्ज की थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए बेथ मूनी की टीम ने 20 ओवर में पांच विकेट खोकर 199 रन बनाए। इसके जवाब में आरसीबी आठ विकेट खोकर सिर्फ 180 रन बना सकी। मुंबई ने यूपी के खिलाफ जीत के साथ अंक तालिका में दूसरा स्थान प्राप्त कर लिया। टीम के खाते में आठ अंक हैं। वहीं, यूपी चार अंकों के साथ चौथे स्थान पर है। पांच मैचों में चार जीत के साथ दिल्ली कैपिटल्स पहले स्थान पर काबिज है जबकि आरसीबी तीसरे स्थान पर है। गुजरात जाएंट्स एक जीत के साथ अंक तालिका में आखिरी स्थान पर बनी है।

रोहित-शुभमन 2021 से टेस्ट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले भारतीय, हिटमैन ने गावस्कर की भी बराबरी की

धर्मशाला। इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट में रोहित शर्मा और शुभमन गिल ने शानदार शतक लगाए। इन दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 171 रन की साझेदारी निभाई और भारत को इंग्लैंड पर आसानी से बढ़त हासिल करने में मदद की। दोनों ने लंच तक भारत का कोई विकेट नहीं गिरने दिया। हालांकि, लंच के ठीक बाद बेन स्टोक्स गेंदबाजी के लिए आए और इस सीरीज की अपनी पहली गेंद पर हिटमैन को क्लीन बोल्ड कर दिया। रोहित ने 162 गेंद में 103 रन की पारी खेली। अपनी पारी में उन्होंने 13 चौके और तीन छक्के लगाए। इसके अगले ही ओवर में जेम्स एंडरसन ने शुभमन गिल को क्लीन बोल्ड किया। उन्होंने 150 गेंद में 110 रन की पारी खेली। अपनी पारी में उन्होंने 12 चौके और पांच छक्के लगाए। इन पारियों से रोहित और शुभमन ने कई रिकॉर्ड भी बनाए। साल 2021 से लेकर अब तक टेस्ट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाजों में रोहित और शुभमन शीर्ष पर हैं। रोहित ने इस दौरान छह और शुभमन ने चार शतक लगाए हैं। इसके बाद रवींद्र जडेजा, यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत और केएल राहुल हैं। इन सभी ने तीन-तीन शतक लगाए हैं।

दिल की धड़कन बढ़ाने वाले मैच में यूपी ने उड़ाई दिल्ली की धज्जियां, घर में दी करारी मात

नई दिल्ली। महिला प्रीमियर लीग का 15वां मैच प्यूपी वॉरियर्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेला गया। रोमांचक मुकाबले में एलिसा हेली की अगुवाई वाली टीम ने दिल्ली को एक रन से हरा दिया। यूपी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 138 रन बनाए। इसके जवाब में दिल्ली 19.5 ओवर में 137 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। यूपी ने इस जीत के साथ दिल्ली से अपनी पिछली हार का बदला ले लिया। 139 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली की शुरूआत अच्छी हुई थी। पहले विकेट के लिए मेग लैनिंग और शेफाली वर्मा के बीच 22 रन की साझेदारी हुई। भारतीय बल्लेबाज 12 गेंदों में 15 रन बनाकर आउट हो गईं। उन्हें साइमा ठाकुर ने अपना शिकार बनाया। टीम को दूसरा झटका एलिस कैप्सी के रुप में लगा। वह 15 रन बनाकर आउट हुईं। दिल्ली का तीसरा विकेट 14वें ओवर की आखिरी गेंद पर लगा। उन्हें दीप्ति शर्मा ने एलबीडब्ल्यू किया। वह 46 गेंदों में 60 रन बनाकर आउट हुईं।

100वें टेस्ट में अश्विन ने रचा इतिहास, ऐसा करने वाले पहले भारतीय गेंदबाज बने, कुंबले को पीछे छोड़ा

धर्मशाला। इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट में भारत के स्टार स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने इतिहास रच दिया। उन्हेंने इंग्लिश टीम की दूसरी पारी में पांच विकेट झटके। अश्विन ने बेन डकेट (2) को आउट कर इंग्लैंड को पहला झटका दिया था। इसके बाद उन्होंने जैक क्राउली (0) और फिर ओली पोप (19) को आउट कर इंग्लैंड के शीर्ष क्रम को पवेलियन भेजा। फिर उन्होंने बेन स्टोक्स और बेन फोक्स को आउट कर पारी में पांच विकेट पूरे किए। टेस्ट में उन्होंने अब तक 36 बार पारी में पांच विकेट लिए हैं। वह भारत की ओर से टेस्ट इतिहास में सबसे ज्यादा बार पारी में पांच विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। इस मामले में उन्होंने अनिल कुंबले को पीछे छोड़ दिया। कुंबले ने 35 बार ऐसा किया था। वहीं, अश्विन ने सबसे ज्यादा बार पारी में पांच विकेट लेने के मामले में न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज सर रिचर्ड हैडली की बराबरी की। अब अश्विन से ज्यादा बार पारी में पांच विकेट लेने के मामले में शेन वॉर्न (37 बार) और श्रीलंका के पूर्व स्पिनर मुथैया मुरलीधरन (67 बार) आगे हैं। अश्विन ने पहली पारी में चार विकेट लिए थे और इस टेस्ट में कुल मिलाकर नौ विकेट ले चुके हैं। इतना ही नहीं वह 2019 में शुरू हुए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र में सबसे ज्यादा बार पारी में पांच विकेट लेने के ऑस्ट्रेलिया के नाथन लियोन के रिकॉर्ड की भी बराबरी की। लियोन ने 10 बार ऐसा किया है और अश्विन भी हळ्ळ में अब 10 बार पारी में पांच विकेट ले चुके हैं। इसके अलावा उनके नाम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में अब तक 174 विकेट हो चुके हैं और इसमें सबसे ज्यादा विकेट के मामले में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। अश्विन ने पैट कमिंस को पीछे छोड़ा, जिनके नाम 172 विकेट हैं। हळ्ळ में सबसे ज्यादा विकेट लियोन ने लिए हैं। उनके नाम 184 विकेट हैं। अश्विन ने अपने 100वें टेस्ट को खास बनाते हुए इतने रिकॉर्ड बनाए हैं। अश्विन अब तक टेस्ट में 516 विकेट ले चुके हैं।

'यह सही नहीं है', टेस्ट में शुभमन के नए रोल से खुश नहीं हैं उनके पिता, ओपनिंग को लेकर कही यह बात

नई दिल्ली। शुभमन गिल के पहले कोच और पिता लखविंदर का मानना है कि टेस्ट में गेंदबाजों के खिलाफ आगे बढ़कर या यूं कहें चढ़कर खेलने से उनके बेटे को काफी फायदा मिला है और वह फिर से रन बनाने लगे हैं। हालांकि, लखविंदर शुभमन के तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आने के फैसले से सहमत नहीं हैं। इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के पहले मैच में फेल होने के बाद शुभमन पर दबाव बढ़ रहा था। वह टेस्ट में 12 पारियों से अर्धशतक नहीं लगा पाए थे। हालांकि, विशाखापत्तनम टेस्ट की दूसरी पारी में शुभमन ने 104 रन बनाकर अपने आलोचकों को करारा जवाब दिया था। यह टेस्ट में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए शुभमन की पहली और सबसे बड़ी पारी थी। उन्होंने पिछले साल वेस्टइंडीज दौरे पर खुद को तीसरे नंबर पर भेजने की वकालत की थी। उसके बाद रोहित और यशस्वी टेस्ट में रेगुलर ओपनर बन गए थे। शुभमन ने धर्मशाला टेस्ट में 12 चौके और पांच छक्के की मदद से 110 रन की पारी खेली। यह उनके टेस्ट करियर का चौथा शतक रहा। उस शतक के बाद से शुभमन लगातार फॉर्म में दिखे हैं। राजकोट में तीसरे टेस्ट के दौरान शुभमन ने दूसरी पारी में मैच जिताऊ 91 रन बनाए थे। इसके बाद रांची टेस्ट की पहली पारी में उन्होंने 38 रन और दूसरी पारी में मैच जिताऊ नाबाद 52 रन बनाए थे। अब धर्मशाला टेस्ट की पहली पारी में उन्होंने पिता लखविंदर की मौजूदगी में शानदार शतक जड़ा। पिता ने खड़े होकर उनके लिए ताली बजाई। शुभमन को प्स्लॉग स्वीप के साथ सीरीज का दूसरा शतक पूरा करते हुए देखने वाले उनके पिता ने उन कारणों के बारे में बात की जिससे भारतीय बल्लेबाज को रेड बॉल के क्रिकेट में अपने खराब फॉर्म से उबरने में मदद मिली। लखविंदर ने कहा- गेंद को बाहर निकलकर खेलने से एक बड़ा अंतर आया है। उन्होंने बीच में ऐसा करना बंद कर दिया था और इससे दबाव बन गया था। अंडर-16 के दिनों से ही वह स्पिनरों और तेज गेंदबाजों पर गेंद को मूव होने से रोकने या फिर उसे काटने के लिए आगे बढ़कर खेलते रहे हैं। जब आप अपना नैसर्गिक खेल नहीं खेलते हो तो आप मुश्किल में पड़ जाते हो। पूरा खेल आत्मविश्वास के बारे में है। जब आप एक अच्छी पारी खेलते हैं तो आप अपने सर्वश्रेष्ठ पर वापस आ जाते हैं।

260 करोड़ डॉलर खर्च कर जुकरबर्ग बनवा रहे भूमिगत बंकर

नई दिल्ली। न्यूज डॉट कॉम एयू की एक रिपोर्ट के अनुसार, मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग एक विशाल भूमिगत बंकर बनवा रहे हैं। यह एक उस विशाल लक्जरी एस्टेट का एक हिस्सा होगा जिसका निर्माण अरबपति हवाई के काउई नामक एक दूरस्थ द्वीप पर करवा रहे हैं। आउटलेट ने आगे कहा कि जुकरबर्ग कम से कम एक दशक से चुपचाप किलेबंद इमारत की योजना बना रहे हैं, और इस पर वे 260 मिलियन डॉलर खर्च करने वाले हैं। हालांकि जुकरबर्ग ने अब तक बंकर के बारे में कुछ नहीं कहा है। उनकी संपत्ति पर काम करने वाला कोई अन्य व्यक्ति भी सख्त गैग ऑर्डर के कारण इस बारे में कुछ नहीं बोल रहा है। वायर्ड ने वहां काम करने वाले कुछ निर्माण कर्मचारियों से बात की और उन्होंने कहा कि उनके कई सहयोगियों को सोशल मीडिया पर इसके बारे में पोस्ट करने के बाद परियोजना से हटा दिया गया था। श्रमिकों में से एक ने कहा, यह फाइट क्लब है।

फ्रेंच ओपन में पीवी सिंधु का कमाल, अमेरिका की बेइवेन को हराकर की क्वॉर्टर फाइनल में एंट्री

नई दिल्ली। पेरिस में जारी फ्रेंच ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधु ने शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला एकल क्वॉर्टरफाइनल में एंट्री कर ली। अमेरिका के खिलाफ खेले गए मुकाबले में उन्होंने बेइवेन झांग को मात दी जबकि किदाम्बी श्रीकांत का सफर समाप्त हो गया। घुटने की चोट से वापसी के बाद अपना पहला बीडब्ल्यूएफ टूर टूर्नामेंट खेल रही शटलर सिंधु ने पहले खेल में पिछड़ने के बाद दुनिया की 10वे नंबर की खिलाड़ी झांग को 13-21 21-10 21-14 से पराजित किया।

इस जीत के साथ उन्होंने पहले क्वॉर्टरफाइनल में एंट्री कर ली। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु का सामना चीन की चन यु फेई और डेनमार्क की लिने क्रिस्टोफरर्सन के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से होगा। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी श्रीकांत ने प्चीनी ताइपे के चोऊ टिएन चेन को हराया था। हालांकि, 16वें राउंड में चीन के गुआंग जू से 78 मिनट में उन्हें करारी शिकस्त मिली। चोऊ टिएन चेन ने उन्हें 21-19 12-21 20-22 से हराया। भले ही मैं पहला गेम हार गई थी लेकिन मैंने उम्मीद नहीं खोई और मैं संघर्ष करती रही। दूसरे और तीसरे गेम में, मैंने अपनी गलतियों पर नियंत्रण रखा और शटल को कोर्ट में बनाए रखा। सबसे ज्यादा मायने रखता है तो अच्छा प्रदर्शन करना, चाहे वह खेल के अंत में हो या ओलंपिक जैसे टूर्नामेंट में।

वित्त वर्ष 2025 में 6.8 फीसदी रहेगी भारत की विकास दर, रेटिंग एजेंसी क्रिसिल का अनुमान

नई दिल्ली। रेटिंग एजेंसी 'क्रिसिल' ने अनुमान जताया है कि भारत की अगले वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की विकास दर 6.8 फीसदी रह जाएगी, जो कि मौजूदा वित्त वर्ष में 7.6 फीसदी है। एजेंसी ने कहा कि ऊंची ब्याज दरों और राजकोषीय दबाव के कारण मांग घटने से वृद्धि में गिरावट आएगी। हालांकि, एजेंसी ने यह भी कहा कि आर्थिक विकास दर में गिरावट रहने के बावजूद भारत तेजी से विकास करने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बना रहेगा। क्रिसिल ने कहा कि सरकार के खर्च की प्रकृति से निवेश चक्र और ग्रामीण आय को कुछ मदद मिलेगी। इसके मुख्य अर्थशास्त्री धर्मकीर्ति जोशी ने पत्रकारों से कहा कि उन्हें उम्मीद है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) वित्त वर्ष 2025 में दरों में 0.50 से 0.75 फीसदी अंक की कटौती करेगा। लेकिन कटौती धीरे-धीरे होगी और जून से पहले नहीं होगी। जोशी ने कहा कि आरबीआई को दरों में कटौती करने से पहले मौद्रिक नीति के रुख को निकासी से तटस्थ में बदलना होगा। एजेंसी ने कहा कि महंगाई में कमी आ रही है और बेहतर कृषि उत्पादन, खाद्य महंगाई पर नियंत्रण और तेल व कमोडिटी की कीमतों में नरमी से वित्त वर्ष 2025 में भी यह गिरावट जारी रहेगी। एजेंसी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमीश मेहता ने कहा, अगले सात वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था 5,000 अरब डॉलर (पांच ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर) के आंकड़े को पार करेगी और 7,000 अरब डॉलर (सात ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर) के करीब पहुंच जाएगी। उन्होंने कहा कि अनुमानित 6.7 फीसदी की औसत वार्षिक वृद्धि दर 7,000 अरब डॉलर पर बंद होगी।

बोले केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू

देश में प्रति व्यक्ति आय सालाना 18,000 डॉलर तक पहुंचाना लक्ष्य

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में भारत को उच्च आय वर्ग में शामिल करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा ताकि हमारा देश दुनिया के विकसित देशों में की गिनती में शामिल हो सके। रिजिजू ने वीडियो साक्षात्कार में कहा कि भारत को विश्व के विकसित देशों में शामिल करने के लिए प्रति व्यक्ति सालाना आय 18,000 डॉलर की जरूरत होगी और मोदी सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में देश को उच्च आय की श्रेणी में लाने का प्रयास करेगी। रिजिजू कहा कि कई मोर्चों पर पिछड़ने के बावजूद प्रधानमंत्री के 'आक्रामक और प्रेरणादायक' नेतृत्व ने भारत को वैश्विक राष्ट्रों के समूह में एक अलग श्रेणी में पहुंचा दिया है। उन्होंने कहा, पूरी दुनिया भारत को एक लीडर के रूप में देखती है, सिवाय इसके कि हम अभी तक उच्च आय वाले देश नहीं हैं। लेकिन हमारा दर्जा बदल गया है। रिजिजू ने शौचालय, लोगों के बैंक खाते, खाद्य सुरक्षा जैसी बुनियादी जरूरतों को पूरा नहीं करने के लिए पिछली कांग्रेस सरकारों की आलोचना की, उन्होंने कहा कि ये जरूरतें अब मोदी सरकार प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा, "एक तरफ वैश्विक समुदाय में भारत का कद बढ़ रहा है। दूसरी ओर, लोगों की बुनियादी जरूरतों को उनके दरवाजे पर पहुंचाया जा रहा है। रिजिजू बोले, कभी-कभी, मैं चाहता हूं कि हमारे पास नरेंद्र मोदी जैसा कोई प्रधानमंत्री 30 या 40 साल पहले होता और अगर हमने तीन दशक पहले नागरिकों को बुनियादी जरूरतें प्रदान की होतीं तो हम आज कुछ और बात कर रहे होते। केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री ने कहा कि नागरिकों की मूलभूत जरूरतें पूरी करने के बाद ही जीवन की गुणवत्ता जैसे मुद्दों पर बात की जा सकती है। उन्होंने कहा, "मोदी सरकार के 10 साल में वह काम किया गया जो पिछले 60 सालों में कोई, खासकर कांग्रेस नहीं कर सकता। बैंकिंग सुविधा, 4जी नेटवर्क, भोजन, बैंक खाते, एलपीजी गैस, आपके घर में बल्ब की व्यवस्था, सड़कें, राजमार्ग- पूरे देश में आम आदमी के ये सारे सपने आज हकीकत हैं। रिजिजू ने कहा कि भारत 2047 तक पूरी तरह आत्मनिर्भर और विकसित देश होगा। उन्होंने कहा, "इसके लिए हमारी प्रति व्यक्ति आय कम से कम 18,000 डॉलर होनी चाहिए। तभी हमें एक अमीर और विकसित देश माना जाएगा। उन्होंने कहा कि आज प्रति व्यक्ति आय 2,500 डॉलर तक सीमित है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का पहला कार्यकाल कांग्रेस नीत पूर्ववर्ती संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार की गलतियों को सुधारने, देश की पूर्ववर्ती 'भ्रष्ट' सरकार की छवि सुधारने और लोगों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में व्यतीत हुआ। दूसरे कार्यकाल में, हम संतृप्ति मोड में आ गए कि हर किसी को एक मोबाइल फोन मिलना चाहिए, हर गांव में पानी होना चाहिए, सभी को बिजली और सड़क मिलनी चाहिए। इसलिए अगला चुनाव इस बात पर आधारित है जो सुविधाएं हमने देने में सफलता हासिल की है। आने वाले पांच साल भारत को पूरी तरह विकसित बनाने की दिशा में एक मजबूत यात्रा होगी।

front page new 1:front page 01.qxd 3/10/2024 1:14 AM Page 7

शोटाइम अभिनेता राजीव खुद को नहीं मानते हैं स्टार

अभिनेता राजीव खंडेलवाल टेलीविजन इंडस्ट्री के मशहूर नामों में से एक नाम हैं। पहली बार वे टीवी शो कहीं तो होगा में सुजल की भूमिका में दिखाई दिए थे। इस शो ने उन्हें टेलीविजन इंडस्ट्री का चमकता सितारा बना दिया था। दर्शकों को आज भी राजीव सुजल के रूप में याद हैं। आने वाले दिनों में वे वेब सीरीज शोटाइम में नजर आने वाले हैं। हाल ही में अपने शो के प्रमोशन के दौरान अभिनेता अपने शुरूआती दिनों की यादें साझा करते दिखाई दिए।

नीतू कपूर ने लुटाया था प्यार

सीरियल कहीं तो होगा से राजीव रातों रात स्टार बन गए थे। पुराने दिनों को याद करते हुए अभिनेता कहते हैं, मुझे खुद नहीं पता कि कैसे मैं अचानक इतना लोकप्रिय हो गया। मुझे अच्छी तरह याद है कि एक पार्टी के दौरान मैं नीतू कपूर से मिला था। वे मेरे पास आईं और उन्होंने मेरे गालों को थपथपाते हुए कहा कि आप बहुत प्यारे लग रहे हो और मुझे आपका शो काफी पंसद है।

राजेश खन्ना से मिली थी तारीफ

राजीव खंडेलवाल अपनी बात जारी रखते हुए कहते हैं, उस रात उस पार्टी में कई दिग्गज सितारे मौजूद थे। मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मैं राजेश खन्ना और दिलीप कुमार साहब से मिलूंगा। मुझे रीना रॉय जी राजेश खन्ना से मिलवाया था। वे सफेद कुर्ता-पायजामा में थे। उन्होंने मुझसे कहा था कि आप एक अच्छे अभिनेता हैं।

खुद को नहीं मानता स्टार

अभिनेता राजीव खंडेलवाल सीरियल के अलावा कई फिल्मों में भी नजर आ चुके हैं। उनकी अच्छी-खासी फैन-फॉलोइंग है। जब उनसे पूछा गया कि क्या आप खुद को स्टार मानते हैं। तब राजीव ने कहा, नहीं मैं खुद स्टार नहीं मानता हूं। आप खुद स्टार तब समझिए जब लोग आपको अपने दिल में रखें और आपके जाने के बाद भी आपको और आपके काम को याद करें।

श्रीजिता डे ने साझा किया कास्टिंग काउच का अनुभव

लोकप्रिय अभिनेत्री और बिग बॉस 16 की प्रतियोगी श्रीजिता डे ने हाल ही में अपने चौंकाने वाले कास्टिंग काउच अनुभव के बारे में खुलासा किया है। एक साक्षात्कार में, श्रीजिता ने खुलासा किया कि यह घटना तब हुई जब वह कोलकाता में एक वरिष्ठ निर्देशक के साथ मीटिंग के लिए गई थीं। अभिनेत्री के इस खुलासे से उनके फैंस भी हैरान रह गए हैं। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है। श्रीजिता ने खुलासा करते हुए कहा, जब मैं केवल 17 साल की थी तब मैंने मनोरंजन इंडस्ट्री में प्रवेश किया था। मैं पश्चिम बंगाल के हल्दिया नामक एक बहुत छोटे शहर से हूं। मेरी मां हमेशा मेरी सपोर्ट सिस्टम रही थीं, लेकिन इसके बावजूद मैं इन सबकी शिकार हो गई। मुझे लगता है कि समाज में ऐसे लोग काफी तादाद में भरे पड़े हैं। आपको हर एक कदम सोच समझ कर रखने की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा कि लोग उन्हें सिर्फ मीटिंग के लिए बुलाते थे और उनके पास देने के लिए कोई भूमिका या प्रोजेक्ट नहीं होता था। अभिनेत्री ने कहा, मैं ऐसे लोगों से मिली हूं, जो काफी चालाक थे, जिनके पास देने के लिए कोई परियोजना नहीं थी लेकिन वे सिर्फ मीटिंग चाहते थे। वे कहते थे उनके पास इस बड़े निर्देशक की एक फिल्म है लेकिन बीच में कास्टिंग काउच शामिल था। मैं इस तरह के लोगों से मिली, लेकिन मैंने अपनी मां से कुछ भी नहीं छिपाया। श्रीजिता ने बताया, जब मैं 19 साल की थी, तो मुझे एक बंगाली फिल्म ऑफर की गई थी, जो एक हिंदी फिल्म की रीमेक थी। मुझे एक मीटिंग के लिए बुलाया गया था। मेरी मां कोलकाता में थीं और मैं अकेले डायरेक्टर के ऑफिस गई थी। उन्होंने जिस तरह से मेरा कंधा पकड़ा और जिस तरह से मुझसे बात की, वह मुझे पसंद नहीं आया। वह एक बूढ़े आदमी थे। भले ही आप बहुत छोटे हों, आप जानते हैं कि कौन सा स्पर्श सही नहीं है। मैंने अपना पर्स उठाया और ऑफिस से बाहर भाग गई।

इस तरह की चुनौतियों से पार पाने के बारे में श्रीजिता ने कहा, मुझे आश्चर्य होता था कि लोगों की ऐसी मानसिकता कैसे हो सकती है। लेकिन मैं कभी भी बहकावे में नहीं आई। मैं काफी मजबूत थी और मुझे पता चला जहां अच्छा काम होता है, वहां लोग कभी भी गलत तरीके से आपसे संपर्क नहीं करेंगे।

तारिणी से बॉलीवुड में धमाल मचाने को तैयार आरुषी निशंक

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के इस खास मौके पर हिमश्री फिल्म्स और टी- सीरीज ने अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट तारिणी की घोषणा की है। इस फिल्म के माध्यम से मशहूर कत्थक नृत्यांगना आरुषी निशंक बॉलीवुड में अपना डेब्यू करेंगी। तारिणी दुनिया के सामुद्रिक सफर पर निकलीं पहली, नेवी की छह जांबाज महिला अफसरों पर आधारित एक फिल्म है। इस घोषणा के बाद दर्शकों के बीच गजब का उत्साह देखने को मिल रहा है। रक्षा मंत्रालय से सफलतापूर्वक अधिकार प्राप्त करने के बाद, आरुषि निशंक और कुमार विश्वास वर्तमान में तारिणी के लेखन को पूरा करने में लगे हुए हैं। यह परियोजना छह वीर महिलाओं की मनोरंजक कहानी को पर्दे पर जीवंत तरीके से पेश करने के लिए तैयार है, जिन्होंने समाज की रूढ़िवादिता को तोड़ा और समुद्र पर विजय प्राप्त की और हर महिलाओं के लिए मिसाल बनी थीं। बता दें कि तारिणी केवल एक साधारण कहानी नहीं है। यह महिला सशक्तिकरण को भी प्रदर्शित करती है। यह महिलाओं की उपलब्धियों का प्रमाण है। आरुषि निशंक का मानना है कि यह परियोजना दुनिया भर में महिलाओं के लिए सशक्तिकरण के प्रतीक और उदाहरण के रूप में काम करेगी। मेक इन इंडिया के तहत बनी इस तारिणी नौका में सवार होकर इन छह महिला अफसरों ने इस साहसिक अभियान के साथ अपना नाम इतिहास के पन्नों में सुनहरे अक्षरों से भी दर्ज कर था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस अभियान को खूब सराहा था। अरुषी निशंक ने इस प्रोजेक्ट के बारे में अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, तारिणी सिर्फ एक कहानी से कहीं अधिक है; यह उन महिलाओं की जाबाज भावना को श्रद्धांजलि है जो बाधाओं को तोड़ती हैं और संभावनाओं को फिर से परिभाषित करती हैं। इस परियोजना के माध्यम से, हमारा लक्ष्य महिलाओं को प्रेरित और सशक्त बनाना है। लेखक कुमार विश्वास ने अपना उत्साह साझा करते हुए कहा, तारिणी पर सहयोग करना एक सम्मान की बात है और मैं साहस और विजय की इस कहानी को बुनने के लिए उत्साहित हूं। इन छह महिलाओं की यात्रा प्रेरणा का स्रोत है और हम आशा करते हैं कि उनकी कहानी को इस तरह व्यक्त करें जो दर्शकों को पसंद आए।

सोनाक्षी सिन्हा के लिए बेस्ट डायरेक्टर हैं भंसाली

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा इन दिनों अपनी आने वाली वेब सीरीज हीरामंडी- द डायमंड बाजार को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बनी इस सीरीज में सोनाक्षी के अलावा मनीषा कोईराला, ऋचा चड्ढा और अदिति राव अहम भूमिकाओं में नजर आने वाली हैं। हाल ही में शो के प्रमोशन के दौरान सोनाक्षी सिन्हा हीरामंडी के अलावा संजय लीला भंसाली के बारे में कई दिलचस्प खुलासे करती नजर आईं।

कॉफी के शौकीन हैं निर्देशक

सोनाक्षी सिन्हा शो हीरामंडी- द डायमंड बाजार से पहले भी संजय लीला भंसाली के प्रोडक्शन में बनी फिल्म राउडी राठौड़ में काम कर चुकी हैं। सोनाक्षी बताती हैं, मैं काफी समय से संजय लीला भंसाली के साथ काम करना चाह रही थी, लेकिन किसी न किसी वजह से बात नहीं बन पा रही थी। मैं जब भी उनसे मिलने के लिए ऑफिस जाती थी वे कॉफी ऑफर करते थे। मैं कॉफी पी कर और बात करके वापस आ जाती थी। आप जब भी उनके ऑफिस जाएंगे वो आपको कॉफी जरूर पिलाते हैं। संजय लीला भंसाली कॉफी के शौकीन हैं। सोनाक्षी अपनी बात जारी रखते हुए कहती हैं, मुझे लगता है कि संजय लीला भंसाली अपनी स्त्री किरदारों को सबसे ज्यादा खूबसूरती से दिखाते हैं। आप उनकी कोई भी फिल्म उठा कर देख लीजिए वे महिला चरित्रों के साथ न्याय करते हैं। मैं खुद को सौभाग्यशाली मानती हूं कि मुझे हीरामंडी- द डायमंड बाजार का हिस्सा बनने का मौका मिला।

बड़े पर्दे पर नजर आएगी धनुष रश्मिका की जोड़ी

साउथ सुपरस्टार धनुष और इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना एक साथ नजर आने वाले हैं। दोनों सितारे टॉलीवुड निर्देशक शेखर कम्मुला की फिल्म में मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे। अब इस फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। मेकर्स ने फिल्म के टाइटल और फर्स्ट लुक रिलीज करने की डेट की घोषणा की हैं। फिलहाल फिल्म का अस्थायी नाम डीएनएस (डी 51) रखा गया है। निर्देशक शेखर कम्मुला तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री के जाने-माने निर्देशकों में से एक है। अपनी अगली फिल्म में वे धनुष और रश्मिका मंदाना को एक साथ लेकर आ रहे हैं। गुरुवार को मेकर्स ने एक पोस्ट शेयर फिल्म के टाइटल और फर्स्ट लुक रिलीज करने की डेट की घोषणा की हैं। पोस्ट में बताया गया फिल्म का टाइटल और फर्स्ट लुक महाशिवरात्रि के मौके पर शाम 4 बजकर 5 मिनट पर रिलीज किया जाएगा। फिल्म को एमिगोस क्रिएशन्स और श्री वेंकटेश्वर सिनेमाज एलएलपी के बैनर तले बनाया जा रहा है। वहीं, इसका संगीत देवी श्री प्रसाद तैयार कर रहे हैं। फिल्म की घोषणा के बाद से दर्शकों में इसे लेकर उत्साह देखने को मिल रहा है। फैंस दोनों की जोड़ी को एक साथ देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इससे पहले धनुष फिल्म रायन में नजर आएंगे। यह धनुष की 50वीं फिल्म होगी। हाल ही फिल्म का फर्स्ट लुक भी रिलीज किया गया। गौरतलब है कि रायन को धनुष ने ही लिखा और निर्देशित किया है। रायन के पोस्टर में धनुष का एंग्री यंग लुक देखने को मिला था, जिसके बाद फैंस धनुष की इस फिल्म को लेकर भी काफी उत्साहित हैं।

शत्रुघ्न सिन्हा ने पूरी की सीरीज गैंग्स ऑफ गाजियाबाद की शूटिंग

शत्रुघ्न सिन्हा लंबे वक्त से फिल्मी दुनिया से दूर राजनीति में सक्रिय हैं। वे आसनसोल लोकसभा सीट से टीएमसी सांसद हैं। अब एक बार फिर अभिनेता अपने अभिनय का जादू दर्शकों पर चलाने आ रहे हैं। हालांकि, इस बार वह ओटीटी के जरिए मनोरंजन करने वाले हैं। वह वेब सीरीज गैंग्स ऑफ गाजियाबाद में अपने अभिनय से दर्शकों को खामोश करने वाले हैं। इस वेब सीरीज का निर्देशन नागेंद्र चौधरी ने किया है। शत्रुघ्न सिन्हा ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल से पोस्ट साझा कर उनके साथ काम करने का अनुभव साझा किया है। अभिनेता ने लिखा है, एक शानदार और अनुभवी निर्देशक नागेंद्र चौधरी के साथ काम करना यादगार अनुभव रहा। सुमन टाकीज की प्रतिभाशाली कास्ट और महान व मेहनती कलाकारों के साथ काम करते हुए अच्छा लगा। अभिनेता ने आगे लिखा, अपनी डेब्यू ओटीटी सीरीज गैंग्स ऑफ गाजियाबाद का फर्स्ट लुक पोस्टर आप सभी के साथ साझा कर रहा हूं। यह अपराध, दोस्ती और मुक्ति की एक शानदार कहानी है। इसका निर्माण विनय कुमार और प्रदीप नागर ने किया है। नागेंद्र चौधरी ने इसका निर्देशन करने के साथ-साथ इसे लिखा भी है। यह सीरीज 90 के दशक के अंडरवर्ल्ड की दुनिया की एक रोमांचक यात्रा पर ले जाएगी। पोस्टर में शत्रुघ्न सिन्हा के अलावा आशुतोष राणा, माहिरा शर्मा, सनी लियोनी, अभिमन्यु सिंह और मुकेश तिवारी जैसे सितारे भी नजर आ रहे हैं।

थंगम बन दिल जीतने आ रहीं हैं जान्हवी कपूर

साल की सबसे भव्य पैन-नेशन रिलीज में से एक के रूप में प्रतिष्ठित महाकाव्य गाथा देवरा- भाग 1 का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। इस फिल्म में मैन ऑफ मास जूनियर एनटीआर मुख्य भूमिका में हैं। देवरा के साथ जान्हवी कपूर अपना साउथ डेब्यू करने वाली हैं। अभिनेत्री के जन्मदिन के खास अवसर पर निर्माताओं ने फैंस को बड़ा तोहफा दिया है। फिल्म से अभिनेत्री का फर्स्ट लुक जारी कर दिया गया है, जिस पर फैंस दिल खोलकर प्यार लुटा रहे हैं। देवरा - भाग 1 के निर्माताओं ने जान्हवी कपूर को शुभकामनाएं देने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। इसमें एक पोस्टर का अनावरण किया गया, जिसमें अभिनेत्री थंगम के किरदार में नजर आ रही हैं। निर्माताओं ने लिखा, हमारी प्यारी थंगम, जान्हवी कपूर को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। देवरा। जान्हवी कपूर नवीनतम पोस्टर में थंगम के किरदार में नजर आ रही हैं। इस सोशल मीडिया पोस्ट पर शानदार प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। फैंस, जान्हवी के लुक को काफी पसंद कर रहे हैं। साथ ही उनकी सराहना करते भी नजर आ रहे हैं। जान्हवी कपूर ने इस पोस्ट को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर रीशेयर करते हुए लिखा, सेट पर वापस आने का इंतजार नहीं कर सकती। बहुत प्यारा। कोराटाला शिवा द्वारा निर्देशित देवरा दो भागों में प्रदर्शित होगी, जिसका प्रारंभिक अध्याय 10 अक्तूबर, 2024 को दशहरा सप्ताहांत के साथ सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगा। इस महान कृति का निर्माण युवासुधा आर्ट्स और एनटीआर आर्ट्स द्वारा किया गया है और इसे नंदामुरी कल्याण राम द्वारा प्रस्तुत किया गया है। फिल्म का संगीत अनिरुद्ध रविचंदर द्वारा दिया गया है, और सिनेमैटोग्राफी आर रत्नावेलु द्वारा किया गया है।

front page new 1:front page 01.qxd 3/10/2024 1:14 AM Page 8

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक जर्नलिज़्म टुडे दिल्ली से प्रकाशित

आप का अभियान शुरू, जारी किया स्लोगन

संसद में भी केजरीवाल तो दिल्ली होगी और खुशहाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने प्लोकसभा चुनाव के लिए अभियान शुरू कर दिया। पार्टी ने इसके लिए संसद में भी केजरीवाल तो दिल्ली होगी और खुशहाल स्लोगन जारी किया है। इस मौके पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान व चारों उम्मीदवार मौजूद रहे। इस मौके पर केजरीवाल ने इंडिया गठबंधन के सातों उम्मीदवारों को जिताने की अपील करते हुए कहा कि वे अकेले उपराज्यपाल व केंद्र सरकार से लड़ रहे हैं। दिल्ली में भाजपा, उपराज्यपाल व केंद्र सरकार उनके सभी काम रोकने की कोशिश करते हैं। ये दिल्ली के दो करोड़ लोगों से नफरत करते हैं। तीन बार यहां आप की सरकार बनने से ऐसा किया जा रहा है। छह-सात साल पहले जब वह मोहल्ला क्लीनिक बना रहे थे, तो भाजपा शासित एमसीडी ने इसे तोड़ दिया था। जब सीसीटीवी कैमरे लगाने चालू किए, तो उपराज्यपाल ने फाइल रोक दी। इसके लिए उपराज्यपाल के घर में 10 दिन तक धरना देना पड़ा था। इसके बाद फाइल मंजूर हुई। मोहल्ला क्लीनिक की बिजली काट दी। किराया व दवाइयां रोककर जांच भी बंद कर दी। आप सरकार हर घर को राशन देना चाहती थी, लेकिन इसकी भी फाइल रोक ली गई। योग की कक्षाएं बंद कर दीं। सड़क दुर्घटना के पीड़ितों को बचाने के लिए लागू योजना फरिश्ते रोकी गई। इसके लिए अदालत तक जाना पड़ा।

इतना निर्दयी कौन हो सकता है जो गरीबों का इलाज बंद कर दे। जब यह सब हो रहा था, तब सातों सांसद तालियां बजा रहे थे। जब संसद में अध्यादेश पास कर दिल्ली के लोगों का हक छीना जा रहा था, तब ये सातों सांसद कहां थे। एलजी के पास जाकर सांसद आपके काम रुकवाते हैं। जिस तरह दिल्ली विधानसभा में दो बार 70 में से 67 व 62 सीटें देकर जिताया, वैसे ही लोकसभा चुनाव में भी वोट दें। मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट में महिला सम्मान योजना के तहत एक हजार रुपये देने की घोषणा से महिलाएं बहुत खुश हैं। महिलाओं को यकीन नहीं हो रहा है। यह कोई वादा नहीं, विधानसभा में योजना पास हो गई है।

आप केवल काम की राजनीति करती है : मान

भगवंत मान ने कहा कि नफरत की नहीं, आप केवल काम की राजनीति करती है। तभी दिल्ली की जनता ने केजरीवाल और आप को दो बार प्रचंड बहुमत दिया। केजरीवाल दिल्लीवालों के लिए अकेले लड़ रहे हैं। अगर आप दिल्ली के सातों सांसद आम आदमी पार्टी को देते हैं तो केजरीवाल को सात हाथ और मिल जाएंगे। पंजाब के लोग आप को सभी 13 सीटें देने जा रहे हैं। राज्यसभा में दस सांसद पहले से हैं। चुनाव बाद दोनों सदनों में आप की ताकत 30-40 तक पहुंच जाएगी। इतने सांसद इकट्ठे होकर दिल्ली के लोगों के हक की लड़ाई लड़ेंगे तो किसी की हिम्मत नहीं होगी कि दिल्ली और पंजाब का कोई काम रोक सके। कार्यक्रम के दौरान एक पर्चा भी जारी किया। इसमें बीते नौ सालों के आप सरकार के कामों को सिलसिलेवार ढंग से दर्ज किया गया है। आप कार्यकर्ता हर घर तक इस पर्चे को पहुंचाकर बताएंगे कि इस बीच जनहित की कौन सी योजनाओं को लागू होने से रोकने के लिए भाजपा ने एलजी के जरिये कितनी बाधाएं खड़ी कीं।

दिल्ली विधानसभा में 76 हजार करोड़ का बजट पास

नई दिल्ली। विधानसभा में शनिवार को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 76 हजार करोड़ रुपये के बजट पर मुहर लग गई। इससे पहले सत्ता पक्ष ने चर्चा कर बजट को जनता के हित का बताया। वहीं, विपक्ष इस पर अपनी बात नहीं रख पाया। शनिवार को पानी की चर्चा के दौरान विपक्ष ने सदन से वॉकआउट कर दिया था। पास किए गए बजट से दिल्ली में बन रहे आठ फ्लाईओवर का काम पूरा होगा। बजट में मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना की घोषणा की गई है। इसमें 18 साल से अधिक उम्र की महिलाओं को प्रति माह एक हजार रुपये मिलेंगे। योजना के तहत बजट में दो हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस योजना का लाभ सरकारी नौकरी, पेंशन और आयकर भरने वाली महिलाओं को नहीं मिलेगी। बजट में बिजली-पानी में छूट व बसों में मुफ्त यात्रा समेत कई पुरानी योजनाओं को जारी रखा गया हे। बजट में सरकार ने शिक्षा को फिर से प्राथमिकता देते हुए इसके लिए 16,396 करोड़ रुपये का बजट रखा है। स्वास्थ्य पर 8685 करोड़ व परिवहन व्यवस्था पर 5702 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

दिल्ली सरकार ने बिजली सब्सिडी की फाइल एलजी को भेजी

केजरीवाल कैबिनेट ने पास किया था प्रस्ताव

नई दिल्ली। केजरीवाल सरकार ने बिजली सब्सिडी की फाइल उपराज्यपाल वीके सक्सेना को भेजी है। 7 मार्च को केजरीवाल कैबिनेट ने बिजली सब्सिडी का प्रस्ताव पास किया था। दिल्ली में बिजली सब्सिडी जारी रहने की फाइल उपराज्यपाल को भेजी है। आप सरकार ने गुरुवार को दिल्लीवालों को बिजली पर मिलने वाली सब्सिडी को अगले एक साल तक के लिए बढ़ाने का निर्णय लिया है। इससे दिल्ली के लाखों उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिली है। 200 यूनिट तक बिजली खपत करने वाले करीब 22 लाख परिवारों का बिल अगले साल तक शून्य आएगा, जबकि 400 यूनिट तक बिजली इस्तेमाल करने वालों का बिल आधा रहेगा। बृहस्पतिवार को इस प्रस्ताव पर कैबिनेट ने पूरी गंभीरता से चर्चा की और सर्वसम्मति से प्रस्ताव पर मंजूरी दी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट बैठक में मुफ्त बिजली योजना को 31 मार्च 2025 तक बढ़ाने का फैसला लिया गया। मुख्यमंत्री ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि दिल्ली वालों बधाई। मुफ्त बिजली योजना मार्च 2025 तक के लिए बढ़ा दी गई है। कई लोगों के मन में संशय था कि अगले साल सब्सिडी मिलेगी या नहीं। इसे रोकने की पूरी कोशिश की गई, लेकिन आपके बेटे ने ये काम भी करवा ही लिया। इसमें वकील भाइयों के चैंबर की भी फ्री बिजली शामिल है। दिल्ली में ईमानदार और पढ़े लिखे लोगों की सरकार है।

वहीं, ऊर्जा मंत्री आतिशी ने बताया कि दिल्ली में 24 घंटे बिजली देना और मुफ्त बिजली देना केजरीवाल सरकार का न सिर्फ वादा है, बल्कि ऐसा वादा है, जिसे लगातार नौ सालों से पूरा करते आ रहे हैं। दिल्ली इकलौता ऐसा राज्य है, जहां 24 घंटे बिजली आती है और 22 लाख परिवारों का बिल शून्य आता है। ऐसी कही भी कोई भी पॉलिसी नहीं है, जिसका हमारे विरोधी रोकने का प्रयास नहीं करते हैं। बिजली सब्सिडी को रोकने के लिए विरोधियों ने प्रयास किया। अधिकारियों को धमकाया गया। आतिशी ने बताया कि वकीलों और 1984 दंगा पीड़ितों को बिजली पर जो सब्सिडी पिछले वित्तीय वर्ष 2023-24 में मिलती आई है, उसी तरह से आने वाले साल में भी मिलती रहेगी। विरोधी अफसरों से कहते हैं कि अगर तुमने केजरीवाल के साथ मिलकर काम किया और सरकार की पॉलिसी लागू करवाई तो विजिलेंस जांच करा देंगे, सस्पेंड कर देंगे व जेल में डाल देंगे। सीबीआई-ईडी के केस कर देंगे।

शिक्षा मंत्री आतिशी ने किया उत्तर-पूर्वी दिल्ली में दो नए स्कूलों का उद्घाटन

नई दिल्ली। दिल्ली में हर तबके के बच्चों को शानदार शिक्षा देने की श्रृंखला में केजरीवाल सरकार ने उत्तरी पूर्वी दिल्ली के श्रीराम कॉलोनी में 2 शानदार स्कूल का उद्घाटन कर दिल्लीवासियों को समर्पित किया। स्कूल उद्घाटन के अवसर पर शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा, श्रीराम कॉलोनी ये स्कूल दिल्ली के बेहतरीन स्कूलों में से एक है। इसमें उपलब्ध सुविधाएं इंफ्रास्ट्रक्चर शानदार है जिससे गरीब से गरीब तबके से आने वाले बच्चो के लिए भी विश्वस्तरीय शिक्षा सुनिश्चित की जाएगी। श्रीराम कॉलोनी के सर्वोदय कन्या/बाल विद्यालय के नव निर्मित स्कूल भवन के उद्घाटन समारोह में शिक्षा मंत्री का स्वागत दिल्ली सरकार के स्कूलों के पाइप बैंड ने किया। शिक्षा मंत्री ने पट्टिका का अनावरण किया और प्रथम तल पर बने नए क्लासरूम, लैब और लाइब्रेरी का जायजा लिया। शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि, मेन रोड से एक किलोमीटर दूर से ही श्रीराम कॉलोनी का ये शानदार स्कूल दिख रहा है। जब मैं इस बिल्डिंग के पास आई और पूरे स्कूल को देखा तो इसकी भव्यता देख मेरे मुँह से निकला ओ माई गॉड कितना शानदार स्कूल है। मुझे इस बात का गर्व है कि, खजूरी खास, सोनिया विहार और करावल नगर क्षेत्र के बच्चों के लिए हम 2 शानदार नए स्कूलों की शुरूआत कर रहे है। शायद ही आस पास के इलाके में कोई भी ऐसा प्राइवेट स्कूल होगा जो आज हमारे श्रीराम कॉलोनी के इस स्कूल को टक्कर दे सके। शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि, आज हम जिस भव्य स्कूल बिल्डिंग का उद्घाटन कर रहे है, इसमें 112 कमरे है। इसमें 15 लेबोरेट्रीज, 2 लाइब्रेरी, स्मार्ट क्लासरूम सहित बच्चों के लिए लिफ्ट भी है। एक समय ऐसा था जब बच्चे सरकारी स्कूलों की टूटी-फूटी बिल्डिंग में जमीन पर बैठने को मजबूर थे, वहाँ लाइब्रेरी और लैब के नाम पर टूटे फूटे मकड़ी के जाले लगे रूम होते थे। और आज केजरीवाल सरकार के स्कूलों में आई शिक्षा क्रांति के बाद बच्चे रंग-बिरंगे डिजाइनर डेस्क पर पढ़ते है।

हमारे स्कूलों में वर्ल्ड क्लास लेबोरेट्रीज है। उन्होंने कहा कि, 9 साल पहले श्री अरविंद केजरीवाल जी की सरकार बनने से पहले दिल्ली सरकार के स्कूलों का जो हाल था वो किसी से छुपा नहीं था। सरकारी स्कूलों में घुसते ही टॉयलेट की बदबू आती थी, क्लास रूम में बच्चों के बैठने के लिए टेबल नहीं होती थी, पीने के लिए पानी नहीं होता था। लोग अपने बच्चों को मजबूरी में सरकारी स्कूल भेजते थे और सोचते थे कि, काश मेरे पास थोड़े पैसे होते तो मैं अपने बच्चों को सरकारी स्कूल से निकाल प्राइवेट स्कूल में पढ़ा पाता। लेकिन ये दिल्ली वालों का सौभाग्य है कि, 2015 में उन्हें अरविंद केजरीवाल जी जैसा मुख्यमंत्री मिला। एक ऐसा मुख्यमंत्री जो आपके बच्चों के बारे में आप से भी ज्यादा चिंता करते है। अरविंद केजरीवाल जी ने कहा कि चाहे दिल्ली के बच्चों की शानदार शिक्षा देने में जितना खर्च आये हम करेंगे, चाहे 2 रोड-फ़्लाइओवर कम बनाने पड़े लेकिन हमारे बच्चों के लिए अच्छे स्कूलों की कमी नहीं होनी चाहिए। शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि, श्री अरविंद केजरीवाल जी की पूरे देश में एकमात्र ऐसी सरकार है, जो अपने बजट का एक चौथाई हिस्सा शिक्षा पर लगाती है। आजादी से लेकर 2015 तक इतनी सरकार आई गई लेकिन सरकारी स्कूलों में मात्र 24000 कमरे ही बन सके।

दिल्ली के कंस्टीट्यूशन क्लब में हुआ जश्न-ए-उर्वी का आयोजन

नई दिल्ली। फेस़ ग्रुप के तत्वावधान में महिला दिवस के उपलक्ष्य में मशहूर कवियत्री डॉ० उर्वशी अग्रवाल उर्वी के सम्मान में जश्न-ए-उर्वी और फेस विमेंस अचवीमेंट अवॉर्ड 2024 का आयोजन कंस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में किया गया। इस सम्मान कार्यक्रम में वरिष्ठ साहित्यकार एवं गौड संस इंडिया के संस्थापक बी० एल० गौड मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इसके अलावा गाजीपुर मुर्गा मछली मंडी दिल्ली सरकार के चेयरमैन भाई मेहरबान कुरैशी, सर्वोकॉन सिस्टम प्रा०लि० के चेयरमैन हाजी कमरूद्दीन सिद्दीकी इंटरनेशनल शायर डॉ० एजाज पापुलर मेरठी, ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी की प्रवक्ता रितु चौधरी व दिल्ली प्रदेश शिरोमणि अकाली दल महिला विंग की अध्यक्ष बीवी रंजीत कौर ने खास मेहमान की हैसियत से शिरकत की। मंच का संचालन शैलजा सिंह एवं उजमा अंसारी द्वारा किया गया। फेस ग्रुप के चेयरमेन डॉ० मुश्ताक अंसारी की देखरेख में आयोजित इस कार्यक्रम में इंटरनेशनल कथक डांसर, पद्मश्री नलिनी कमलिनी, भारत-तिब्बत सहयोग मंच की राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष रेखा गुप्ता, अल्केमी इंस्टीट्यूट् ऑफ पैरामेडिकल साईंस की डायरेक्टर अंजू भंडारी, स्टार भजन सिंगर नलिनी निगम, मशहूर कवित्री रेनू हुसैन, इंटरनेशनल फैशन डिजाईनर सोनिया गुरनानी, शिक्षाविद् डॉ० माला कपूर गौहर, समाज सेवी कनीज फातिमा, लेखिका डॉ० तारा सिंह अंशुल, समाज सेविका एवं लेखिका शैलजा सिंह को फेस़ विमेंस अचीवमेंट अवॉर्ड 2024 से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर लेडी सिंघम के नाम से प्रसिद्ध पुलिस सब इंस्पेक्टर किरण सेठी, ऑल इंडिया एजुकेशन मोमेंट के सचिव मौ० इलयास सैफी, शिरोमणि अकाली दल दिल्ली प्रदेश के उपाध्यक्ष सरदार अमनजीत सिंह, अमरीकन नागरिक जय वर्मा, अमरोहा से बसपा नेता नावेद अयाज, यूनीवर्सल एजूकेशन एवं कल्चर ट्रस्ट के चेयरमैन अमजद लोधी, कांग्रेस नेता अलीम अंसारी, ऑल इंडिया ज्वैलर्स स्वर्णकार ट्रेड फेडरेशन के अध्यक्ष शशि वर्मा, शाहिना खान, सोनिया गुरमानी, महेंद्र लड्डा, अंजना संधीर सुकन्या, आप नेता राजबाला सिंह रानो, नेपाली फिल्म एक्ट्रेस नीतू कोईराला, नेपाली मूवी एक्ट्रेस बिपना थापा, एक नया कदम स्वच्छ तीरथ की ओर संस्था के फाउंडर चेयरमैन संजीव छिब्बर, सीनियर जर्नालिस्ट मारूफ रजा, जर्नलिज्म टूडे ग्रुप के एटीडर जावेद रहमानी, गीता कालोनी ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जुगल किशोर, फिक्की के सचिव सलीम अंसारी, समाज सेवी सरोज वर्मा, एडवोकेट फातिमा अली, डॉ० रिहाना, डॉ० अफंशा तबस्सुम, समाज सेवी पूजा गर्ग, समीना खान, डॉ० रमेश कुमार पस्सी, अरविंद वत्स, डॉ० सूरज वावधानी, अंशु मलिक, श्वेता चुग आदि को भी उनकी सेवाओं के लिए गेस्ट ऑफ ऑफर दिया गया। कार्यक्रम की सफलता में डॉ० बिलाल अंसारी, उजमा अंसारी, मौ0 फैज, शबाना अजीम, श्रेया सहाय, हुमा खान व नरेंद्र सिंह का विशेष योगदान रहा।

विदेशी आईडी का इस्तेमाल कर देश के पैसे को बाहर भेज रहे हैं जालसाज, तीन आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। देश में जालसाज भी हाईटेक होते जा रहे हैं। जालसाज ठगी के पैसे को विदेशी आईपी एड्रेस का इस्तेमाल कर देश से बाहर भेज रहे हैं। दक्षिण जिले की साबइर थाना पुलिस ने एक ऐसे ही गिरोह का पदार्फाश कर तीन जालसाज विकास यादव, अर्जुनलाल यादव और अंकित यादव को गिरफ्तार किया है। इन जालसाजों के एक बैंक खाते से मात्र 18 दिन में 3.95 करोड़ रुपये का लेन-देन हुआ है। जालसाजों ने आरबीएल बैंक खाते में ऑनलाइन बैंकिंग की है, उन इंटरनेट का आईपी एड्रेस सिंगापुर, चीन व हांगकांग आ रहा है। दिल्ली पुलिस ने इन आईपी एड्रेस की डिटेल देने के लिए इन देशों को पत्र लिखा है। दक्षिण जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार, संगम विहार निवासी विनित सक्सेना (51) ने साइबर थाना प्रभारी अरुण कुमार वर्मा को शिकायत दी थी कि टास्क पूरा करने के नाम पर उससे करीब एक लाख रुपये ठग लिए गए हैं। उन्होंने अपनी शिकायत में कहा था कि उसने घर बैठे पांच से छह हजार कमाए। उनसे 2 हजार रुपये इन्वेस्ट कराए तो उसे 2800 रुपये दे दिए। इसके बाद कहा गया कि टास्क को रिपेयर कराने के लिए एक लाख रुपये जमा कराने होंगे। विनित ने एक लाख रुपये जमा करा दिए, इसके बाद ठगे जाने का एहसास हुआ। मामला दर्जकर इंस्पेक्टर अरुण कुमार वर्मा की देखरेख में इंस्पेक्टर हंसाराम, हवलदार रामवीर, संदीप और विकास की टीम ने जांच शुरू की। हवलदार रामवीर को जांच में पता लगा कि ठगी की रकम जयपुर के एक बैंक खाते में 50 हजार, दिल्ली के एक बैंक खाते में पांच हजार और गौतमी नगर, लखनऊ के एक बैंक खाते में 50 हजार गए हैं। इसके बाद पुलिस ने विकास यादव, अर्जुनलाल यादव और अंकित यादव को गिरफ्तार कर लिया।

जनता जितनी जागरूक होगी उतना पुलिस का काम आसान होगाः एसीपी रोहतास कुमार

जर्नलिज्म टुडे संवाददाता

दिल्लीः राइट स्टेप एन जी ओ की ओर से मंडावली बी ब्लॉक मुहम्मदी मस्जिद के निकट पुलिस और जनता के बीच संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम के लिए राईट स्टेप एन जी ओ के अध्यक्ष साबिर अली का विषेश तौर पर अधिकारियों ने प्रशंसा की। मयूर विहार एसीपी रोहतास कुमार ने कहा कि आप ने जिस मुहब्बत और प्यार से हम सब का खुले दिल से सम्मन किया है उसका मैं दिल से मुहब्बत करता हूं। आप के साथ मैं हमेशा खड़ा हूं।

जो आदमी जरूरतमंद हैं उनकी मदद करनी चाहिए। उन्हों ने कहा कि ईस्ट डिस्ट्रिक के 11 थाने हैं भविष्य में उन सभी पुलिस बीट ऑफीसर को भी सम्मानित किया जायगा। यह सम्मान और अवार्ड हमारे लिए बड़ा योगदान है और हमें काम करने की इच्छा होती है। प्रधान सज्जाद जैदी ने सभी पुलिस अधिकारी का दिल से स्वागत किया। उन्हों ने कहा की आज हमारे लिए बहुत गर्व का अवसर है की आज पुलिस के अधिकारी हमारे बीच में आकर हमारी समस्याओं को खुद सुन रहें हैं। इस अवसर पर अधिकारियों ने जोर दीया की आप तुरंत किसी अफवाहों में बहक न जाए बल्की उसके तथ्यों को जानने के बाद ही आगे सोशल मीडिया पर शेयर करें। यह कार्यक्रम रोहतास कुमार एसीपी, मयूर विहार का स्वागत राईट स्टेप एन जी ओ के अध्यक्ष साबिर अली ने किया।सब इंस्पेक्टर सुमन ने कहा कि आटो वाला, कैब वाला आप को मना नहीं कर सकता विषेश तौर पर महिलाओं को। इस अवसर पर कई छेत्र के बेस्ट बीट ऑफिसर को अवार्ड से सम्मानित किया गया। मुन्ने खान ने सभी पुलिस अधिकारी का शुक्रिया अदा किया। असलम चौधरी ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम में मुन्ने खान, मुशाहिद हुसैन, रुबीना प्रवीण, हेमलता, जर्नलिज्म टुडे ग्रुप के एडिटर इन चीफ जावेद रहमानी, रिजवान, इकराम, निसार अहमद, निजाम ,अनीस अहमद और इतियादी उपस्थित थे।

नरेंद्र मोदी के राज में देश में बढ़ा महिलाओं का सम्मान : गुरमीत सिंह सूरा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासन में देश में महिलाओं के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं बनाई गई है और अभी भी कई योजनाओं पर तेजी से काम चल रहा है। यह कहना है भारतीय जनता पार्टी पश्चिमी दिल्ली के सह प्रभारी सरदार गुरमीत सिंह सूरा का। गुरमीत सिंह सूरा कहते हैं संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को पारित करके देश भर की सभी लोकसभा और राज्य विधानसभा में महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण की व्यवस्था की आज जब सभी महिलाएं हर सेक्टर में तेजी से आगे बढ़ रही हैं नेतृत्व कर रही हैं तो बहुत आवश्यक है की नीति निर्धारण में पॉलिसी मेकिंग में हमारी माताएं बहने हमारी नारी शक्ति अधिकतम योगदान दें ज्यादा से ज्यादा योगदान दें योगदान ही नहीं वे महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। इस अधिनियम से भारत ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में बधाई मजबूत कदम और आरक्षित कोटे के अंतर्गत अनुसूचित जाति और और अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के लिए भी आरक्षण की व्यवस्था की। यह अधिनियम लैंगिक समानता और समावेशी समाज के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। यह कानून महिला नेतृत्व को बढ़ावा देता है और महत्वपूर्ण निर्णय लेने में महिलाओं के लिए मार्ग प्रशस्त करता है इसी कड़ी में आगामी लोकसभा चुनाव 2024 दिल्ली में 7 में से दो सीटों पर महिलाओं को भाजपा ने प्रत्याशी बनाया है। अपनी मुस्लिम बहनों के लिए भी सख्त कानून बनाकर तीन तलाक का अपराधीकरण मुस्लिम महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा सुनिश्चित और तीन तलाक के मामले में उल्लेखनीय कमी आई है।

लोकसभा चुनावः दिल्ली में कांग्रेस के उम्मीदवारों के नाम अभी तक तय नहीं, कन्हैया कुमार को चुनाव लड़ाने पर चर्चा

नई दिल्ली। कांग्रेस आलाकमान ने जारी की पहली सूची में दिल्ली के तीनों उम्मीदवारों के नामों की घोषणा नहीं की, जबकि कांग्रेस की चुनाव समिति की बैठक में बृहस्पतिवार को दिल्ली की सीटों पर चर्चा हुई थी। सूत्रों के अनुसार, प्रदेश कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी ने तीनों सीटों पर दो-दो नेताओं के नाम भेजे थे। वहीं, चुनाव समिति ने प्रदेश इकाई को निर्देश दिए हैं कि वह तीनों सीटों पर अपने स्तर पर उम्मीदवारों के नाम तय करके एक-एक नाम भेजे।

इस कारण स्क्रीनिंग कमेटी को दोबारा सूची भेजने को कहा है। प्रदेश कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी ने चांदनी चौक लोकसभा क्षेत्र से पूर्व सांसद जयप्रकाश अग्रवाल व पूर्व विधायक अल्का लांबा, उत्तर पश्चिम दिल्ली लोकसभा क्षेत्र से पूर्व सांसद उदित राज व पूर्व मंत्री रामकुमार चौहान और उत्तर पूर्वी लोकसभा क्षेत्र से पूर्व सांसद संदीप दीक्षित व प्रदेश अध्यक्ष अरविंद सिंह लवली के नाम भेजे थे। बताया जा रहा है कि कांग्रेस आलाकमान उत्तर पूर्वी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र से जेएनयू के नेता रहे कन्हैया कुमार को चुनाव लड़ाना चाहता है। लिहाजा, दोबारा भेजे जाने वाली सूची में कन्हैया कुमार का नाम शामिल कर भेजने की उम्मीद है। वहीं, उत्तर पश्चिम लोकसभा क्षेत्र से उदित राज व चांदनी चौक लोकसभा क्षेत्र से अल्का लांबा का नाम हो सकता है। दरअसल, इंडिया गठबंधन में शामिल आम आदमी पार्टी के अपने हिस्से में आईं चार सीटों पर उतारे उम्मीदवारों में एक भी महिला नहीं है। इस कारण अल्का लंबा को टिकट मिलने की संभावना बनी हुई है, क्योंकि भाजपा ने दो महिलाओं को टिकट दिया है।

नमाज़ियों पर दिल्ली पुलिसकर्मी का लात-घूंसे चलाना शर्मनाक : पब्लिक पोलिटिकल पार्टी

❖ नमाज पढ़ रहे लोगों पर दिल्ली पुलिसकर्मी ने जिस तरह का गुंडई व्यवहार किया उसकी पब्लिक पोलिटिकल पार्टी घोर निन्दा-भर्त्सना करती है : श्रीमती दीपमाला

नई दिल्ली (संवाददाता)

देश की राजधानी दिल्ली के इंद्रलोक इलाके में दिल्ली पुलिस के चौकी इंचार्ज उपनिरीक्षक ने अपनी करतूत से न सिर्फ. दिल्ली पुलिस बल्कि पूरी मानवता को शर्मसार किया है,नमाज़ियों पर दिल्ली पुलिसकर्मी द्वारा लात-घूंसे चलाना शर्मनाक और दुर्भाग्यपूर्ण है पब्लिक पोलिटिकल पार्टी इसकी निंदा भर्त्सना करती है और ऐसे अमानवीय और अनैतिक कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को पुलिस से बर्खास्त करने की मांग करती है। राष्ट्रहित और सवर्णों की पब्लिक पोलिटिकल पार्टी ने कहा है कि कानून का रक्षक इस तरह कानून को अपने हाथ में ले और वह भी किसी आपराधी के लिए नहीं बल्कि इबादत करने वालों पर, तो इससे अधिक शर्म की कोई बात नहीं हो सकती है। पब्लिक पोलिटिकल पार्टी ऐसे तत्वों को किसी भी विभाग में रखने के खिलाफ है। पब्लिक पोलिटिकल पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती दीपमाला श्रीवास्तव ने बताया कि दिल्ली के इंद्रलोक इलाके की एक वायरल विडियो ने दिल्ली पुलिस को शर्मसार करके रख दिया है। इस वीडियो में दिल्ली के इंद्रलोक क्षेत्र में नमाज पढ़ रहे लोगों पर पुलिस वाला लात और घूंसे मार रहा है। नमाज पढ़ रहे लोगों को हिंसक तरीके से धक्का देते हुए दिखाई दे रहा है। क्या ये पुलिसकर्मी नहीं जानता कि उसको हिंसा करने का अधिकार नहीं है। क्या वह नहीं जानता कि नमाज पढ़ने वाले की नियत तुड़वाना, उसके सामने जाना और उसके साथ हिंसा करना अपने आप में एक बड़ा अपराध है। जो इस अभद्र पुलिस वाले ने किया है। कोई संविधान, कोई कानून इस पुलिस वाले को ये छूट नहीं देता कि वह नमाज पढ़ रहे लोगों को लात घूसों से मारे। अगर ये लोग सड़क पर नमाज पढ़ भी रहे थे तो उनके इस कृत्य को वह संविधान और कानून की दृष्टि से निपटता न कि लात घूंसे चलाता। यह नमाजी कोई अपराध नहीं कर रहे थे। पब्लिक पोलिटिकल पार्टी दिल्ली पुलिसकर्मी की इस शर्मनाक और अमानवीय करतूत को दुर्भाग्यपूर्ण मानते हुए इसकी निंदा करती है। हालांकि दिल्ली पुलिस उपायुक्त (उत्तर) एम के मीणा के अनुसार इस घटना के दोषी और वीडियो में दिख रहे पुलिस चौकी प्रभारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है और आवश्यक अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की जा रही है लेकिन पब्लिक पोलिटिकल पार्टी मानती है कि ऐसे पुलिसकर्मी को पुलिस से बर्खास्त किया जाना चाहिए जो ऐसे व्यक्तियों को अपनी हिंसा और कोप का शिकार बनाए जो ईश्वर की प्रार्थना (इबादत) कर रहे हों। देश के संविधान और कानून का पालन नहीं करने वाले का स्थान पुलिस फोर्स में नहीं बल्कि सलाखों के पीछे होना चाहिए।

सदन में झूठी आशा देकर गुमराह कर रहे केजरीवाल : भाजपा

नई दिल्ली। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने शनिवार को कहा कि विधानसभा में भाषण के दौरान मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल हारी हुई लड़ाई लड़ते नजर आए। उन्हें यह पता होना चाहिए कि जब भी वह अपने पास आने वाले ईडी के नोटिसों पर बात करते हुए राजनीतिक रूप से भगवान राम का नाम लेते हैं, तो करोड़ों मतदाताओं का दिल दुखाते हैं। वे सिर्फ सदन में विकास की झूठी आशा देकर गुमराह करते हैं। सदन में उन्होंने जेल में बंद मनीष सिसोदिया को भी ऐसी ही भ्रामक झूठी उम्मीद देते हुआ कहा कि अगला बजट सिसोदिया पेश करेंगे। असल में केजरीवाल जेल में बंद सिसोदिया के दबाव में हैं और वे बार-बार उन्हें झूठी राजनीतिक उम्मीदें देते हैं जबकि वे वास्तव में जानते हैं कि निकट भविष्य में सिसोदिया को जमानत मिलने की संभावना नहीं है।